27 फरवरी 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

सीएम नीतीश ने सेपक टाकरा वर्ल्ड कप के लोगो और शुभंकर का किया अनावरण

2

महाकुंभ का समापन... अंतिम दिन डेढ़ करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

- मेला प्रशासन ने स्नानार्थियों पर हेलीकॉप्टर से कराई 120 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा
- वायुसेना के लड़ाकू विमान सुखोई, एएन 32, चेतक हेलीकॉप्टर ने पूरे आयोजन को दी महासलामी

केटी न्यूज/प्रयागराज

महाकुंभ का अंतिम स्नान पर्व बुधवार को हर हर महादेव के उद्घोष के साथ प्रारंभ हुआ और तड़के से ही श्रद्धालुओं का गंगा और संगम में डुबकी लगाना जारी रहा। दोपहर दो बजे तक 1.18 करोड़ लोगों ने स्नान किया। मेला प्रशासन ने स्नानार्थियों पर 120 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कराई। अधिकारियों ने बताया कि

बुधवार को दोपहर दो बजे तक 1.18 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई थी। वहीं देर रात तक श्रद्धालुओं के पवित्र संगम में स्नान करने का सिलसिला जारी रहा। अंतिम दिन डेढ़ करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। ऐसे में कुल 66 करोड़ से भी अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में स्नान किया। इसके साथ ही महाकुंभ का समापन हो गया।

अंतिम स्नान पर्व के दौरान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने पूरे आयोजन को महासलामी दी। बुधवार दोपहर वायुसेना के विमानों की तेज गर्जना सुन श्रद्धालुओं ने आसमान की ओर देख गर्व और उत्साह से तालियां बजानी शुरू कर दी। इस दौरान लोग जय श्री राम, हर हर गंगे, हर हर महादेव के साथ मोदी-योगी के भी जयकारे लगाने लगे। वायुसेना के एक अधिकारी के अनुसार महाकुम्भ में आए श्रद्धालु जब स्नान कर रहे थे तो वहीं आकाश में सुखोई, एएन 32 और चेतक हेलीकॉप्टर आसमान से श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ा रहे थे। पुष्प वर्षा के प्रभारी वी के सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं पर हर बार 20 क्विंटल पंखुड़ियों की वर्षा कराई गई और कुल 120 क्विंटल पंखुड़ियों की बारिश कराई गई। पहले दौर में आठ बजे पुष्प वर्षा कराई और सभी घाटों पर 6 बार पुष्प वर्षा कराई गई।

144 वर्षों के फैक्टर ने बढ़ाया श्रद्धालुओं में उत्साह

प्रयागराज आए कई श्रद्धालुओं ने कहा कि वे इस महाकुम्भ में '144 वर्षों' के फैक्टर से आकर्षित हुए, जिसके चलते उन्होंने हर हाल में यहां आने का निर्णय लिया। कोई भी इस दुर्लभ क्षण का साक्षी बनने से खुद को रोक नहीं पाया। इसके लिए उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओड़िशा, कर्नाटक, गुजरात जैसे कई राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने देश की लंबाई-चौड़ाई को कवर किया।

खबरें फटाफट

दागी नेताओं को ताउम्र बैन करना सही नहीं : केंद्र सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार दागी नेताओं को ताउम्र बैन करने के सख्त खिलाफ है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में इसका विरोध किया या। केंद्र सरकार का कहना है 6 साल के लिए डिसक्वालिफिकेशन पर्याप्त है। इस तरह की अयोग्यता लागू करना पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है।
दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में दोषी नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। इस पर केंद्र सरकार का कहना है कि यह याचिका कानून को फिर से बनाने या संसद को किसी खास तरीके से कानून बनाने के लिए कहने जैसा है, जो न्यायिक समीक्षा की शक्तियों के खिलाफ है। वकील अश्विनी उपाध्याय ने 2016 में एक जनहित याचिका दायर की थी, जिसमें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 और 9 की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाया गया था। उन्होंने पूछा कि राजनीतिक पार्टियां अच्छे छवि वाले लोगों को उम्मीदवार क्यों नहीं बनाती। याचिका में यह भी मांग की गई कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ चल रहे आपराधिक मामलों का जल्द निपटारा किया जाए और दोषी नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाया जाए।

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बिहार सरकार के 36 मंत्रियों का कोटा हुआ पूरा

नीतीश कैबिनेट का विस्तार, बीजेपी कोटा के सात विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

- कृष्ण कुमार मंटू, विजय मंडल, राजू सिंह, संजय सरावगी, जीवेश मिश्रा, सुनील कुमार और मोतीलाल प्रसाद ने ली मंत्री पद की शपथ

केटी न्यूज/पटना

बिहार में नीतीश सरकार मंत्रिमंडल का महाशिवरात्रि के दिन विस्तार हुआ। सात बीजेपी विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। ये सभी बीजेपी के कोटे से मंत्री बने हैं। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बारी-बारी कृष्ण कुमार मंटू, विजय मंडल, राजू सिंह, संजय सरावगी, जीवेश मिश्रा, सुनील कुमार और मोतीलाल प्रसाद ने मंत्री पद की शपथ दिलाई। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बीजेपी के इन सातों विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह मिली है। इससे बीजेपी की बिहार सरकार में भूमिका और मजबूत हुई है।

13 महीने में तीसरा कैबिनेट विस्तार: नीतीश सरकार ने 13 महीने में ये तीसरा कैबिनेट विस्तार किया है। सरकार के 36 मंत्रियों का कोटा अब पूरा हो चुका है। 36 मंत्रियों में सबसे ज्यादा भाजपा के 21, जेडीयू के 13 बाकी एक हम से और एक निर्दलीय हैं।

नए मंत्रियों का ये है जातीय समीकरण

- दरभंगा के जाले विधायक जीवेश मिश्रा भूमिहार जाति से आते हैं, ये दूसरी बार मंत्री बने।
- मुजफ्फरपुर के साहेबगंज से राजू सिंह विधायक हैं, ये राजपूत जाति से आते हैं।
- संजय सरावगी दरभंगा से विधायक हैं, ये मारवाड़ी हैं, पहली बार मंत्री बने।
- मोतीलाल प्रसाद सीतामढ़ी के रीगा से विधायक हैं और तेली जाति से आते हैं।
- कृष्ण कुमार मंटू छपरा के अमनौर से विधायक हैं, कुर्मी जाति से आते हैं, इन्हें मंत्री बनाया गया।
- डॉ. सुनील नालंदा के बिहारशरीफ से विधायक हैं, ये कोइरी जाति से आते हैं।
- विजय कुमार मंडल अररिया के सिकटी से विधायक हैं, केवट जाति से आते हैं।

दिलीप जायसवाल ने मंत्री पद से दिया इस्तीफा: बिहार के राजस्व मंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल ने पार्टी की 'एक व्यक्ति, एक पद' नीति का सम्मान करते हुए मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि मैं राजस्व मंत्री के पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं। हमारी पार्टी की नीति एक व्यक्ति, एक पद की है। हम पार्टी के अनुशासित सिपाही हैं। मैं आभारी हूं कि केंद्रीय नेतृत्व ने मुझे पार्टी की राज्य इकाई की जिम्मेदारी दी है।

बीजेपी की ओर से मंत्री पद के कई दावेदार थे

बीजेपी की ओर से मंत्री पद के कई दावेदार थे। लेकिन जातीय संतुलन और अन्य राजनीतिक कारणों से ये नाम हटा दिए गए। बीजेपी ने राजपूत, भूमिहार और यादव जातियों से तीन-तीन नामों पर विचार किया था। वैश्य समाज से चार नामों पर चर्चा हुई। कुशवाहा जाति से एक नाम सामने आया था। यादव जाति से नवल किशोर यादव (एमएलसी) और गायत्री देवी दावेदार थे। लेकिन दोनों को मंत्री पद नहीं मिला। इसी तरह कुर्मी जाति से अवधेश कुमार सिंह का नाम भी चर्चा में था, मगर उन्हें भी मंत्री नहीं बनाया गया। इस मंत्रिमंडल विस्तार में महिलाओं को कोई प्रतिनिधित्व नहीं मिला। राजपूत जाति से राजू सिंह को मंत्री बनाया गया, जबकि अमरेंद्र प्रताप सिंह और राम प्रवेश राय का नाम शामिल नहीं हुआ। भूमिहार जाति से जीवेश मिश्रा को मंत्री पद मिला। अरुणा देवी और कुमार शैलेंद्र का पत्ता साफ हो गया। कुशवाहा जाति से सिर्फ डॉ. सुनील कुमार का नाम था, जिन्हें मंत्री बनाया गया। वैश्य (अति पिछड़ा) वर्ग से मोतीलाल प्रसाद और संजय सरावगी को मंत्रिमंडल में जगह मिली। लाल बाबू गुप्ता और राम नारायण मंडल मंत्री नहीं बन पाए।

हजारीबाग में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प, 20 घायल

लाउडस्पीकर लगाने को लेकर हुआ था विवाद

एजेंसी/हजारीबाग

झारखंड के हजारीबाग जिला अंतर्गत इचाक प्रखंड के डुमरौन गांव में दो समुदायों के बीच बुधवार को हिंसक झड़प हुई। दोनों ओर से जमकर पथराव हुआ, जिसमें कम से कम 20 लोग घायल हुए हैं। उपद्रवियों ने तीन मोटरसाइकिल में भी आग लगा दी। हिंसक टकराव की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन के अधिकारी और सुरक्षा बलों की टुकड़ियां मौके पर पहुंचीं। इसके बाद हालात पर काबू पा लिया गया। बताया गया कि डुमरौन स्थित सरकारी विद्यालय के गेट पर महाशिवरात्रि के अवसर पर लाउडस्पीकर लगाने को लेकर विवाद बढ़ा और देखते ही देखते दो समुदायों के लोग आमने-सामने हो गए। एक समुदाय ने करीब दो साल पहले विद्यालय में धार्मिक प्रतीक वाला मीनारनुमा गेट बना दिया था। इस पर ग्रामीणों का एक समूह लगातार आपत्ति जताता रहा है। इसे लेकर जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक सहित कई अफसरों को कई बार ज्ञापन भी सौंपा गया था, लेकिन प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की।

बुधवार को इसी गेट के पास एक समुदाय के लोग लाउडस्पीकर लगाने पहुंचे तो दूसरे पक्ष ने इसका विरोध किया। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि पथराव शुरू हो गया। इसके बाद दोनों ओर से भिड़ंत हुई। घायलों का हजारीबाग अस्पताल में इलाज कराया गया है। पुलिस के पहुंचने के बाद दोनों पक्षों को मौके से हटा दिया गया, लेकिन इस बीच तीन मोटरसाइकिल को आग के हवाले कर देने से तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। पुलिस-प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए इलाके में शांति बहाल करने के लिए अभियान तेज कर दिया। हजारीबाग डीसी नैंसी सहाय ने इस संबंध में कहा कि इचाक में साउंड सिस्टम लगाने को लेकर मारपीट हुई। जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। अभी स्थिति नियंत्रण में और शांतिपूर्ण है।

हम सभी को अपनी बेटी-बहनों को मजबूत और सक्षम बनाने में योगदान देना चाहिएः राष्ट्रपति

एजेंसी/छतरपुर

छतरपुर जिले के गढ़ा गांव स्थित बागेश्वर धाम में महाशिवरात्रि के अवसर पर सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। 251 जोड़ों के विवाह कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दूल्हा-दुल्हनों को आशीर्वाद दिया। इस मौके पर मुर्मू ने कहा कि संतों ने महिलाओं को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाया है और देश अब महिला-विकास से महिला-नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ रहा है. बागेश्वर धाम में राष्ट्रपति ने आगे कहा कि संत समुदाय ने समाज से सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाकर उन्हें दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. गुरु नानक, संत रविदास, संत कबीर दास, मीरा बाई या संत तुकाराम सभी ने अपनी शिक्षाओं के माध्यम से लोगों को सही रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया। संतों ने लोगों को समाज में व्याप्त अंधविश्वासों के प्रति जागरूक किया और उन्हें छुआछूत और जाति आधारित भेदभाव से दूर रहने की शिक्षा दी। गरीब कन्याओं के विवाह अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, आज जब हमारा देश महिला-विकास से महिला-नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ रहा है, तो हम सभी को अपनी बेटियों और बहनों को मजबूत और सक्षम बनाने में योगदान देना चाहिए। उन्होंने लोगों से महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ध्यान देने का आग्रह किया।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सेना की गाड़ी पर आतंकियों ने की गोलीबारी

एजेंसी/श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सेना की गाड़ी पर आर्तकियों ने गोलीबारी की है। आर्तकियों का यह हमला सुंदरबनी इलाके में हुआ। गश्त पर निकले सुरक्षाबलों को आतंकवादियों ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। सेना की गाड़ी पर 4-5 राउंड फायरिंग की गई। सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों की खोजबीन के लिए इलाके की घेरेबंदी की है। जानकारी के अनुसार एक हमला बुधवार दोपहर 1 बजे के करीब हुआ। जैसे ही यह वाहन सुंदरबनी माला रोड के फाल गांव के नजदीक पहुंचा तो जंगल से वाहन पर फायरिंग की गई। यह हमला ऐसे वक्त पर सामने आया है जब कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान और भार के बीच फ्लैग मीटिंग हुई थी। तब शांति पर सहमति बनी थी। ऐसा माना जा रहा है कि आतंकी सुंदरबनी के घने जंगल में छिपे हुए थे। उन्होंने पूरी तैयारी के साथ सेना के वाहन पर गोलीबारी की।

महाशिवरात्रि पर नागा संन्यासियों के सात अखाडों ने बाबा विश्वनाथ का किया जलाभिषेक

हर-हर महादेव के जयकारे से गूंजती रही काशी की नगरी

एजेंसी/वाराणसी

महाशिवरात्रि पर बुधवार को काशी में प्रयागराज महाकुंभ जैसा नजारा दिखा। हनुमान घाट से बाबा के धाम तक श्रद्धालुओं ने दिव्य और भव्य नजारे का दर्शन किया। यह पहला मौका था, जब नागा साधु-संन्यासियों ने काशी विश्वनाथ धाम में गेट नंबर चार यानी ज्ञानवापी मार्ग से प्रवेश किया। हर-हर महादेव का जयकारा लगाते हुए नागा संन्यासियों की टोली धाम में पहुंची। इससे पहले नागा संन्यासियों को ढुंढिराज गणेश मार्ग से मंदिर परिसर में प्रवेश मिलता था। काशी विश्वनाथ धाम में पुष्पवर्षा के साथ नागा संन्यासियों का स्वागत किया गया। इस दौरान सभी अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। नागा संन्यासियों के सात अखाडों ने महाशिवरात्रि पर अपने आराध्य बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया। आचार्य महामंडलेश्वर की अगुवाई में नागा साधु-संन्यासी बग्घी, घोड़े और वाहनों पर सवार होकर अखाड़ों से निकले। गंगा की लहरों, काशी की गलियों में डमरू की निनाद और शंखनाद के साथ नागा संन्यासियों की पेशवाई निकली तो लोग हर- हर महादेव का जयकारे लगाते दिखे। महंत शंकर पुरी महाराज ने बताया कि यह पहला मौका है जब गेट नंबर चार से नागा संन्यासी काशी विश्वनाथ धाम में प्रवेश किया।

जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि, निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि, आनंद अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर बालकानंद गिरि, महानिवार्णी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर विशोकानंद महाराज, सुमेरुपीठ के पीठाधीश्वर स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती और अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज राजसी यात्रा की अगुवाई में राजसी यात्रा (पेशवाई) निकाली गई।

सीएम ने सेपक टाकरा वर्ल्ड कप के लोगो और शुभंकर का किया अनावरण

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद में आयोजित कार्यक्रम में बिहार में आयोजित होने वाले सेपक टाकरा वर्ल्ड कप-2025 के लोगो और शुभंकर का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने शुभंकर और लोगो का अनावरण आधुनिक थ्रीडी होलोग्राम प्रोजेक्टर के माध्यम से किया, जो बिहार में पहली बार हुआ है। सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 2025 का लोगो बिहार की संस्कृति, खेल भावना और भविष्य की ऊर्जा को एक साथ समेटे हुए है। इस खेल का शुभंकर बिहार की ताकत और गौरव का प्रतीक है।

बिहार पहली बार सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 2025 की मेजबानी करने जा रहा है। सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन 20 से 25 मार्च 2025 तक पाटलिपुत्र खेल परिसर पटना में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 25 से अधिक देशों के खिलाड़ी अपनी ताकत, कौशल और जुनून का प्रदर्शन करेंगे। ज्ञातव्य है कि सेपक टाकरा खेल मलेशिया का राष्ट्रीय खेल है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 38वें राष्ट्रीय खेल में बिहार के पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। 38वां राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखंड में आयोजित किया गया था, जिसमें बिहार ने विभिन्न खेल विधाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण पदक, छह रजत पदक तथा पांच कांस्य पदक सहित कुल 12 पदक अपने नाम किए। जो राज्य के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बिहार के खिलाड़ियों ने लॉन बॉल्स में स्वर्ण पदक और तीरंदाजी, वुशू, तलवारबाजी, लॉन बॉल्स, योगा एवं रग्बी में रजत पदक तथा वुशू, लॉन बॉल्स, तलवारबाजी एवं मॉर्डन पेंटाथलॉन में कांस्य पदक जीता।

कार्यक्रम के दौरान सेपक टाकरा गेम्स एवं खेलो इंडिया यूथ पर आधारित एक लघु फिल्म की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को सामान्य प्रशासन एवं खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी राजेन्दर ने हरित पौधा तथा इंडियन सेपक टाकरा फेडरेशन के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह दहिया ने प्रतीक चिह्न भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, सामान्य प्रशासन एवं खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी राजेन्दर, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक डॉ. रविंद्रन शंकरण, खेल विभाग के निदेशक महेंद्र कुमार व अन्य खिलाड़ी उपस्थित रहे।

पटना जंक्शन पर टीटीई से संपर्क कर टिकट खरीद सकते हैं यात्री

केटी न्यूज/पटना

बिहार की राजधानी पटना में रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मोबाइल यूटीएस टिकट प्रणाली शुरू की है। इस नई सेवा के तहत यात्री अब स्टेशन परिसर में घूमते-फिरते टीटीई से ऑन-द-स्पॉट टिकट प्राप्त कर सकते हैं। इससे टिकट काउंटर पर लंबी कतारों से छुटकारा मिलेगा और यात्रियों को अधिक सहूलियत होगी। दरअसल, महाकुंभ के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यह अनूठी पहल की है। अब टिकट काउंटर पर लाइन में लगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यात्री प्लेटफॉर्म पर घूमते हुए भी टीटीई से संपर्क कर टिकट खरीद सकते हैं। इस नई प्रणाली के तहत टीटीई के पास एक खास मशीन उपलब्ध करवाई गई है, जिसमें यात्रियों की यात्रा से जुड़ी जानकारी जैसे ट्रेन का नाम, गंतव्य स्थान और यात्रा की श्रेणी दर्ज की जाती है। इसके बाद मशीन से तुरंत टिकट प्रिंट होकर निकल जाता है, जिसे यात्री ऑन-द-स्पॉट प्राप्त कर सकते हैं।

पटना के कलेक्ट्रेट घाट पर हुए दो हादसे, एक युवक व तीन नाबालिग की तलाश

गंगा नदी में वॉलीबॉल खेलने के दौरान डूबे 3 युवक, दो के शव मिले

केटी न्यूज/पटना

बिहार के पटना में गंगा नदी में वालीबॉल खेलने के दौरान तीन दोस्त डूब गए। इस घटना मे 2 की मौत हो गई है, जिनका शव बरामद हुआ है। वहीं एक युवक लापता हैं। प्रशासन की टीम लापता युवक की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार छह दोस्त कलेक्ट्रेट घाट पर नहाने पहुंचे थे। इनमें से पांच युवक गंगा में उतर गए, जबकि गोलू नाम का एक लड़का किनारे खड़ा रहा क्योंकि उसे तैरना नहीं आता था। ये सभी एक वॉलीबॉल लेकर नदी में खेल रहे थे। खेलते-खेलते आशीष और सचिन गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उन्हें बचाने के लिए बाकी तीन दोस्त भी पानी में आगे बढ़े, लेकिन वे भी बहाव में फंस गए। बाहर खड़े गोलू ने शोर मचाया, जिसके बाद पास मौजूद नाविकों ने बांस की मदद से आशीष और सचिन को बाहर निकाल लिया. लेकिन अभिषेक, रजनीश और विशाल गंगा की लहरों में समा गए। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और गांधी मैदान थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। तीन घंटे की खोजबीन के बाद अभिषेक (25) और रजनीश (21) के शव बरामद हुए। विशाल अब भी लापता है।

नहाने गए दूसरे ग्रुप के 3 नाबालिग भी डूबे

इसी दौरान घाट पर मौजूद एक और ग्रुप के चार लड़के भी नहा रहे थे। बाकरगंज के रहने वाले ये चारों नाबालिग थे गोविंद, रेहान, नितिन और सोनू। नहाते वक्त ये भी डूबने लगे। नितिन किसी तरह खुद को किनारे लाने में सफल रहा और उसने शोर मचाया। मौके पर पहुंचे लोगों और एसडीआरएफ की टीम ने इन लड़कों की भी तलाश शुरू की। कुल 4 लड़कों विशाल, रेहान, गोविंद और सोनू–की तलाश की जा रही है। घटना के बाद घाट पर मौजूद युवकों के परिवारवालों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कह रहे हैं कि चार घंटे बीत चुके हैं, लेकिन उनके बच्चों का अब तक कुछ पता नहीं चला। घटनास्थल पर हंगामा भी हुआ, लेकिन प्रशासन ने लोगों को शांत कराते हुए जल्द से जल्द लापता युवकों को खोजने का भरोसा दिलाया है।

रोहतास में चलती ऑटो पर हाइवा पलटने से दो लोगों की मौत

सासाराम। रोहतास जिले के शिवसागर थाना क्षेत्र अंतर्गत मोर गांव के समीप एक चलती ऑटो पर हाइवा पलटने से दो लोगों की मौत हो गई है। घटना बुधवार की देर शाम राष्ट्रीय राजमार्ग-19 की बताई जाती है और इस घटना में दो अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका फिलहाल इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर करूप गांव निवासी चार लोग ऑटो पर सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे तभी मोर गांव के समीप एक अनियंत्रित हाइवा ऑटो पर पलट गया। इसमें ऑटो चालक सहित दो लोगों की मौत हो गई और दो लोग बुरी तरह जख्मी हो गये। मृतकों में ऑटो चालक सासाराम के वार्ड नंबर-40 निवासी विजय शंकर जायसवाल के 40 वर्षीय पुत्र कोमल कुमार जायसवाल एवं शिवसागर थाना क्षेत्र के करूप गांव निवासी निर्मल पासवान के 18 वर्षीय पुत्र छोटे कुमार शामिल है। वहीं घायलों में करूप गांव निवासी संतोष कुमार के 19 वर्षीय बेटे सिकंदर कुमार व अशोक पासवान का बेटा अमरेन्द्र कुमार शामिल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एनएचएआई में चल रहे निर्माण कार्य के लिए मिट्टी लोड हाइवा सासाराम की तरफ जा रहा था और विपरीत दिशा से एक ऑटो आ रहा

था। जैसे ही हाइवा करूप मोड के समीप टर्न लेने का प्रयास किया, वैसे ही अनियंत्रित होकर ऑटो पर पलट गया और हाइवा पलटने के बाद ऑटो में सवार चारो लोग दब गये। इधर, घटना के बाद स्थानीय लोग दौड़ पड़े और तुरंत एनएचएआई की टीम भी घटना स्थल पर पहुंच गई, जिसके बाद हाइवा को सीधा कर अंदर दबे ऑटो सवार लोगों को बाहर निकाला गया। इसमें चालक और एक ऑटो सवार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एनएचएआई की टीम और पुलिस ने घायल सभी लोगों को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

गोवा से आई सीबीआई ने जालसाज को दबोचा

पटना। मुंगेर में सीबीआई की टीम ने छापेमारी कर डेढ़ करोड़ के गबन के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सीबीआई की दो सदस्यीय टीम ने तारापुर थाना क्षेत्र के परसा गांव में यह छापेमारी की है। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद सीबीआई की टीम उसे अपने साथ गोवा लेकर चली गई। दरअसल सीबीआई टीम ने मुंगेर के तारापुर थाना क्षेत्र के लौना परसा गांव निवासी सिकंदर प्रसाद सिंह के पुत्र पंकज सिंह को गिरफ्तार किया है। पंकज सिंह ने इलाहाबाद बैंक की गोवा शाखा में वर्ष 2018 में 1.45 करोड़ की धोखाधड़ी की थी। इसकी जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है। जांच के दौरान अभियुक्त की संलिप्तता सामने आने के पश्चात सीबीआई की दो सदस्यीय टीम मुंगेर पहुंची और धोखाधड़ी के आरोपी पंकज सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

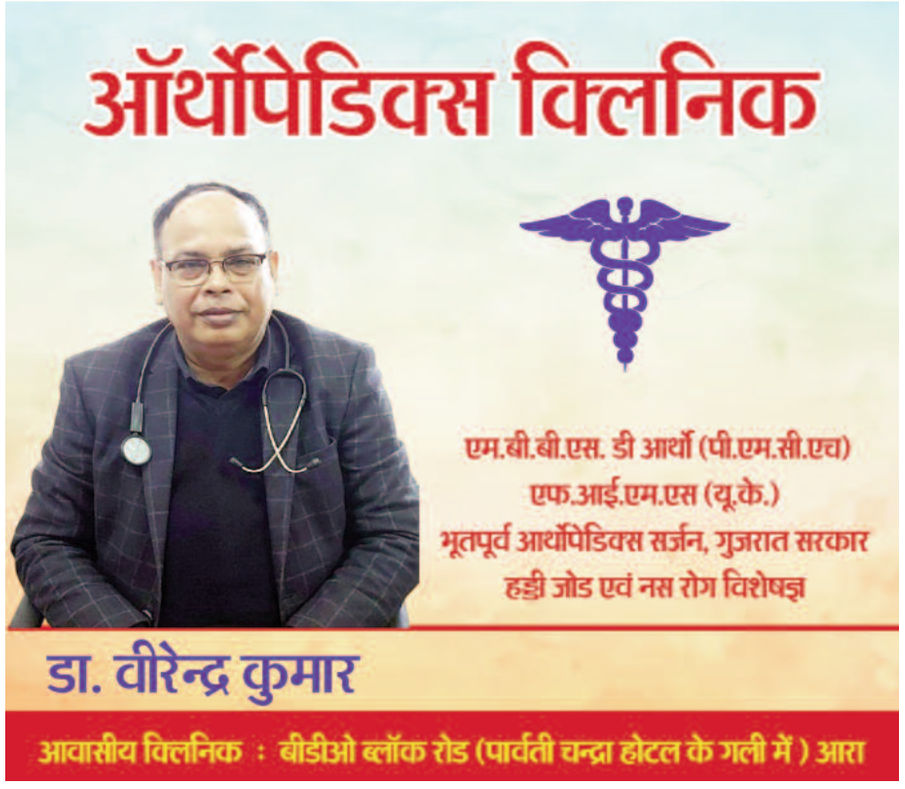

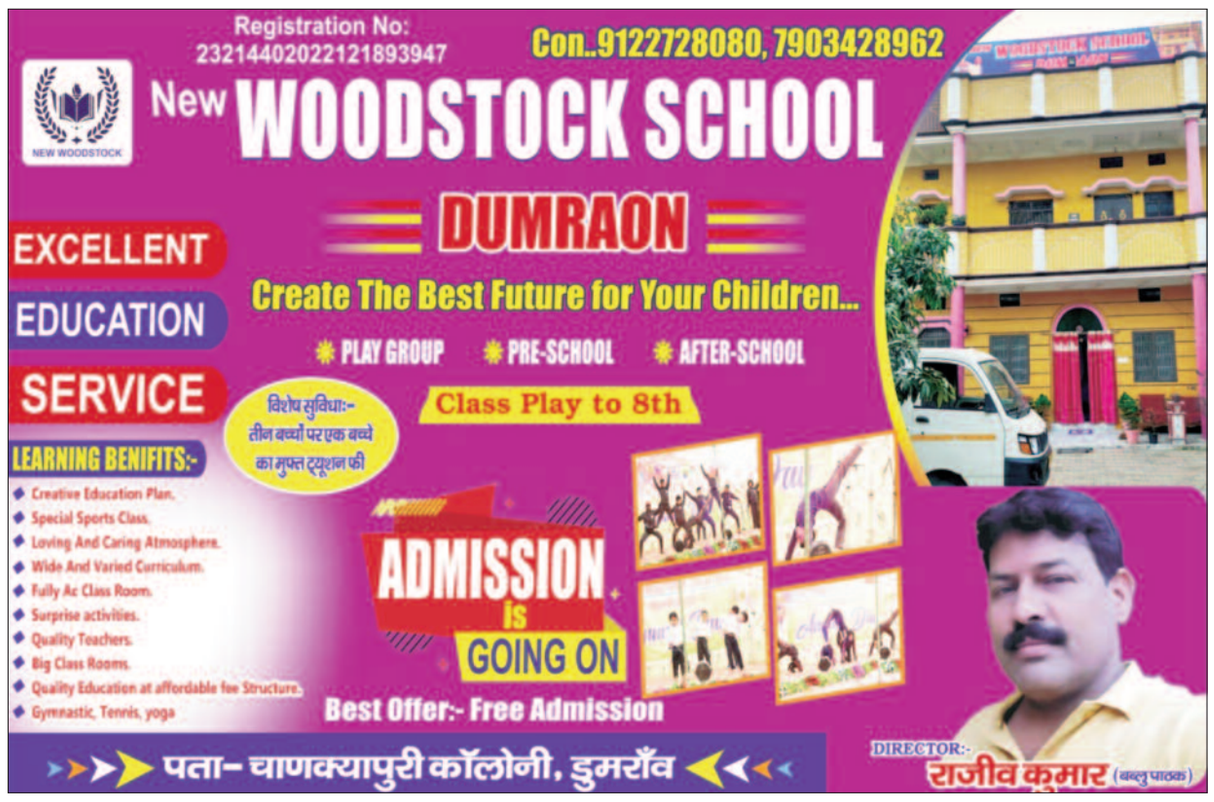

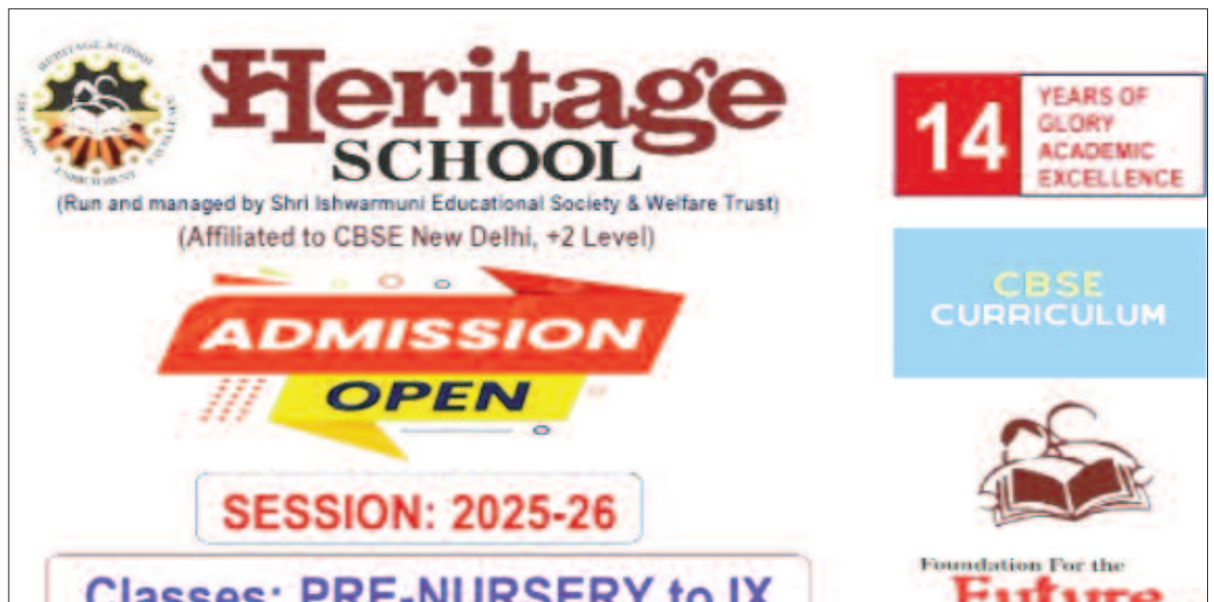

सीएम नीतीश कुमार को निपटाने की हो रही तैयारी: सांसद मनोज

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज झा ने बुधवार को भागलपुर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को 'निपटाने' की तैयारी की जा रही है और उनके समर्थकों के साथ नाइंसाफी की योजना बनाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 फरवरी को भागलपुर की जनसभा में नीतीश कुमार को 'लाडला मुख्यमंत्री' कहकर संबोधित किया था। इस पर तंज कसते हुए मनोज झा ने कहा, जब पड़ोस के बच्चे को खिलौना चाहिए होता था, तो मां अपने बच्चे को 'लाडला' कहकर समझाती थी। अरे, मेरा लाडला, तुम्हें दूसरा ला देंगे, यह खिलौना उसे दे दो। मैं इसे निपटाने की तैयारी मानता हूं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के बयान, जिसमें उन्होंने नीतीश कुमार के भीतर देवीय शक्ति होने की बात कही थी, पर भी मनोज झा ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, गांवों में जब किसी पर देवी आती है तो उसे बांधकर रखा जाता है और विनती कर जाने के लिए कहा जाता है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि नीतीश जी साकांक्ष हो जाएं। वहीं मनोज झा ने कहा कि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री का बहुत सम्मान करते हैं और उनकी बातों में हमेशा नीतीश कुमार की चिंता झलकती है। उन्होंने दावा किया कि कुछ नौकरशाह और राजनेता बिहार के मुख्यमंत्री तक सही सूचना नहीं पहुंचने देते हैं।

पर्यटन स्थलों के विकास के लिए 300 करोड़ रुपये की मिली मंजूरी

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार ने राज्य के पर्यटन स्थलों के विकास के लिए 300 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इस राशि से पटना, राजगीर, जहानाबाद, शेखपुरा और अन्य स्थानों के प्रमुख पर्यटन स्थलों को नया रूप दिया जाएगा। इन परियोजनाओं के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार, मल्टीलेवल पार्किंग, पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विस्तार और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने की योजना बनाई गई है।

पटना में बनेगा दिल्ली हाट की तर्ज पर पटना हाट: राज्य सरकार पटना में 'पटना हाट' विकसित करने जा रही है, जो दिल्ली हाट की तर्ज पर बनाया जाएगा। इसके लिए 45.96 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। गोलघर के सामने प्रस्तावित इस हाट में बिहार की पारंपरिक हस्तकला, लोक कला, और स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिए विशेष बाजार बनाया जाएगा।

पटना सिटी में मल्टीलेवल पार्किंग की सुविधा: तख्त श्री हरिमंदिर साहिब आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए मल्टीलेवल पार्किंग बनाई जाएगी। इससे पटना सिटी में ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और श्रद्धालुओं को बेहतर पार्किंग सुविधा मिलेगी।

राजगीर और बराबर पहाड़ियां इको-टूरिज्म से जुड़ेंगी: राजगीर के ब्रह्मकुंड और जहानाबाद की बराबर पहाड़ियों को इको-टूरिज्म के तहत विकसित किया जाएगा। बराबर पहाड़ियों में पर्यटकों के लिए नेचर पार्क, एडवेंचर स्पोर्ट्स और गाइडेड ट्रेकिंग सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

बेहतर काम की बदौलत हर फ्रंट पर लोगों का भरोसा जीत रही बिहार पुलिस

बिहार पुलिस ने रचा इतिहास... फेसबुक पर एक मिलियन फॉलोवर्स के साथ देश में दूसरे स्थान पर

केटी न्यूज/पटना

राज्य में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए बिहार पुलिस लगातार काम कर रही है। अपने बेहतर काम की बदौलत बिहार पुलिस हर फ्रंट पर लोगों का भरोसा जीत रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को लगातार जागरूक किया जाता है, ताकि कोई भी साइबर फ्रॉड के चंगुल में न फंसे। आमलोगों के बीच बिहार पुलिस की विश्वसनीयता का ही परिणाम है कि फेसबुक पर 1 मिलियन फॉलोवर्स हो गए हैं। इस भरोसे के दम पर बिहार पुलिस का फेसबुक पेज अब 10 लाख लोगों का परिवार बन गया है।

यही नहीं, अगर बाकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को मिला दें, तो

17 लाख से ज्यादा लोग बिहार पुलिस के पेज को फॉलो करते हैं। फेसबुक पर बिहार पुलिस देश के अन्य राज्यों की पुलिस से काफी आगे दूसरे नंबर पर पहुंच गई है, प्रथम स्थान पर सिर्फ केरला पुलिस है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर कुल फॉलोवर्स की संख्या के मामले में बिहार पुलिस अब चौथे नंबर पर पहुंच चुकी है। कुल फॉलोवर्स के मामले में बिहार पुलिस से आगे अब सिर्फ उत्तर प्रदेश, केरला और महाराष्ट्र पुलिस है। पब्लिक से सीधे जुड़ाव के कारण ही बिहार पुलिस के फॉलोवर्स की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। दरअसल, बिहार पुलिस मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया सेंटर में चौबीसों घंटे काम कर रहे पुलिसकर्मी ससपेक्टेड अकाउंट पर भी नजर रखते हैं। सोशल मीडिया पर किसी तरह की अफवाह फैलाने वाले, भ्रामक या उन्माद फैलाने वाले पोस्ट करने वाले, हथियार का प्रदर्शन करने वाले, किसी का वीडियो वायरल करने वाले या फिर फेक अकाउंट बनाने वालों पर चौबीसों घंटे नजर रखी जाती है। इस तरह की गतिविधियों से किसी भी तरह से समाज या लोगों को दिग्भ्रमित करने वालों के खिलाफ संबंधित अधिकारी या विभाग को पूरी जानकारी भेजी जाती है, ताकि समय पर ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जा सके। इस कदम से सोशल मीडिया पर बिहार पुलिस के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है। सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स की संख्या की बात करें तो बिहार पुलिस राज्य के किसी भी अन्य सरकारी विभाग से बहुत आगे है। पिछले साल राजस्थान पुलिस ने भी सोशल मीडिया सेंटर का विजिट कर यहां के कामकाज को समझने की कोशिश की थी कि कैसे सोशल मीडिया के जरिए पुलिसिंग को और बेहतर किया जा सकता है।

हादसा: बक्सर के सोमेश्वरनाथ घाट पर हुई दु:खद घटना, नई बाजार के रहनेवाले थे दोनों

गंगा नदी में नहा रहे दो किशोरों की डूबने से मौत

- बुधवार की शाम एक साइकिल पर सवार हो स्नान करने आए थे दोनों

केटी न्यूज/बक्सर

महाशिवरात्रि के अवसर पर एक दु:खद घटना सामने आयी। शहर के सोमेश्वर स्थान स्थित स्थानीय घाट पर गंगा स्नान के दौरान गहरे पानी में डूबने से दो किशोरों की मौत हो गई है। दोनों किशोर नई बाजार के रहनेवाले थे। उनकी पहचान शहजेब हुसैन, पिता साजिद हुसैन और फरहान अंसारी पिता फारुख अंसारी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार शाम करीब पांच बजे के बाद दो किशोर गंगा नदी में स्नान करने के लिए आये थे। दोनों रेंजर साईकिल पर सवार होकर आये थे। दोनों अपने कपड़े खोलकर नदी में स्नान करने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों किशोर स्नान के दौरान खेलते-खेलते आगे बढ़ गए। इसके बाद अचानक तेज आवाज सुनाई दी। तभी सभी का ध्यान दोनों किशोरों की ओर गया। वह मौजूद प्रत्यक्षदर्शी दोनों को बचाने के लिए नदी में कूद गए। लेकिन, दोनों को नहीं बचाया जा सका। साथ ही दोनों का शव गहरे नदी में चला गया था। इस कारण उनका शव तत्काल नहीं निकाला जा सका।

इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। इसकी सूचना सदर अंचलाधिकारी को दी। सीओ तुरंत ही स्थानीय गोताखोर को लेकर मौके पर पहुंचे। करीब आधा घंटा मशक्कत के बाद दोनों के शव को बाहर निकाला गया। शव बरामद होने के बाद पुलिस कुछ देर तक उनके पहचान का प्रयास की, लेकिन जब पहचान नहीं हो सकी तो पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर सैकड़ो लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई थी, लेकिन किसी ने उनकी शिनाख्त नहीं की। हालांकि देर रात उनकी पहचान हो सकी।

मिली जानकारी के अनुसार उनकी रेंजर साइकिल भी घाट किनारे खड़ी थी, जिस पर उनके कपड़े रखे थे। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो दोनों एक साथ स्नान के लिए गंगा में उतरे थे। इस दौरान एक डूबने लगा, जिसे बचाने के प्रयास में दूसरा भी डूब गया। इससे पहले नगर थानाध्यक्ष ने बताया था कि पोस्टमार्टम के बाद शव सुरक्षित रखे जाएंगे। वहीं, उन्होंने कहा था कि दोनों की तस्वीर को सोशल मीडिया पर डाल पहचान की अपील की गई है। वहीं इस संबंध में नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि देखने से दोनों किशोरों की उम्र 13 से 14 वर्ष के बीच है। हालांकि पुलिस इस बात का अंदाजा लगा रही थी कि दोनों किशोर शहर के बाहर के रहने वाले हैं। यहां किसी हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते होंगे। इस कारण परिजन उन्हें खोजने के लिए बाहर नहीं निकले हैं। यदि स्थानीय किशोर रहते, तब तक उनकी खोजबीन शुरू हो गई होती। थानाध्यक्ष ने यह भी कहा था कि नियमानुसार उनके शव को सुरक्षित रखा गया है। देर रात सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल होने के बाद परिजनों ने साइकिल देखकर इसकी पहचान की और थाना पहुंचे। यहां से परिजनों को सदर हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां दोनों मृत किशोरों के परिजनों ने बॉडी की पहचान शहजेब और फारुख के रूप में की।

एक नजर

तीन कार्टून शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

सिमरी। रामदास राय के डेरा थाना पुलिस ने मंगलवार की रात तीन कॉर्टन बंटी बबली शराब के साथ दो शराब तस्कर को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार तस्कर ने पूछताछ में अपना पहचान सहियार गांव निवासी छोटू सिंह उर्फ सचिन सिंह व मंजेश सिंह बताया हैं। दोनों तस्करों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मुकदमा दायर कर जेल भेज दिया गया हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि होली को देखते हुए पुलिस शराब तस्करी रोकने के लिए विशेष अभियान चला रही है। यह सफलता भी इसी अभियान के तहत मिली है। उन्होंने कहा कि हर दिन जनेश्वर मिश्र सेतु मार्ग के अलावे गंगा तटो पर निगाहबानी की जा रही है, ताकी तस्कर अपने मंसूबे में कामयाब न हो सकें।

मुंडन संस्कार को लेकर रामरेखा घाट पर उमड़ी महिलाओं की भीड़, घाट पर रही अव्यवस्था

बक्सर। मुंडन संस्कार एवं महाशिवरात्री को लेकर नगर के रामरेखाघाट पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। महाशिवरात्रि के दिन मुंडन संस्कार को लेकर शुभ मुहुर्त होने के कारण रामरेखाघाट पर अप्रत्याशित भीड़ जुट गई थी। श्रद्धालुओं की संख्या के आगे बड़े क्षेत्र में फैला रामरेखाघाट सिमट गया था। लोगों को मुंडन संस्कार को पूरा कर आने जाने की सिलसिला लगातार पूरे दिन कायम रहा। जिसके कारण नगर के स्टेशन रोड एवं रामरेखाघाट रोड पर भी जाम की स्थिति कायम रही। वहीं मुंडन संस्कार को लेकर घाट पर पूरी तरह से अव्यवस्था कायम थी। इसके बावजूद जिले के अधिकारियों द्धारा मुंडन को लेकर नगर में होने वाली अव्यवस्था को ले कोई कार्य योजना नहीं बनाई जा रही है। प्रशासन द्धारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिससे लोगों को मुंडन के कारण होने वाली अव्यवस्था से निजात दिलाया जा सके। इसको लेकर प्रशासनिक अधिकारियों द्धारा कोई योजना नहीं बनाया गया है। वहीं योजना को मूर्त रूप देने में प्रशासन के साथ ही ट्रैफिक अधिकारी पूरी तरह से फेल नजर आ रहे है। जिसके कारण बुधवार को लोगों को मुंडन के कारण पूरे दिन जलालत घाट पर भी गुजारनी पडी। पूरे दिन नगर की बाईपास रोड में वाहन चलने के बजाय सरकते रहे। वाहनों को बाईपास रोड में जाम लगा रहा। वैदिक मंत्रोचार के बीच गंगा मइया की पूजा-अर्चना करने के बाद नाव पर सवार होकर लोग उस पार गये, जहां परंपरागत तरीके से गंगा मइया की आराधना करने के बाद रामरेखा घाट पर लौटे। इसको लेकर उमड़ी भीड़ के चलते आम लोगों को भले ही परेशानी हुई। परंतु रामरेखा घाट पर रहने वाले पंडितों, नाविकों व उसके पास रहने वाले व्यवसायियों की बल्ले-बल्ले रहा। पंडितों व नावों के लिए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा था।

32 लीटर शराब जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

बक्सर। नगर के विभिन्न जगहों से शराब बरामद की गई है। टाउन थाना की पुलिस को यह कामयाबी ज्योति प्रकाश चौक एवं सोहनीपट्टी वार्ड संख्या-22 में अलग-अलग समय मिली। दोनों जगहों से 32 लीटर से ज्यादा शराब एवं दो ई-रिक्शा जब्त किए गए हैं, जबकि एक मामले में दो तस्करों की गिरफ्तारी हुई है। गिरफ्तार दोनों तस्कर जिले के डुमरांव शहर स्थित नथुनी के बाग मुहल्ला के रहने वाले हैं। जिनकी पहचान प्रभुनाथ चौधरी उर्फ बुचन चौधरी का पुत्र पारसनाथ चौधरी उर्फ बिट्टू कुमार तथा मो. महमूद अंसारी का पुत्र मोहम्दीन अंसारी है। इसकी पुष्टि करते हुए नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि दोनों आरोपितों से पूछताछ के बाद बुधवार को न्यायालय में पेश किया गया। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार तस्कर बैग में शराब लेकर एक ई-रिक्शा से रेलवे स्टेशन जा रहे थे। जिसकी भनक गश्ती पर निकली पुलिस को लग गई। पुलिस टीम द्वारा ज्योतिप्रकाश चौक पर वाहन जांच शुरू कर दी गई। पुलिस के इशारा पाते ही ड्राइवर अपने ई-रिक्शा को रोक दिया और उसमें सवार दोनों युवक भागने का प्रयास किये। पुलिस ने दोनों को ई-रिक्शा में ही दबोच लिया।

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट, मुकदमा दर्ज

सिमरी। स्थानीय थाने के सिमरी रामोपट्टी गांव में जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इसमें दोनों पक्ष के लोग जख्मी हुए है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठियां चली। इस दौरान रामोपट्टी गांव रणक्षेत्र मे तब्दील हो गया था। इस मामले में पहले पक्ष की रेणु पांडेय पति गंगा सागर पांडेय ने दूसरे पक्ष के मनोज पांडेय समेत पांच के खिलाफ जबकि दूसरे पक्ष की उषा देवी पति मनोज पाण्डेय ने गंगा सागर पाण्डेय समेत चार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। सिमरी थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने कहा कि दोनों पक्षों से मिले आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

केसठ में स्वच्छता अभियान हवा हवाई, अधिकारी मौन

केटी न्यूज/केसठ

गांवों को स्वच्छ बनाने केलिए सरकार ने सामुदायिक शौचालय बनाने में लाखों रुपये खर्च किए, लेकिन इनका प्रयोग नहीं किया जा रहा है। लाखों खर्च से गांव-गांव बने सामुदायिक शौचालय कहीं वीरान में धूल फांक रहे हैं और कहीं गांव के पास भी बनकर प्रयोग में नहीं आ रहे हैं। इसको जानने के बाद भी जिम्मेदार लापरवाह बने हैं। प्रखंड के खरवनिया गांव स्थित सामुदायिक शौचालय की स्थिति नारकीय है। जिसका निर्माण करीब पांच की लागत से किया गया था। गांव-गांव सामुदायिक शौचालय बनाने के पीछे सरकार की मंशा थी कि गांव के लोग खुले में शौच न जाएं। जिससे गांव स्वच्छ बनाया जा सकें, लेकिन सरकारी रुपयों से सामुदायिक शौचालय बनाने में भी लापरवाही में कोई कमी नहीं की गई। कहीं गांव से दूर वीरान में सामुदायिक शौचालय बनाए गए तो कहीं गांव के पास बनाए भी गए तो उनकी देखरेख में लापरवाही की गई। इसका परिणाम है कि कई जगह सामुदायिक शौचालय जंगली घास से ढके हैं। अधिकांश सामुदायिक शौचालयों में ताला बंद रहता है। सफाई भी नहीं होती है। सामुदायिक शौचालय खरवानिया की लापरवाही का सबसे बड़ा उदाहरण है। इस तरह की लापरवाही हो रही है। खरवानिया गांव वार्ड 1 वार्ड सदस्य के पुत्र रविकांत रजक ने बताया कि कई बार इसको के अधिकारियों को सूचना दी गई है तथा आवेदन दिया गया लेकिन उसके बाद भी कोई सजग पहल नहीं की गई।

बक्सर में चोरों के सॉफ्ट टारगेट बने ज्वेलरी दुकान व गहने लेकर चलने वाले

- जिले में आभूषण चोरी की बढ़ी घटनाएं, उद्भेदन नहीं होने से दहशत में हैं ज्वेलर्स

केटी न्यूज/बक्सर

इन दिनों ज्वेलरी दुकान व आभूषण लेकर चलने वाले चोरों के साफ्ट टारगेट बने हुए है। हाल के दिनों में चोरों ने कई आभूषण दुकानों के अलावे घरों से भी आभूषण की चोरी की है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं तथा पुलिस द्वारा उनका उद्भेदन नहीं करने से व्यवसायियों में चोरों का भय बना हुआ है। बता दें कि पिछले एक सप्ताह में दो आभूषण दुकानों में चोरी के अलावे

शादी समारोह में शरीक होने आए मध्य प्रदेश के एक युवक से गहने की चोरी की घटना हुई है। इसकी शुरूआत 18 फरवरी की रात कोरानसराय के कृति ज्वेलर्स में चोरी के साथ हुई थी। चोरों ने कटर से इस दुकान का मुख्य ताला व लॉकर काट लाखों रूपए मूल्य के गहने व नगदी की चोरी की थी। इसके बाद 22 फरवरी की रात चोरों ने कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के टुड़ीगंज बाजार स्थित दो दुकानों से एक ही रात लाखों रूपए के आभूषण व हजारों रूपए नगद की चोरी कर ली। अभी इन मामलों का उद्भेदन हुआ ही नहीं था कि 24 फरवरी को बक्सर के ज्योति चौक इलाके में चोरों ने दिन दहाड़े मध्य प्रदेश निवासी युवक की कार से लाखों रूपए के आभूषण व नगदी चुरा लिए। इसके अलावे भी हाल के दिनों में जिले के कई गांवों में बंद घरों में चोरी की घटनाएं हो चुकी है। चोरी की सीरियल घटनाओं के बाद न सिर्फ व्यवसायियों बल्कि आम लोगों में भी भय बढ़ते जा रहा है। देखना है पुलिस कबतक चोरी की घटनाओं पर लगाम लगा पाती है और चोरों को पकड़ पाती है।

नगर में नहीं है पड़ाव की व्यवस्था, बाईपास रोड में लग रहा जाम

बक्सर। नगर में वाहन पडाव की सुविधा नही होने के कारण पर्व त्योहारों पर काफी संख्या में पहुंचने वाली वाहनों को ठहरने के लिए जगह नहीं मिल पा रही है। जिसके कारण नगर में जाम की स्थिति कायम रहती है। बुधवार को महाशिवरात्री के अवसर पर मुंडर संस्कार के लिए शुभ मुहुर्त होने के कारण काफी संख्या में लोग मुंडन संस्कार के लिए निजी वाहनों से नगर में पहुंचे। जहां पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने के कारण नगर का बाईपास रोड जाम हो गया। घंटों वाहनों का परिचालन बाधित रहा। शिव की बारात निकलने कें कारण नगर के ज्योति प्रकाश चौक, कोईरपुरवा रोड, स्टेशन रोड, अंबेडकर चौक जाम रहा।

अंग्रेजों के जमाने की बनी पुलिया हुई जर्जर आधा दर्जन गांवों में जाने का मार्ग हो रहा बाधित

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल कार्यालय से सटे व अकालुपुर गांव के पास डुमरांव राजवाहा मार्ग पर अंग्रेजो के समय की बनी पुलिया काफी जर्जर हो गई है। यह पुलिस इतनी जर्जर हो गई है कि यह कभी भी जमींदोज हो सकती है। जबकि इस पुलिया से आधा दर्जन गांवों का संपर्क अनुमंडल मुख्यालय से होता है। इसके अलावे यह पुलिया डुमरांव अनुमंडल कार्यालय को एनएच 922 से जोड़ने का काम भी करती है। बावजूद इसके मरम्मत के प्रति प्रशासन बेफिक्र बना हुआ है। बता दें कि इस पुलिया के दोनों छोर का रेलिंग टूट गया है, वहीं पुलिया के पास की सड़क भी जर्जर हो गड्ढों में तब्दील हो गई है। जिस कारण यहां अक्सर बाइक चालक व चारपहिया वाहन दुर्घटना के शिकार होते है। पिछले दिनों इस पुलिया से एक पुलिस वाहन व एक प्रशासनिक अधिकारी का वाहन भी गिर गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां आए दिन दुर्घटनाएं होती है। जिस कारण लोगों को हमेशा डर बना रहता है। अकालुपुर डेरा के पास पुलिया पार कर जब छतनवार, ढकाईच, अहिबरन के डेरा सहित अन्य गांव की तरफ जाया जाता है, रोड काफी जर्जर हो चुका है। कोई भी वाहन जर्जर रास्ते पर गुजरते समय हिचकोले खाता है, जिस पर बैठे लोगों को काफी परेशानी होती है। अनुमंडल मुख्यालय में आने के लिये लोगों को इन रोड से गुजरने में रूह कांप जाती है। हर तरफ गड्ढे और मिट्टी ही दिखाई पड़ती है। मालूम हो कि बिसैप-4 में भारी वाहनों का आना-जाना लगा रहता है, जो जर्जर सड़क और पुलिया से होकर ही गुजरते हैं। अनुमंडलीय अस्पताल में बीमार मरीजों को निजी और एम्बुलेंस से लोग लाते और ले जाते हैं, वैसी स्थिति में मरीजों पर क्या गुजरती होगा इसका सहज अनुमान लगया जा सकता है।

बोले मुखिया- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सपनों को पंचायत में किया जा रहा साकार

डुमरी में ढाई करोड़ रुपए की लागत से बनेगा पंचायत सरकार भवन, मुखिया प्रेमसागर ने किया भूमि पूजन

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के सिमरी प्रखंड के डुमरी गांव में पंचायत सरकार भवन का भूमि पूजन कराया गया। भूमि पूजन के दौरान पंचायत मुखिया प्रेम सागर कुंवर बतौर मुख्य यजमान मौजूद थे। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार व शंखध्वनि के बीच वैदिक विद्वानों द्वारा भूमि पूजन कराया गया। इस दौरान दर्जनों की संख्या में ग्रामीण भी मौजूद थे। इस संबंध में मुखिया प्रेम सागर ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सपनों को साकार करने क लिए पंचायत में सरकार भवन बनवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि करीब ढाई करोड़ रूपए की लागत से इस पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य पूरा कराया जाएगा। जिसमें प्रशासनिक भवन के अलावे अलग-अलग विभागों का अलग-अलग कार्यालय कक्ष, मीटिंग हॉल, आरटीपीएस काउंटर समेत कई अन्य कक्ष भी इस पंचायत सरकार भवन में बनाए जाएंगे। मुखिया ने कहा कि यह पंचायत सरकार भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा तथा यहां काम करने वाले पंचायत स्तरीय कर्मियों, पंचायत प्रतिनिधियों, जीविका दीदियों, आशा आदि को काफी सहूलियत मिलेगी तथा उनकी सुविधा के लिए बिजली, पंखा, पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था भी इस पंचायत सरकार भवन में होगी। मुखिया के कहा कि इस साल के अंत तक इस पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य पूरा कराने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि पंचायत सरकार भवन का निर्माण पूरा होने से सबसे अधिक लाभ पंचायत की आम जनता को मिलेगा। मुखिया ने बताया कि निर्माण कार्य मानक के अनुरूप करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि संवेदक को गुणवत्ता के मुद्दे पर समझौता नहीं करने का स्पष्ट निर्देश दिया गया है। वहीं, उन्होंने कहा कि गांव में पंचायत सरकार भवन बनने से लोगों को अब पंचायत के कार्यों के साथ ही अपने सभी तरह के कार्यों के लिए प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाने की मजबूरी नहीं रह जाएगी। बता दें कि सिमरी प्रखंड मुख्यालय से डुमरी की दूरी 10 किलोमीटर से अधिक है। जिस कारण आम जनता को अपने कार्यों के निष्पादन में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। उन्हें अपने कार्यों के सिलसिले में अक्सर यह दूरी तय करना पड़ता है, लेकिन गांव में अब सरकार भवन बन जाने से उन्हें घर बैठे अपने सभी तरह के कार्यों को निष्पादित कराने की सुविधा मिलेगी। मुखिया ने कहा कि पंचायत सरकार भवन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। पंचायत स्तरीय कर्मियों व प्रतिनिधियों को भी अपने कार्य निष्पादन के लिए सुविधाजनक जगह मिल सकें।

भूतभावन भगवान महादेव बने दूल्हा, बारातियों में शामिल हुए भूत, बैताल, पिशाच, डीजे की धुन पर थिरकते रहे श्रद्धालु

महाशिवरात्रि... हाथी-घोड़े पर सजकर निकली शिव की बारात

केटी न्यूज/बक्सर

महाशिवरात्रि के अवसर पर बक्सर में पिछले पांच दशकों से चली आ रही परंपरा के तहत शिव बारात निकाली गई। जिसमें भूत भावन भगवान महादेव को दूल्हा बने थे तो बरातियों में देव व दानव दोनों शामिल हुए। विभिन्न देवताओं के साथ शिव बारात में तांडव करते भूत, बैताल, पिशाच, चुडैल आदि शहर में आकर्षण का केन्द्र बने थे। शिव बारात के आगे आगे कतारबद्ध हो दर्जनों हाथी-ऊंट व घोड़ा चल रहे थे। उसके पीछे एक ट्रैक्टर को रथ बना उस पर देवाधिदेव महादेव की प्रतिमा रखी गई थी, जिसे दूल्हे की तरह सजाया गया था। इस रथ के पीछे डीजे की धून पर बाराती बने श्रद्धालु नाचते गाते शहर के विभिन्न मार्गों से गुजर रहे थे। इस दौरान शिव बारात का स्वरूप देखते ही बन रहा था। शहरवासी अपने घरों से बाहर निकल इस विहंगम दृश्य को अपने

आंखों के रास्ते दिलों में उतार रहे थे। शिव बरात के दौरान कई आकर्षक झांकियां भी निकाली गई थी। जिसमें शिव तांडव की झांकी की सबसे अधिक चर्चा पूरे शहर में हो रही थी। इसके अलावे भी कई अन्य झांकियां थी, जिसकी तारीफ श्रद्धालु कर रहे थे। कई जगहों पर शिव बारात में शामिल श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की जा रही थी। वहीं, रात में ग्राम सुधार समिति कोईरपुरवा द्वारा शिव बारात में शामिल श्रद्धालुओं को भोजन में पकवान खिलाया गया। इस दौरान बारातियों ने लजीज व्यंजनों का जमकर लुफ्त उठाया।

बता दें कि बक्सर में दो जगहों से शिव बारात निकाली जाती है। ग्राम सुधार समिति कोईरपुरवा द्वारा निकाली गई झांकी शहर भ्रमण के बाद गौरीशंकर मंदिर पहुंचा, जहां रात में वैदिक विधान व जयकारे के साथ देवाधिदेव महादेव व माता पार्वती का विवाह संपन्न कराया गया। वहीं, दूसरी बारात खलासी मोहल्ले से निकली थी, जिसका समापन चरित्रवन स्थित पंचमुखी शिव मंदिर में रात में शिव-पार्वती विवाह के साथ हुआ। शहरवासियों ने बताया कि बक्सर में यह परंपरा पिछले 50 वर्षों से चली आ रही है।

शिव बारात व झांकी से शहर की सड़कों पर जाम लगा रहा। हालांकि इस दौरान पुलिस प्रशासन भी चप्पे चप्पे पर मुश्तैद रहा। प्रशासन व पुलिस के वरीय पदाधिकारी इसकी मॉनिटरिंग करते देखे गए। इसके आलवे ट्रैफिक कंट्रोल के लिए भी कई एहतियाती कदम उठाए गए थे। शिव बारात को देखते हुए शहर में बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई थी। वहीं, पूरे दिन बड़ी संख्या में पुलिस के जवान विभिन्न मार्गों पर तैनात रहे। ताकी यातायात के साथ ही श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं इस दौरान लोग सड़कों पर उमड़े नजर आए। हर कोई अपने मोबाइल में सेल्फी लेने के लिए परेशान था।

हर हर महादेव के जयघोष से गूंजे शिवालय, श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

- ब्रह्मपुर के बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर बना रहा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र, दोपहर तक शिवालयों में लगा रहा जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं का तांता

केटी न्यूज/बक्सर

महाशिवरात्रि का त्योहार बुधवार को जिलेभर में धूम धाम से मनाया गया। यह त्योहार देवाधिदेव महादेव व माता पार्वती के विवाह के रूप में भी जाना जाता है। इस मौके पर सभी शिवालयों में शिवभक्तों का सैलाब उमड़ा था। शिवभक्तों ने इस दौरान महादेव को प्रसन्न करने के लिए जलाभिषेक, रूद्राभिषेक, पार्थिव पूजन आदि कई विधानों से पूजा अर्चना की। इस दौरान महादेव को भांग, धतूरा, दूब, दूध, भस्म, वेल पत्र, शमी पत्र आदि अर्पित किया गया। महाशिवरात्रि पर जिलेभर के श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केन्द्र ब्रह्मपुर स्थित बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिव

मंदिर बना रहा। जहां, अहले सुबह से ही पट खुलने के बाद से श्रद्धालुओं के जलाभिषेक का जो सिलसिला शुरू हुआ वह दोपहर तक जारी रहा। इस दौरान मंदिर प्रबंधन तथा स्थानीय प्रशासन द्वारा काफी मुश्तैदी दिखाई जा रही थी। ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर में पूजा अर्चना करने वाले श्रद्धालुओं को उत्तरी गेट से प्रवेश दिलाया जा रहा था, जबकि उन्हें पश्चिमी गेट से बाहर निकाला जा रहा था। इस दौरान खुद डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी वहां विधि व्यवस्था की कमान संभालते रहे। वे घंटो खड़े हो श्रद्धालुओं को कतारबद्ध करते दिखे। इस दौरान वे श्रद्धालुओं से शांतिपूर्ण तरीके से जलाभिषेक व पूजा पाठ करने की अपील कर रहे थे। उनके साथ ब्रह्मपुर थानाध्यक्ष सुरेश प्रसाद समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद था। वहीं, नियंत्रण कक्ष से एसडीएम राकेश कुमार के अलावे स्थानीय बीडीओ व सीओ महाशिवरात्रि की निगरानी करते रहे। प्रशासन द्वारा विधि व्यवस्था नियंत्रित करने के लिए कई एहतियात बरते गए थे। श्रद्धालुओं को पूजा अर्चन में किसी तरह की तकलीफ न हो, इसके लिए मंदिर परिसर को नो व्हीकल जोन घोषित किया गया था। वहीं, मंदिर से काफी दूर चारों दिशा में वाहन स्टैंड बनाया गया था, जहां से श्रद्धालु पैदल ही बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ को जलाभिषेक करने आ रहे थे।

बक्सर में भी दिखा श्रद्धालुओं में उत्साहः ब्रह्मपुर के अलावे बाबा बक्सर के सोहनी पट्टी स्थित गौरीशंकर मंदिर, नाथ घाट स्थित नाथ बाबा मंदिर, रामरेखा घाट स्थित रामेश्वरनाथ शिव मंदिर समेत शहर के सभी शिवालयों पर महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। इस दौरान शहर में टैजफिक व्यवस्था नियंत्रित करने के लिए प्रशासन व यातायात विभाग द्वारा कई एहतियाती कदम उठाए गए थे। सभी चिन्हित शिवालयों में महिला व पुरुष पुलिस बल की तैनाती की गई थी। ताकी श्रद्धालु आराम से जलाभिषेक कर सकें। बावजूद मंदिरों में उमड़ी भारी भीड़ के कारण श्रद्धालुओं को जलाभिषेक करने में परेशान होना पड़ा। सुबह में मंदिरों में सबसे अधिक भीड़ थी। श्रद्धालुओं का तांता टूटने का नाम नहीं ले रहा था।

वार्षिकोत्सव पूजा : महरौरा सिद्धपीठ में लगी श्रद्धालुओं की भीड़

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के प्रचीन मंदिरों में सुमार सिद्धपीठ महरौरा शिवमंदिर में वार्षिकोत्सव पूजा संपन्न हुआ। इस दौरान सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर में रही। श्रद्धालुओं ने भस्म आरती की। दिन भर पूजा होता रहा। दूर दराज से भक्त आए। यहां पर मेला भी लगा। ग्रामीणों का यह प्रयास रहा कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। वहीं प्रशासन ने अभी अपनी पूरी तैयारी कर रखी थी। वहीं दूसरी ओर महाशिवरात्रि पर डुमरांव के शिवालय शिवभक्तों से गुलजार रहे। सबसे अधिक भीड़ जंगलीनाथ शिव मंदिर, महरौरा शिव मंदिर व लंगटू महादेव शिव मंदिर में देखने को मिला। जहां, भोले बाबा को जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं को घंटो अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। वहीं, इस मौके पर महरौरा व कचईनिया स्थित कंचनेश्वर शिव मंदिरों के बाहर विशाल मेला का आयोजन किया गया था। जिसमें बच्चे से लेकर बूढ़े तक लुफ्त उठाते रहे। लोग मंदिरों में दर्शन व पूजन के बाद मेला में लजीज व्यंजनों का स्वाद लेते दिखे। इस दौरान दोनों मंदिरों में बड़े पैमाने पर महिला व पुरूष पुलिस बल तैनात किए गए थे। बता दें कि महरौरा स्थित शिव मंदिर व कचईनिया के कंचनेश्वर शिव मंदिर कें संबंध में मान्यता रही है कि दोनों जगहों पर शिवलिंग स्वतः प्रकट हुआ था तथा इन दोनों मंदिरों के अलावे जंगलीनाथ शिव मंदिर भी दशकों पहले घनों जंगलों के बीच स्थित था, बावजूद शिवभक्तों की आस्था लगी रही। इसके अलावे शिवरात्रि पर डुमरांव के महाकाल शिव मंदिर, रेलवे स्टेशन के पास स्थित पंच मंदिर के शिव मंदिर, राजगढ़ परिसर स्थित शिव मंदिर, मुंगाव के मुंगेश्वरनाथ शिव मंदिर, नया भोजपुर के झरनेश्वर शिव मंदिर, बड़का सिंहनपुरा के बुढ़वा शिव मंदिर, पुराना भोजपुर शिव मंदिर आदि मंदिरों में भी हजारों श्रद्धालुओं ने महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक कर मत्था टेका। महाशिवरात्रि को ले इलाके का माहौल भक्तिमय बना रहा।

चौसा के कठतर में आयोजित हो रही है श्रीमद्भागवत कथा

सुश्री भारती दीदी बोलीं... मोक्ष व ज्ञान का मार्ग प्रशस्त करती है श्रीमद्भागवत कथा

केटी न्यूज/चौसा

श्रीमद्भागवत कथा मोक्ष व ज्ञान प्राप्ति का सर्वोतम साधान है। यह कथा प्रत्येक मनुष्य को श्रवण करना चाहिए। उक्त बातें चौसा के कठतर गांव में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के दूसरे दिन श्रद्धालुओं को कथामृत का पान कराते हुए कथा व्यास साध्वी सुश्री भारती दीदी ने कही। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवात मोक्ष के साथ ही भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की प्रेरणा देता है। यमुना रक्षक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं यमुना सेवा एक धन ट्रस्ट वृंदावन के संचालक संत जयकृष्ण दास जी महाराज ने कहा कि

भागवत केवल एक ग्रंथ नहीं बल्कि स्वयं श्रीकृष्ण का स्वरूप है।

इसके श्रवण मात्र से भक्तों को समस्त पुण्य कर्मों से अधिक फल प्राप्त होता है। शुकदेव जन्म और अमर कथा का दिव्य प्रसंग कथा में शुकदेव जन्म, राजा परीक्षित के श्राप और अमर कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। साध्वी भारती दीदी ने बताया कि जब भगवान शिव से माता पार्वती ने उनकी मुंडमाला का रहस्य पूछा तो शिवजी ने बताया कि यह हर जन्म में पार्वती जी के छोड़े हुए शरीरों के प्रतीक है। इस पर माता पार्वती ने जिज्ञासा व्यक्त की कि शिवजी अमर क्यों हैं। तब शिवजी ने उन्हें अमर कथा सुनाई। इस कथा को सुनने के दौरान एक तोते का अंडा फुट और उसमें से शुकदेव प्रकट हुए। पार्वती जी कथा सुनते-सुनते निद्रा में चली गईं, लेकिन शुकदेव जी ने पूरी कथा सुनी और वे अमरत्व को प्राप्त हो गए। जब भगवान शिव को इस बात का पता चला, तो उन्होंने शुकदेव जी को मृत्युदंड देने के लिए उनका पीछा किया। भागते-भागते शुकदेव जी महर्षि व्यास के आश्रम पहुंचे और उनकी पत्नी के गर्भ में प्रवेश कर गए। 12 वर्षों बाद वे जन्म लेकर श्रीमद् भागवत के दिव्य प्रचारक बने। इस मौके पर भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गठबंधन रहे या टूट जाए सम्मानजनक सीटों पर कोई समझौता नहीं होगा : कृष्णा अल्लावरू

♦ बोली अल्का लंबा...कांग्रेस पार्टी इस देश की एकमात्र पार्टी है जो लोगों की हित के बारे में सोचती है

केटी न्यूज/आरा

बुधवार को महान संत श्रीसहजानंद सरस्वती की जयंती के उपलक्ष्य में ख्यातिलब्ध स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व विधायक शिव पूजन राय एवं देश के पूर्व उपप्रधान मंत्री जगजीवन राम के मूर्ति अनावरण समारोह भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम की अध्यक्षता में बड़े ही धूम धाम से मनाई गई। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजक प्रो. डॉ शशि भूषण पाण्डेय ने की। धन्यवाद ज्ञापन सत्यप्रकाश राय ने किया। प्रतिमा अनावरण संयुक्त रूप से कृष्णा अल्लावारु प्रभारी, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी, डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह अध्यक्ष, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी एवं अल्का लम्बा अध्यक्ष अखिल भारतीय राष्ट्रीय महिला कांग्रेस के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत के पहले स्वामी सहजानंद सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर सभी आगत अतिथियों ने अपनी श्रद्धांजलि निवेदित किया। बिहार प्रदेश कांग्रेस

कमिटी के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए बताया कि परिणाम चाहे कुछ भी हो गठबंधन रहे या टूट जाए सम्मानजनक सीटों पर कोई समझौता नहीं होगा। युवाओं के जोश और जज्बे को सलाम करते हुए आह्वान किया कि हर एक कार्यकर्ता बूथ पर पहुंचे मै आने वाले समय में स्वयं बूथ-बूथ पर पहुंचकर आपसे रूबरू होगा। इस बार किसी के साथ उसकी हकमारी नहीं होने दी जाएगी। नेहरू जी ने भारत माता की जय का मतलब बहुत ही सरलता और सुंदरता से समझाया। उन्होंने कहा कि भारत माता का मतलब कौन, इसका मतलब पेड़, जमीन, नदिया, पहाड़ है। भारत माता का मतलब भारत के लोग, भारत, बिहार एवं भोजपुर के लोगों की जय कहते हैं। स्वामी सहजानंद भी वही बात करते हैं इस देश को जनता,भारत के लोग चलाएंगे। यही भावना हमारे संविधान हमारी पार्टी का मूल मंत्र है। देश,संविधान जनता का है और देश की जनता और संविधान सर्वोपरि है।कांग्रेस पार्टी का काम कार्यकताओं को जनता को याद दिलाना है। आपको बताना है कि बिहार से पलायन क्यों होता है। बिहार से पलायन कांग्रेस शासित राज्यों में ज्यादा होता है। ऐसा इसलिए होता है, यहां की डबल इंजन की सरकार व्यवस्था बैठा दिया है। यहां की सरकार कहने के लिए डबल इंजन का है लेकिन वह बिहार की जनता के लिए काम नहीं कर रहा है। इसलिए जब हम लोग गांव में जाते हैं तो वहां के बुजुर्ग, महिला एवं बच्चे मिलते हैं। लेकिन नौजवान नहीं दिखते हैं। बिहार का नौजवान यहां की धरती पर रहना चाहता है,कमाना चाहता है। लेकिन जबरदस्ती उसको पलायन क्यों करना पड़ रहा है। नौजवान इसलिए पलायन कर रहे हैं यहां की डबल इंजन की सरकार उसकी समस्याओं का हल नहीं कर पा रही है।

रोजगार के नाम पर लाठी चलाते हैं

नौजवानों की समस्याओं पर विचार नहीं कर पा रही है इसलिए बिहार छोड़कर ज्यादा से ज्यादा पलायन उन्हें राज्यों में होता है जहां कांग्रेस की सरकार जनता के हित में काम करके दिखाया है। कर्नाटक, हिमाचल, राजस्थान वहां के लोग बिहार नहीं आते हैं लेकिन बिहार के लोग वहां जाने को मजबूर हैं। कारण यह है कि वहां की कांग्रेस की सरकार महंगाई से राहत देती है। नौकरी, रोजगार एवं कमाई की साधन देती है। अच्छी और सस्ती पढ़ाई देती है। बिहार के मंत्री एवं सरकार क्या करती है। जनता को महंगाई के बीच करने का काम करते हैं रोजगार के नाम पर लाठी चलाते हैं। शिक्षा के नाम पर प्राइवेट स्कूल एवं प्राइवेट इंस्टीट्यूशन बढ़ाते हैं। इलाज के नाम पर निजी अस्पताल खोलने हैं। बिहार की जनता का पैसा डबल इंजन के सरकार के लोग एवं उनके परिवार के जेब में जा रहा है। यह हकीकत है क्योंकि इसका जीता जागता सबूत पलायन है।
डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह अध्यक्ष बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी सह राज्यसभा सदस्य ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए बताया कि दो महान विभूतियों का प्रतिमा अनावरण एक साथ होना गौरव का क्षण हैं।

महाशिवरात्रि : सुबह से ही मंदिरों व शिवालयों में लगी भक्तों की लंबी कतार

भोजपुर के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में निकली महाकाल की बारात

केटी न्यूज/आरा

फाल्गुन माह की महाशिवरात्रि पर बुधवार को शिव मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में शिवभक्तो की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, अबीर चढ़ा कर अभिषेक किया। यूं तो शिव मंदिरों में सालों भर श्रद्धालुओं का आना- जाना होता है, लेकिन आध्यात्मिक कथाओं के अनुसार महाशिवरात्रि का अपना महत्व है। ऐसे में महाशिवरात्रि पर भक्त अपने आप को इससे अलग नहीं कर सकें। अहले सुबह से ही भक्त मंदिर पहुंचने लगे थे। प्रसिद्ध शिव मंदिरों में शाम तक जलाभिषेक को लोग पहुंचे। शहर समेत जिले के विभिन जगहों पर शिव बारात निकली। जिसमें बड़ी संख्या में हर हर महादेव का जयकारा लगाते शामिल हुए। इधर, महाशिवरात्रि पर शहर के प्रसिद्ध शिव मंदिर बिंद टोली स्थित सिद्धनाथ मंदिर, महादेवा स्थित बुढवा महादेव मंदिर, महाजन टोली स्थित पतालेश्वर महादेव मंदिर,रमना स्थित आशुतोष मंदिर, कतीरा के सहदेव गिरी मंदिर, नवादा के नर्वदेश्वर मंदिर, शिवगंज शिव मंदिर, पुरानी पुलिस लाइन मंदिर, नगर थाना मंदिर,पकड़ी शिव मंदिर, सतीवाडा शिव मंदिर सहित सभी शिवालयों में भक्तों की भीड़ शाम तक रही ।शिव मंदिरों में सुबह से लेकर शाम तक हर- हर महादेव एवं ओम नमः शिवाय के जयकारे लगते रहे। इससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।भगवान शिव को प्रिय बेलपत्र, धतुरा की दुकानें शिव मंदिरों के समीप सजी थी। कई भक्तों ने भगवान शिव को शमी के पत्ते,धतुरा, दूध, गन्ना का रस अर्पित कर प्रसन्न किया। इन दुकानों पर काफी भीड़ रही। खासकर प्रसिद्ध मंदिरों के समीप दुकानों की लंबी कतार

रही।इधर, शाम में भगवान भोले का श्रृंगार व महाआरती भी हुआ। कई जगहों पर झांकी के साथ भगवान भोलेनाथ की बारात भी निकली। बारात में शिव भक्त अलग अलग रूप धारण कर शामिल हुए। कोई भूत, पिशाच के साथ अन्य देवी देवताओं का रूप धारण कर शामिल हुए। बैंड बाजा शिव जी की पालकी बारात की शोभा बढ़ा रही थी। श्रद्धालु झूमते नजर आये।

पकड़ी चौक पर महाआरती : शहर के पकड़ी चौक स्थित जोड़ा शिव मंदिर में महाआरती का आयोजन हुआ।महाआरती में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।खासियत यह रही कि आरती वाराणसी के पुजारियों द्वारा की गयी।शिव मंत्र से माहौल भक्तिमय हो गया था।

हिंदू जागरण मंच की ओर से निकाली गयी शिव बारात : शहर के कई प्रसिद्ध शिव मंदिरों सहित अन्य जगहों पर महाशिवरात्रि पर भगवान भोले की बारात भी निकली। हिंदू जागरण मंच की ओर से गज्जू लाला शिव मंदिर रामगढ़िया से शिव बारात निकाली गयी। जगह - जगह बारातियों का स्वागत लोगों ने किया। साथ ही आरती भी की गयी। बारात बड़ी चौक,गोपाली चौक, जेल रोड,शिवगंज, बड़ी मठिया, महादेव रोड, बिचली रोड श्री राम चौक होते हुए बिंदटोली स्थित सिद्धनाथ मंदिर पहुंची। बारात में हजारों लोग शामिल हुए। इधर, अन्य जगहों पर निकली शिव बारात में बाराती भूत, पिसाच सहित अन्य रूप धारण किये नजर आये। शिव बराती झूमते नजर आये। बारातियों में स्थानीय विधायक अमरेन्द्र प्रताप सिंह, बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह, एमएलसी जीवन कुमार, पूर्व विधायक संजय टाइगर,पूर्व सांसद सुशील सिंह समेत कई लोग शामिल हुए। मौके पर अरुण प्रसाद, राजेंद्र तिवारी, राजा तिवारी,प्रतीक राज, विशाल, रोहित, आदित्य कुमार आदि मौजूद थे।

कई प्रखंडों में लगा मेला,सजी थी दुकानें: महाशिवरात्रि पर जिले के कई कस्बाई इलाकों में बुधवार को मेला लगा। मेले में बच्चों से ले महिलाओं की भीड़ रही। बच्चो ने जहां खिलौने खरीदे, वहीं महिलाओं ने श्रृंगार का समान खरीदा। साथ ही खाने -पीने की दुकाने भी लगी थी।

बहन की शादी का कार्ड बांटने निकले युवक की ट्रक के धक्के से मौत

आरा। छपरा फोरलेन पर भोजपुर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के इंग्लिशपुर गांव के समीप बुधवार की दोपहर एक बेलगाम ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को रौंद दिया। इसमें बहन की शादी का कार्ड बांटने निकले एक युवक की मौत हो गई। हादसे में उसका ममेरा भाई भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसका इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। मृतक पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के हलखोरिया चक गांव निवासी सुरेंद्र राय का 19 वर्षीय पुत्र गोलू कुमार था। वह सिकंदराबाद की एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था। जख्मी युवक उसी थाना क्षेत्र के व्यापपुर गांव निवासी दिनेश लाल का 18 वर्षीय पुत्र निरहू कुमार है। हादसे को लेकर अफरातफरी मची रही।

आपसी विवाद में युवक को मारी गयी थी गोली, दो फुफेरे भाई सहित पांच गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

टाउन थाना क्षेत्र के मझौवां गांव में भाई के तिलक की रात सोनू कुमार को गोली मारे जाने की गुत्थी पुलिस ने 12 घंटे के अंदर सुलझा ली है। घटना में शामिल सोनू सिंह के दो फुफेरे भाइयों सहित पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गोली मारने में इस्तेमाल देसी पिस्टल और अपाची बाइक के अलावा दो गोली और पांच मोबाइल भी बरामद किये गये हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में बड़हरा थाना क्षेत्र के पैगा गांव निवासी विकास उर्फ मनीष, चंदन यादव, चांदी थाना क्षेत्र के नरवीरपुर गांव निवासी विकास राय, शुभम कुमार और मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पिपरा पकड़ी गांव निवासी राजेश कुमार यादव शामिल हैं। विकास उर्फ मनीष और चंदन यादव सगे भाई हैं और मझौंवा में रहते हैं। दोनों सोनू कुमार के फुफेरे भाई हैं। सभी को आरा, चांदी और पटना के बिहटा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सभी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। एएसपी परिचय कुमार ने बताया कि सोमवार की रात मझौवां गांव में उसी गांव के स्व प्रेम राय के पुत्र सोनू कुमार नामक युवक को गोली मारी गई थी। उस मामले में सोनू के भाई विक्की कुमार के बयान पर अज्ञात अपराधियों के खिलाफ केस किया गया था। इस आधार पर थानाध्यक्ष देवराज राय के नेतृत्व में जांच शुरू की गयी। तकनीकी सूत्र के जरिए घटना में शामिल पांचों अभियुक्तों की पहचान की गयी। इसके बाद सभी को अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार कर लिया गया। पांच के खिलाफ अलग से आर्म्स एक्ट के तहत भी प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। विवाद में मारी गोली और युवक को जख्मी हाल में फेंक भाग निकले अपराधी एएसपी परिचय कुमार ने बताया कि अब तक के अनुसंधान और गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ में खाने-पीने के दौरान ही किसी बात को लेकर उपजे विवाद में सोनू कुमार को गोली मारे जाने की बात सामने आ रही है। अब तक की जांच में पूर्व से किसी विवाद की बात नहीं आयी है। एएसपी के अनुसार सोनू कुमार को गोली मारने के बाद अभियुक्तों ने उसे जख्मी हाल में फेंक दिया और भाग निकले। मंगलवार की सुबह सूचना मिलने पर परिजन पहुंचे और इलाज के लिए उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

टेंट लगाने निकले युवक की ट्रेन से कट मौत

आरा। आरा-सासाराम रेलखंड पर नवादा थाना क्षेत्र के जगदेव नगर रेलवे लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृत युवक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भकुरा गांव निवासी गणेशी सिंह का 32 वर्षीय पुत्र भीम सिंह था। वह शहर के बस स्टैंड रोड स्थित एक टेंट हाउस में काम करता था। उसके भाई अर्जुन सिंह ने बताया कि रोज की तरह भीम सिंह बुधवार की सुबह सात बजे घर से टेंट हाउस गया था। इसके बाद टेंट मालिक की ओर से उसे एक साइट पर भेजा गया था, लेकिन वह साइट पर जाने के बदले जगदेव नगर मोहल्ला स्थित अपनी ससुराल चला गया। वह जगदेव नगर के समीप रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। उसी दौरान ट्रेन की चपेट में आ गया।

महाकुंभ से लौट रहे बाइक सवार दरभंगा निवासी पिता व पुत्र को ट्रक ने मारी टक्कर, पिता की मौत

केटी न्यूज/आरा

आरा-छपरा फोरलेन पर जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के बबुरा पेट्रोल पंप के समीप मंगलवार की शाम ट्रक ने महाकुंभ से लौट रहे बाइक सवार दरभंगा निवासी पिता-पुत्र को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पिता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक चला रहा पुत्र जख्मी हो गया। जिसके बाद जख्मी पुत्र का इलाज बड़हरा के मनीछपरा स्थित पीएचसी में कराया गया। घटना को लेकर लोगों के बीच अपरा तफरी मची रही। वहीं घटना के बाद चालक ट्रक छोड़ मौके से फरार हो गया। जिसके बाद स्थानीय ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना बड़हरा थाना पुलिस को

दी गई। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। जानकारी के अनुसार मृतक दरभंगा जिला के यूनिवर्सिटी थाना क्षेत्र के सुंदरपुर बिरा गांव निवासी स्व. महावीर महतो का 52 वर्षीय पुत्र राम किशोर महतो है एवं पैसे से पासी थे एवं ताड़ के पेड़ से ताड़ फल उतार कर बेचते थे। जबकि जख्मी बाइक चला रहा उनका पुत्र 19 वर्षीय राम कुमार है। इधर राम कुमार ने बताया कि अपने गांव से पांच बाइक पर दस लोग सवार होकर रविवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ स्नान करने के लिए निकले थे। मंगलवार की शाम सभी लोग बाइक से वापस दरभंगा लौट रहे थे। लौटने के क्रम में वह बाइक चला रहा था एवं उसके पिता राम किशोर महतो बाइक पर पीछे बैठे हुए थे। जैसे ही उनकी बाइक बबुरा पेट्रोल पंप के समीप पहुंची। तभी विपरीत दिशा से आ रही हैं ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर पीछे बैठे उसके पिता की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

महाराजा कॉलेज में चल रहा है भोजपुर जिला सीनियर डिवीजन क्रिकेट लीग

फाइनल में पहुंची जूनियर बॉयज क्रिकेट क्लब की टीम

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के अंतर्गत खेली जाने वाली जिला क्रिकेट लीग के सीनियर डिवीजन का पहला सेमीफाइनल मैच आज जूनियर बॉयज क्रिकेट क्लब बनाम अवेंजर क्रिकेट क्लब (ग्रीन) के बीच महाराजा कॉलेज के टर्फ विकेट पर शुरू हुआ। टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए अवेंजर क्रिकेट क्लब की टीम ने 35 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 209 रन बनाए जबकि 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जूनियर बॉयज की टीम ने 34.2 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर जीत सेमीफाइनल जित कर फाइनल में पहुंची।

इसकी जानकारी जिला क्रिकेट संघ के सचिव विनीत कुमार राय (ज्ञानू) ने दी। उन्होंने बताया की अवेंजर क्रिकेट क्लब की और से चंदन ने सर्वाधिक 61 रन निहाल रंजन ने 44 रन ,अभिनीत ने 11 रन, शोभित ने 11 रन, अंकित सिंह ने 22 रन एवं अंकित कुमार ने 10 रनों का योगदान किया। जूनियर बॉयज की तरफ से

गेंदबाजी करते हुए विवेक यथार्थ ऋषभ एवं अभिजीत को दो-दो विकेट मिला। 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जूनियर बॉयज की टीम ने 34.2 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर जीत के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। जूनियर बॉयज की तरफ से प्रियांशु ने शानदार नाबाद शतकीय पारी खेलते हुए 102 रनों का योगदान किया। विवेक ने 26 रन, रितिक ने 36 रन एवं परमजीत ने नाबाद 15 रनों का योगदान किया और अपनी टीम को जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अवेंजर क्रिकेट क्लब की तरफ से गेंदबाजी करते हुए अंकित सिंह ने सर्वाधिक तीन विकेट, अंकित, कुणाल एवं मनीष चौबे को एक-एक विकेट मिला। इस प्रकार जूनियर बॉयज क्रिकेट क्लब ने यह मैच चार विकेट से जीत लिया। आज के मैच का मैन ऑफ द मैच जूनियर बॉयज क्रिकेट क्लब के प्रियांशु को शानदार शतकीय पारी के लिए दिया गया। उन्हें जिला क्रिकेट संघ के आजीवन सदस्य डॉ विनायक कुमार राय के द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

रांची में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन पड़ा महंगा, तीन महीने में 214 के डीएल सस्पेंड

रांची, एजेंसी। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करना वाहन चालकों को भारी पड़ रहा है। ट्रैफिक पुलिस की अनुशंसा पर रांची जिला परिवहन कार्यालय ने तीन माह (अक्तूबर 2024 से दिसंबर 2024) तक कुल 214 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड किए हैं। इनमें सबसे अधिक बिना हेलमेट के वाहन चलाने पर कुल 106 लोगों के डीएल सस्पेंड किए गए हैं। अलग-अलग नियमों का उल्लंघन करने पर अक्तूबर, 2024 में कुल 80, नवंबर में 41 और दिसंबर, 2024 में कुल 93 लोगों के डीएल सस्पेंड हुए हैं। अकेले, साल 2024 में कुल 3628 ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड हुए हैं।तीन माह में अनसेफ कंडीशन यानी वाहन में किसी प्रकार की छेड़छाड़ करने पर कुल 26, दो पहिया वाहनों में पीछे बैठे लोगों के हेलमेट नहीं पहनने पर 82 और दो पहिया वाहन चलाते समय खुद वाहन चालकों के हेलमेट नहीं पहनने पर कुल 106 लोगों के डीएल सस्पेंड किये गये हैं।रांची के डीटीओ अखिलेश कुमार ने बताया कि पहली बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर तीन माह और दूसरी बार पकड़े जाने पर भी तीन माह के लिए डीएल सस्पेंड किया जाता है, जबकि तीसरी बार में ड्राइविंग लाइसेंस रद्द कर दिया जाता है।

देवघर में चार्जर केबल से पैर बांधकर और दुपट्टे से गला दबाकर महिला की हत्या

देवघर, एजेंसी। झारखंड के देवघर जिले के कुंडा थाना क्षेत्र के के तपोवन ढ़ाकोडीह गांव से एक 24 वर्षीया महिला का शव संदिग्ध परिस्थिति में पुलिस ने बरामद किया है। मृतका के मायके वालों ने चार्जर केबल से उसका गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। मृतका का नाम यशोदा देवी (पति अजीत कुमार पोद्दार) था। मृतका के शव के पास से पुलिस ने मोबाइल के चार्जर का केबल भी बरामद किया है।देवघर जिले के कुंडा थाने की पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतका के भाई सारठ थाना क्षेत्र के ढोढोडूमर गांव निवासी कन्हैया पोद्दार ने का आरोप है कि उसकी बहन की हत्या पति अजीत पोद्दार और उसकी सास बबीता देवी ने गला दबाकर की है।कन्हैया ने बताया कि बहन के ससुराल के एक पड़ोसी ने फोन पर उन्हें सूचना दी कि उसकी बहन की मौत हो गयी। सूचना मिलते ही बहन के ससुराल पहुंचा तो देखा कि यशोदा जमीन पर मृत पड़ी थी।उसके गर्दन और पैर में काला दाग के निशान थे। उसकी बहन की हत्या मोबाइल के चार्जर केबल से पैर बांध कर और दुपट्टे से गला दबाकर की गयी है। घटना के बाद से ससुराल वाले फरार बताये जाते हैं। कुंडा थाने की पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है। मृतका का मायका सारठ थाना क्षेत्र के ढोढोडूमर गांव में है।

रेलवे में नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी का चौथा आरोपी बोकारो से अरेस्ट, ऐसे देते थे झांसा

जमशेदपुर, एजेंसी। रेलवे में नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के चौथे साथी को बिष्टुपुर थाना की पुलिस ने बोकारो से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार धराया व्यक्ति आसनसोल में एक अस्पताल में कर्मचारी है। उसकी पत्नी भी अस्पताल में नर्स है। इस मामले में गिरफ्तार मनीष कुमार उक्त व्यक्ति के जरिये ही आसनसोल स्थित अस्पताल में युवक का फर्जी मेडिकल जांच कराता था और कागजात भी उपलब्ध कराता था। पुलिस इस मामले में गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस ने इस मामले में पूर्व में मुख्य आरोपी बोकारो चास निवासी मनीष कुमार के अलावा बोकारो के कसमार थाना क्षेत्र के राजदीप कुमार और मंतोष कुमार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों ने कई लोगों से रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी की है, लेकिन किसी को नौकरी नहीं दिलायी। गिरफ्तार युवकों के पास से पुलिस ने कुछ कागजात बरामद किए हैं। इसके अलावा चारों का मोबाइल भी जब्त कर लिया है। जब्त किये गये मोबाइल से पुलिस को रुपये लेनदेन और कागजात की जानकारी मिली है। जानकारी के अनुसार आदित्यपुर रेलवे कॉलोनी निवासी सह रेलकर्मी राघव मछुवा उर्फ महेश मछुवा ने बिष्टुपुर थाना में गोविंदपुर निवासी मनीष कुमार के खिलाफ गत 29 जून 2024 को रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने का केस दर्ज कराया था।

मंईयां सम्मान से विपक्ष के पेट में दर्द क्यों? कांग्रेस सदन में जमकर बरसे

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन द्वितीय पाली में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान बजट सत्र पर चर्चा हुई।कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में बोलते हुए कहा कि अभिभाषण को किसी राजनीतिक चश्मे से ना देखने पर ही असली तस्वीर सामने आती है।इसे झूठ का पुलिंदा कहने वालों से पूछना चाहिए कि अभिभाषण में शामिल बातों को क्या सरकार ने धरातल पर नहीं उतारा है।

उन्होंने अमेरिका के द्वारा भारतीय नागरिकों को डीपोर्ट किए जाने का मामला उठाते हुए कहा कि जो लोग कमाने गए थे उन्हें हथकड़ियां में लौटाया गया। भारत सरकार चुप्पी साधे रही।मंईयां सम्मान योजना और बिजली बिल माफी से पूरा प्रदेश खुश है। जो काम हेमंत सोरेन ने किया, वही भाजपा की सरकारें भी कर रही है।बिजली बिल के एवज में 3620 करोड़ रुपये माफ किए गए हैं तो इसे झूठ का पुलिंदा कैसे कहा जा सकता है। हेमंत सरकार ने जब गरीबों की मदद की तो भाजपा के पेट में दर्द क्यों हो रहा है।

हेमंत सरकार दलितों, आदिवासी की मदद कर रही है और उसका जिक्र अभिभाषण में किया जाता है तो विपक्ष इसे झूठ का पुलिंदा बता रही है।

झामुमो विधायक स्टीफन मरांडी ने राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए विपक्ष की ओर से लगातार की जा रही टोकाटोकी के बीच कहा कि साफ-सुथरा और निष्पक्ष चुनाव से बनी सरकार भ्रष्टाचार मुक्त शासन चला रही है।विदेश में बच्चों को पढ़ाने के लिए राज्य सरकार की ओर से जारी मरांग गोमके छात्रवृत्ति योजना की प्रशंसा की। शिक्षा में सुधार के लिए कई प्रयोग किए जा रहे हैं। नेतरहाट की तर्ज पर दुमका और चाईबासा में विद्यालय खोले जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि धनबाद और जमशेदपुर में सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल चलाने का निर्णय लिया गया है। कहा, शासन का प्रभाव ऐसा है कि झारखंड में नाम मात्र के नक्सली रह गए हैं। कई सरेंडर कर चुके हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

झारखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटन बंद होने के बाद राज्य सरकार ने अबुआ आवास योजना चालू की और हर परिवार को पक्का आवास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आधारभूत संरचनाओं में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। झारखंड में सड़कों को दुरुस्त किया जा रहा है। आज देश में झारखंड किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है।

विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि राज्य सरकार ने लाखों किसानों का ऋण माफ किया है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिस प्रकार साजिश कर हेमंत सोरेन को जेल भेजा गया उसका माकूल जवाब जनता ने दिया। विश्रामपुर से राजद के विधायक नरेश सिंह ने भी सरकार की योजनाओं की प्रशंसा की।

रांची से भाजपा विधायक सीपी सिंह ने कहा कि राज्यपाल से असत्य बोलवाया गया। संवैधानिक बाध्यता है कि राज्यपाल वही पढ़ेंगे, जो सरकार लिखकर देगी।

उन्होंने विधायकों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार में वफा ढूंढ़ रहे हो, बड़े नादान हो जहर की शीशी में दवा ढूंढ़ रहे हो। इसके बाद उन्होंने सत्तापक्ष के कई सदस्यों पर भी चुटकी ली।

सीपी सिंह ने स्टीफन को भीष्म पितामह करार देते हुए कहा कि वे अपनों के ही तीरों से घायल होकर पड़े हुए हैं। अर्जुन ने इतना तीर मारा कि उठ ही नहीं सके।इसी प्रकार उन्होंने उमाकांत रजक पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अभी-अभी चुनाव से पहले झामुमो में आए हैं। इसके पहले जब हाथी उड़ रहा था तो उड़ानेवालों में ये भी शामिल थे। इरफान पर चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा कि आप डाक्टरी पढ़े हुए हैं, भले ही यूक्रेन में पढ़े हों।

झारखंड के माफियाओं का गजब कारनामा, कोयला चोरी करने के लिए निकाल ली नयी तरकीब

लातेहार, एजेंसी। झारखंड के कोयला माफियाओं को अब किसी का डर नहीं है। यही कारण है कि लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र में अब वे कोयला की चोरी करने के लिए जमीन खोद कर अवैध माइंस ही बना ले रहे हैं। दरअसल बालूमाथ थाना क्षेत्र के हरैयाखांड़ और आसपास के इलाके में जमीन के नीचे कोयला है। इस कोयले का खनन करने में माफिया जुट गये हैं और वहां अवैध माइंस बना लिया है।

माफिया आराम से कोयला चोरी कर इसकी तस्करी कर रहे हैं। लातेहार के माफियाओं ने यह अवैध माइंस जेसीबी के जरिये मिट्टी को खोदकर और ट्रेंच बनाकर तैयार किया है। यहां से कोयला चोरी कर इसे ट्रैक्टर और हाइवा के जरिये ईंट भट्टों सहित दूसरे स्थान पर भेजा जाता है। अब तक यहां से लाखों रुपये की कोयला चोरी की जा चुकी है। अमूमन इस इलाके में रात में कोयला चोरी कर इसे आसपास के इलाके में एकत्र किया जाता था। इसके बाद जेसीबी के जरिये बड़े वाहनों में कोयला को लोड कर इसे दूसरी जगहों पर भेजा जाता था।

कोयला चोरी करने वाले जिस तरह संगठित रूप से काम रहे थे, उसके बाद से कई सवाल उठने लगे हैं। सवाल यह है कि इतने बड़े पैमाने पर कोयले की चोरी हो रही है, लेकिन इसे संरक्षण देने वाले कौन लोग हैं। क्योंकि बिना संरक्षण के रातों रात माइंस बना देना और कोयले की तस्करी करना संभव नहीं हैं।

झारखंड में समय पर वार्षिक रिटर्न दाखिल नहीं करने वाले कारखानों की खैर नहीं, अब लगेगा दंड

रांची, एजेंसी। झारखंड के कारखानों द्वारा निर्धारित समय-सीमा में वार्षिक रिटर्न दाखिल नहीं करने पर अब दंड लगेगा। सरकार ने झारखंड फैक्ट्री रूल 1950 में संशोधन करते हुए यह प्रावधान किया है। साथ ही लाइसेंस में बदलाव के लिए पूर्व निर्धारित शुल्क को 500 रुपये से बढ़ा कर 1000 रुपये करने का फैसला किया है। रूल में ये संशोधन अधिसूचना जारी होने की तिथि से प्रभावी होंगे।

साथ ही कारखानों द्वारा 15 जनवरी तक वार्षिक रिटर्न दाखिल करने का प्रावधान है। झारखंड सरकार ने समीक्षा के दौरान पाया कि दंड का प्रावधान नहीं होने की वजह से समय पर रिटर्न दाखिल नहीं किया जाता है। इसलिए सरकार ने सब-रूल में संशोधन करते हुए दंड का प्रावधान किया है। इसके तहत अब 15 जनवरी तक रिटर्न दाखिल नहीं करने वाले कारखाने लाइसेंस नवीकरण फीस का 50 प्रतिशत दंड देकर 31 मार्च तक रिटर्न दाखिल कर सकेंगे।

30 जून तक रिटर्न दाखिल करने के लिए लाइसेंस नवीकरण फीस का 100 प्रतिशत दंड के रूप में चुकाना होगा। 30 जून तक रिटर्न दाखिल नहीं करने या गलत सूचना देने की स्थिति में लाइसेंस जब्त कर लिया जायेगा। इससे पहले कारखाना प्रबंधन को अपना पक्ष पेश करने का मौका दिया जायेगा। लाइसेंस जब्त करने पर श्रम विभाग के सचिव के यहां अपील की जा सकेगी।

कामडारा में पहाड़गांव के प्राचीन शिव मंदिर में गुप्त गंगा से सालों भर बहता है पानी

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले में कई ऐसे शिवालय हैं, जिनका इतिहास और स्थापना काल किसी को नहीं मालूम। अनंत काल से यहां पूजा-पाठ हो रहा है। कामडारा प्रखंड में पहाड़गांव का प्राचीन शिव मंदिर भी ऐसा ही एक मंदिर है। यहां गुप्त गंगा से साल भर पानी बहता रहता है। कामडारा प्रखंड की सरिता पंचायत में पहाड़ गांव आमटोली है। यहां प्राचीन शिव मंदिर है, जो आस्था का केंद्र है। यह मंदिर जंगल और पहाड़ों के बीच है। प्राकृतिक सौंदर्य के बीच बने इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि स्वयं भगवान भोलेनाथ यहां बिराजे हैं।

यहां का प्रकृति सौंदर्य श्रद्धालुओं का मन मोह लेता है। श्रद्धालुओं की मानें, तो इस मंदिर का निर्माण स्वयं शंभु ने कराया है। मंदिर को बनाने के लिए सीमेंट, छड़, गिट्टी, बालू या मिट्टी तक का इस्तेमाल नहीं हुआ है। एक पत्थर के ऊपर दूसरा पत्थर रखकर इस मंदिर का निर्माण किया गया है। शिव भक्तों का मानना है कि स्वयं भगवान यहां निवास करते हैं। यही वजह है कि लाखों आंधी, तूफान आ जाए, मंदिर को कोई नुकसान नहीं होता।महाशिवरात्रि के अवसर पर पूजा-अर्चना करने और इस प्राचीन मंदिर में विराजमान भगवान के दर्शन करने के लिए दूसरे राज्यों से भी श्रद्धालु यहां आते हैं। लोगों का कहना है कि इस मंदिर में पूरी आस्था और श्रद्धा से अगर कोई मन्नत मांगता है, तो उसे मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। इस मंदिर से सटी गुप्त गंगा भी है। गुप्त गंगा से साल भर पानी बहता रहता है। लोग गुप्त गंगा से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं।

स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मंदिर को पर्यटक स्थल घोषित करने की मांग की है। इस मंदिर परिसर में बजरंग बली मंदिर, माता पार्वती मंदिर, गणेश मंदिर के साथ-साथ अन्य देवी-देवताओं के भी मंदिर हैं। कुछ मंदिर हाल-फिलहाल में बनाये गये हैं। सभी मंदिरों में सालों भर पूजा करने के लिए भक्तों का तांता लगा रहता है।

यह मंदिर प्रखंड मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर दूर पहाड़ गांव में है। प्राचीन शिव मंदिर तक पहुंच पथ के साथ ट्रेन की सुविधा भी है। रेलवे स्टेशन पकरा से उतरकर मंदिर तक की दूरी लगभग एक किलोमीटर है। सड़क मार्ग से आयेंगे, तो बाकूटोली से बक्सपुर मोड़ होकर पकरा मंदिर टोली पहुंच सकते हैं।

धनबाद में बाइक सवार अपराधियों ने की अंधाधुंध फायरिंग, गोली लगने से दो मजदूर घायल

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के महुदा थाना क्षेत्र में महुदा कोल वाशरी से सटे मुरलीडीह रेलवे फाटक के समीप श्री तिरुपति बालाजी इंटरप्राइजेज द्वारा एलएचएस अंडरपास बनाया जा रहा है। मंगलवार की रात मजदूरों पर बाइक पर आए दो अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग की। इसमें दो मजदूरों को गोली लगी है। दोनों मजदूर घायल हो गए। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल मजदूर बिहार के बेगूसराय के रहने वाले हैं। इनके नाम लाला साहनी और झूलो चौधरी है। फायरिंग से इलाके में दहशत है। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली।

मजदूर लाला साहनी को एक गोली जांघ में लगी है जबकि एक पेट में लगी है। झूलो चौधरी की जांघ में एक गोली लगी है। दोनों मजदूरों को समुचित इलाज के लिए धनबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धनबाद की महुदा पुलिस ने घटनास्थल से एक मैगजीन और आठ खोखे बरामद किए हैं।

बिहार के छह लोग अंडरपास के निर्माण कार्य में लगे हैं। काम कर वे यहां रात का भोजन बनाकर खाना खाने बैठे थे। तभी रात लगभग 9 बजे बाइक पर सवार दो अपराधी वहां पहुंचे और उन पर ताबड़तोड़ गोली चलाने लगे। इसमें दो मजदूरों को गोली लगी। सभी चिल्लाते हुए जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। दोनों घायल भी उसी हालत में वहां से भागते हुए महुदा कोल वाशरी की ओर चले गए। इसके बाद घटना की जानकारी महुदा पुलिस को दी गयी। सूचना पाकर महुदा इंस्पेक्टर ममता कुमारी और महुदा थाना प्रभारी देवानंद प्रसाद घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल भेजकर छानबीन शुरू कर दी।

धनबाद के ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी भी सूचना मिलते घटनास्थल पहुंचे और मजदूरों से पूछताछ की। इस संबंध में ग्रामीण एसपी ने कहा कि यहां अज्ञात बाइक सवार दो अपराधियों द्वारा मजदूरों पर फायरिंग की गयी है। ये जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

टाटानगर और रांची से गुजरनेवाली कई ट्रेनें रद्द, एक का बदल गया है रूट

जमशेदपुर, एजेंसी। नयी दिल्ली से पुरी के बीच चलने वाली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस (12802) 26 फरवरी को रद्द रहेगी। पुरी से दिल्ली जानेवाली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस (12801) को भी बुधवार को रद्द कर दिया गया है। टाटा-जम्मूतवी एक्सप्रेस (18101) को 26, 28 फरवरी और दो मार्च को रद्द कर दिया गया है। आनंद विहार-हटिया एक्सप्रेस (12874) को 26 फरवरी को रद्द किया गया है। हल्दिया-आनंद विहार एक्सप्रेस (12443) को 27 फरवरी को रद्द किया गया है।

हटिया-आनंद विहार एक्सप्रेस (12873) को 27 फरवरी को रद्द किया गया है। आनंद विहार-पुरी एक्सप्रेस (12816) 26-27 फरवरी को रद्द रहेगी। आनंद विहार-रांची एक्सप्रेस (12826) 26 को रद्द रहेगी। रांची-आनंद विहार एक्सप्रेस (12825) 27 फरवरी को रद्द रहेगी। भुवनेश्वर-आनंद विहार एक्सप्रेस 26 फरवरी को रद्द रहेगी। नयी दिल्ली-भुवनेश्वर एक्सप्रेस (12282) 27 फरवरी को रद्द रहेगी। हटिया-आनंद विहार एक्सप्रेस (12817) 28 फरवरी को रद्द रहेगी।

रेलवे ने रांची-लोक मान्य टर्मिनल एक्सप्रेस (18609) को 26 फरवरी को परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन बुधवार को वाराणसी-लखनऊ, कानपुर, झांसी से बीना होकर मुख्य मार्ग से चलेगी।

सीआईएससीई बोर्ड ने परीक्षा को लेकर किए बदलाव, 2027 से 12वीं में अंग्रेजी समेत पांच विषयों में पास करना होगा अनिवार्य

रांची, एजेंसी। क्रांति दीप-काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) बोर्ड की ओर से 2027 में आयोजित होनेवाली 10वीं और 12वीं की परीक्षा को लेकर कई बदलाव किये गये हैं। जिसके तहत 2027 में होने वाली 12वीं की परीक्षा के पास क्राइटेरिया में भी बदलाव किया गया है। जिसमें अब छात्रों को 12वीं पास करने के लिए पांच या छह विषयों में उत्तीर्णता मानक प्राप्त करना होगा। यानी इंग्लिश या मॉडर्न इंग्लिश के साथ चार विषयों में पास होना अनिवार्य होगा। इससे पहले 12वीं में पास करने के लिए इंग्लिश के साथ तीन विषयों में पास होना अनिवार्य था। यह जानकारी बिशप वेस्टकॉट ब्वॉयज स्कूल नामकूम के प्रिंसिपल जोएल एडविन ने दी।

प्रिंसिपल जोएल एडविन ने बताया कि विभिन्न यूनिवर्सिटी व कॉलेजों में नामांकन के लिए 12वीं में कम से कम पांच विषय मांगे जाते हैं। ऐसे में छात्रों को नामांकन प्रक्रिया में किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी। छात्रों को लाभ मिलेगा। संत जेवियर्स स्कूल डोरंडा के 12वीं क्लास के को-ऑर्डिनेटर संतोष कुमार ने बताया कि अन्य बोर्ड में 12वीं में पांच विषयों पर मूल्यांकन होता है। जबकि सीआइएससीइ में बोर्ड इंग्लिश के साथ तीन विषय यानी कुल चार विषयों पर ही मूल्यांकन हो रहा था। इस बदलाव से सीआइएससीइ 12वीं के छात्रों का मुल्यांकन भी अन्य बोर्ड के बराबर हो जायेगा।

बोर्ड की ओर से जारी रेगुलेशन के अनुसार 2027 में 12वीं की परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र पांच विषयों का कॉम्बिनेशन नहीं ले सकेंगे। इसमें इंग्लिश के साथ मॉडर्न इंग्लिश, फिजिक्स के साथ इंजिनियरिंग साइंस, जियोमेट्रिकल मैकेनिकल ड्राइंग के साथ जियोमेट्रिकल एंड बिल्डिंग ड्राइंग, मैथमेटिक्स एंड अप्लायड मैथेमेटिक्स और रोबोटिक्स के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शामिल है।

2027 में होनेवाली 10वीं और 12वीं परीक्षा के लिए नये विषय जोड़े गये हैं। इसमें 12वीं क्लास के लिए पांच नये विषयों को जोड़ा गया है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रॉबोटिक्स, अप्लाइड मैथमेटिक्स, मॉडर्न इंग्लिश और भूटिया लैंग्वेज शामिल हैं। वहीं 10वीं में भी एक विषय भूटिया लैंग्वेज जोड़ा गया है। सीआइएससीइ बोर्ड की ओर से 2027 में होनेवाली 10वीं व 12वीं परीक्षा के लिए सिलेबस व रेगुलेशन जारी किये गये हैं। जिसमें कई विषयों के लिए संशोधित सिलेबस जारी किये गये हैं। 12वीं क्लास में 12 विषयों के सिलेबस में संशोधन किया गया है। वहीं 10वीं के लिए भी 10 विषयों के लिए संशोधित सिलेबस जारी किये गये हैं।

2027 में होनेवाले 10वीं व 12वीं के रिजल्ट डॉक्यूमेंट में भी बदलाव किये गये हैं। जिसमें दो रिजल्ट डॉक्यूमेंट के जगह एक डॉक्यूमेंट दिया जायेगा। पहले दो रिजल्ट डॉक्यूमेंट स्टेटमेंट ऑफ मार्क्स और पास सर्टिफिकेट दिये जाते थे। अब परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को पास सर्टीफिकेट कम स्टेटमेंट ऑफ मार्क्स नाम से एक डॉक्यूमेंट दिये जायेंगे। इसके साथ ही डॉक्यूमेंट में पास सर्टिफिकेट अवार्डेड (पीसीए) और पास सर्टिफिकेट नोट अवार्डेड की जगह पर क्वालीफाइड और नॉट क्वालिफाइड अंकित किया जायेगा।

गिरिडीह में घोर लापरवाही, कोषागार या बैंक की जगह आजीविका केंद्र को बना दिया वज्रगृह

गिरिडीह, एजेंसी। मैट्रिक प्रश्न पत्र लीक मामले में गिरिडीह जिला प्रशासन की लापरवाही उजागर हुई है। यहां शहर के कुरैशी मोहल्ले के पास जिला जनसंपर्क कार्यालय के पीछे स्थित शहरी आजीविका केंद्र में बनाये गये स्ट्रांग रूम में प्रश्नपत्र रखे गये। इतना ही नहीं, ट्रक के वहां तक नहीं पहुंचने पर टोटो से वहां बंडल लाया गया। जैक अध्यक्ष के निर्देश के बाद भी घोर लापरवाही बरती गयी।

जैक अध्यक्ष ने सभी जिलों के डीसी को निर्देश दिया था कि वज्रगृह कोषागार, उपकोषागार या बैंक में बनाया जाए। इतना ही नहीं वज्रगृह में प्रश्नपत्र को सील करने और खोलने के दौरान मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में वीडियोग्राफी भी करनी थी। रिजर्व में जिस प्रश्नपत्र को पैकेट में रखा गया था, उसके सील का मिलान भी किया जाना था, बावजूद इन निर्देशों के पूरे मामले की अनदेखी की गयी।

वज्रगृह ऐसे स्थान पर बनाया गया, जहां आम लोगों का आना-जाना लगा हुआ था। परिसर का मुख्य गेट भी टूटा हुआ है। वज्रगृह में सीसीटीवी कैमरे तक नहीं लगाये गये हैं। सुरक्षा के नाम पर सिर्फ पांच सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गयी है, लेकिन परिसर में आने-जाने के लिए आमलोगों को पूरी छूट थी। प्रश्नपत्र को ट्रक से अनलोड कर स्ट्रांग रूम तक ढुलाई करने के दौरान भी निगरानी में बड़ी चूक हुई। प्रश्न पत्रों की ढुलाई के दौरान भी न ही कोई वीडियोग्राफी करायी गयी और न ही किसी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति थी।

सुभाषितम्

लगन का अर्थ उन्नीस बार विफल होने के बाद 20वी बार सफल होना
- जे. एंड्रयूज

बैंक ऑफ अमेरिका की ग्लोबल रिपोर्ट में भारत का शेयर बाजार निचले क्रम में

हाल ही में बैंक ऑफ अमेरिका ग्लोबल रिसर्च के एक सर्वेक्षण में भारतीय शेयर बाजार को एशिया के प्रमुख बाजारों में निचले स्थान में रखा गया है। यह रिपोर्ट 205 फंड मैनेजर्स के सर्वे पर आधारित है। यह 205 फंड मैनेजर 482 बिलियन डॉलर की संपत्ति का प्रबंधन करते हैं। दुनिया भर के शेयर बाजारों में उनके द्वारा निवेश किया जाता है। इस सर्वे के अनुसार, 205 फंड मैनेजरों ने जापान, ताइवान और चीन को निवेशकों की पहली पसंद माना है। जबकि भारत को थाईलैंड के ठीक ऊपर, सूची के निचले क्रम से द्वितीय स्थान पर रखा गया है। सेकंड लोएस्ट रैंकिंग से भारत के शेयर बाजार की स्थिति को दशार्या गया है। यह स्थिति निवेशकों और भारत के नीति निमार्ताओं के लिए एक चिंताजनक संकेत है। भारत के शेयर बाजार की गिरावट मुख्य रूप से शेयर बाजार में पिछले 5 महीनों में आई अस्थिरता और वैश्विक पूंजी प्रवाह में बदलाव के कारण हुई है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफसेकंड) द्वारा भारतीय बाजार में लगातार बिकवाली ने बाजार की धारणा को कमजोर किया है। देसी और विदेशी निवेशकों का रुझान भारतीय शेयर बाजार से पूरी तरह से खत्म होता जा रहा है। वहीं, दूसरी ओर, ताइवान का शेयर बाजार मजबूत सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री और चीन अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल क्षेत्र में तेज प्रगति के कारण दुनियाभर के निवेशकों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। जापान की स्थिर नीतियां का आकर्षण जापान के शेयर बाजार की स्थिरता निवेशकों की पहली पसंद जापान के शेयर बाजार को मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

यह रिपोर्ट पूरी तरह से भारत की दीर्घकालिक संभावनाओं को लेकर जो कहा जा रहा है। उसमें वर्तमान के ऊपर ज्यादा ध्यान दिया गया है भविष्य में क्या होगा इसको लेकर रिपोर्ट में अनिश्चितता बनी हुई है। भारतीय अर्थव्यवस्था अभी 7प्रतिशत की विकास दर बनाए रखने की ओर अग्रसर है। निवेशकों को इस पर ज्यादा भरोसा नहीं है। भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सबसे बड़ा संकट है। यदि आगामी तिमाही में कंपनियों के वित्तीय परिणाम मजबूत आते हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति यदि सरकारी और कंपनियों के दावे के अनुसार बनी रहती है। ऐसी स्थिति में भारत दोबारा निवेशकों की प्राथमिकता बन सकता है। भारत का युवा कार्यबल, बढ़ता उपभोक्ता बाजार और मजबूत स्टार्टअप के इको सिस्टम की लंबी अवधि देखने को मिलेगी तभी भारतीय शेयर बाजार पर विदेशी निवेशकों का भरोसा बनेगा। अभी यह भरोसा पूरी तरह से गड़बडाया हुआ है, जिसके कारण भारतीय शेयर बाजार विदेशी निवेशकों के लिए अंतिम पायदान में पहुंच गया है। सरकार और नियामक संस्थाओं को इस रिपोर्ट को एक चेतावनी के रूप में देखना होगा। भारत में विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है। खासकर विनिर्माण और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। भारतीय शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था पर विदेशी निवेशकों का भरोसा हो इसके लिए आंकड़ों में पारदर्शिता लानी होगी। सेबी की कार्यप्रणाली में भी सुधार करना होगा। निवेशकों का विश्वास भारतीय शेयर बाजार अर्थव्यवस्था और बैंकिंग सिस्टम पर बनाए रखने के लिए शेयर बाजार में स्थिरता का वातावरण पैदा करना होगा। सरकार के नियम कानून एवं विदेशी निवेश नियमों में पारदर्शिता एवं स्थाई कानून की आवश्यकता होगी। अभी दुनिया भर में यह संदेश है कि भारत सरकार बहुत जल्दी अपने नियमों को बदल देती है, जिसके कारण बाजार में अफरा-तफरी का माहौल है। यह रिपोर्ट भारतीय शेयर बाजार के लिए एक चेतावनी है। भारतीय निवेशकों को भी सतर्क रहने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

सत्य की खोज अनंत

सत्य का अर्थ होता है, अनंत। सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। यात्रा शुरू तो होती है, पर पूरी नहीं होती। पूरी हो ही नहीं सकती। क्योंकि अगर पूरी हो जाए यात्रा तो उसका अर्थ होगा कि सत्य भी सीमित है। तुम आ गए आखिरी सीमा पर, फिर उसके पार क्या होगा? नहीं, सत्य असीम है। यही तो हमने बार-बार अनेक-अनेक ढंग से कहा है कि परमात्मा अनंत है, असीम है, अपार है, उसका विस्तार है, विराट है। जैसे तुम सागर में उतर गये, यह तो सच है लेकिन तुमने पूरे सागर को थोड़े ही पा लिया। तुम जितना पार करते जाओ, उतना ही सागर शेष है। फिर सागर तो शायद चुक भी जाए। कोई तैरता ही रहे, तैरता ही रहे, तो दूसरा किनारा आ भी जाएगा पर परमात्मा का कोई किनारा ही नहीं है। इसीलिए इसे असीम कहते हैं। सत्य असीम है, अनंत है, इसलिए सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। अमेरिका का एक बहुत बड़ा मनीषी हुआ-जान डैबी। वह कहा करता था, जीवन रुचि का नाम है। जिस दिन वह गयी कि जीवन भी चला गया। सत्य की खोज में रुचि है। सत्य में उतना सवाल नहीं है, जितना खोज में है। मजा मंजिल का नहीं है, यात्रा का है। मजा मिलन का कम, इंतजारी का ज्यादा है। जान डैबी से उसकी नब्बेवीं वषर्गांठ पर बातचीत करते समय एक डाक्टर मित्र ने कहा, फिलासफी, दर्शन में रखा क्या है!

डैबी ने शांतिपूर्वक कहा, दर्शन का लाभ है कि उसके अध्ययन के बाद पहाड़ों पर चढ़ाई संभव हो जाती है। डाक्टर ने कहा, मान लिया कि दर्शन का यही लाभ है कि पहाड़ों पर चढ़ाई संभव हो जाती है लेकिन एक पर चढ़ने के बाद दूसरा ऐसा ही पहाड़ दिखना आरंभ हो जाता है, जिस पर चढ़ना कठिन प्रतीत होता है। उसके पार होने पर तीसरा फिर चौथा। जब तक यह प्रम और चुनौती है, तब तक जीवन है। जिस दिन चढ़ने को शेष नहीं, आकषर्ण, चुनौती नहीं, उसी दिन मृत्यु घट जाएगी और मृत्यु नहीं है, जीवन ही है। तुम पहाड़ चढ़ते हो, इसी आशा में कि उसके पार कुछ नहीं है, पर पाते हो कि दूसरा पहाड़ प्रतीक्षा कर रहा है।

एक- एक मतदाता का ऋण उतारा मोदी जी ने

अखिलेश जैन

वर्ष 2013-14 के 16,65,297 करोड़ रुपए के बजट से वर्ष 2024-25 में 50,65,345 करोड़ रुपए के बजट तक की यात्रा कोई आंकड़ों का खेल नहीं, इसके पीछे के मर्म को समझाना पड़ेगा तभी मोदी जी के बजट के साथ न्याय होगा । 2014 के चुनाव में मोदी जी ने सार्वजनिक सभाओं में मतदाताओं से वायदा किया था, एक-एक मतदाता को अपने कार्यकाल का हिसाब दूंगा। एक-एक वोट का ऋण उतारूंगा । मोदी जी की गारंटी, गारंटी पूरा होने की गारंटी है। मोदी जी के काम करने का रास्ता अंत्योदय से विकसित भारत की तरफ जाता है। मोदी जी के दिल में वर्षो से उपेक्षित, शोषित, पीड़ित वर्ग और घरों में कैद देश की आधी आबादी के लिए दर्द उन्हें मजबूर करता है कि विकसित भारत का रास्ता अंत्योदय से निकाला जाए, इस बात को स्वयं मोदी जी सार्वजनिक मंचों से कह चुके हैं कि - जिन्हें कोई नहीं पूछता मोदी उन्हें पूछता है-और पूजता भी है।

प्रधानमंत्री ही संगठन व सरकार के नेता होते हैं। संगठन की अपनी प्राथमिकताऐं और उद्देश्य होते हैं। संगठन की अपनी विचारधारा होती है। जिसके बल पर संगठन का निर्माण होता है। इसी प्रकार सरकार की अपनी प्राथमिकताऐं, उद्देश्य व लक्ष्य होते हैं और प्रधानमंत्री जी को सामंजस्य बनाकर धैर्य पूर्वक लक्ष्य की तरफ अग्रसर होना पड़ता है। प्रधानमंत्री जी के पूरे कार्यकाल का, गुजरात के मुख्यमंत्री पद से आज तक का अगर विश्लेषण किया जाए तो साफ-साफ समझ में आता है कि गरीबों, शोषित व महिलाओं के लिए जो दर्द है वही शासन की नीतियों का केंद्र बिंदु है, इसमें कोई जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद हावी नहीं हो पता है। तभी तो प्रधानमंत्री जी कहते भी हैं तुष्टीकरण नहीं पूर्ण संतुष्टीकरण।

पहले विश्व में तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था, 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था, फिर विकसित भारत। यह सारी चुनौतियां प्रधानमंत्री जी ने स्वयं ही स्वयं के लिए खड़ी करी हैं। भारत के इतिहास में शायद मोदी जी पहले प्रधानमंत्री हैं, जो स्वयं लक्ष्य निर्धारित कर अपने लिए चुनौतियां खड़ी करते हैं और फिर लक्ष्य को निश्चित समय अवधि में हासिल करने के लिए रात - दिन एक कर देते हैं। मोदी जी को मालूम है वह भारत के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री क्यों बनाए गए हैं ? देश की जनता को भरोसा है मोदी जी ही भारत को विकसित भारत बना सकते हैं। मोदी जी ही आज की युवा पीढ़ी को उन्नत, सुरक्षित, समृद्ध भारत प्रदान कर सकते हैं। राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, वैश्विक परिदृश्य कुछ भी हो, हर हाल में मोदी जी को जनता का भरोसा कायम रखना है। मोदी जी नारे, वादों या लंबे-लंबे भाषणों से सरकार नहीं चलाते, मोदी जी धरातल पर काम करके दिखाते हैं। तभी तो एक दशक की केंद्र सरकार में मुखिया बनने के बाद 17.92 करोड़ नौकरियां पैदा की। आज महिला श्रम बल (एलएफपीआर) की भागीदारी दर 23.3% से बढ़कर 37% पर आ गई है। 89.8 लाख लखपति दीदियों और स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, जिसमें मुख्यतः ग्रामीण महिलाएं हैं, उनको प्रतिवर्ष कम से कम एक लाख रुपये की घरेलू आय प्राप्त करने हेतु सक्षम बनाया गया है। वर्ष 2013 के 452 स्टार्टअप्स को 2024 में 1.59 लाख मान्यता प्राप्त स्टार्टअप से 17.22 लाख नौकरियां पैदा करने में सफलता पाई है। बुनियादी ढांचे को विश्व स्तरीय बनाने में खर्च होने वाले प्रत्येक एक करोड़ की धनराशि पर 200 से 250 मानव वर्ष का रोजगार उत्पन्न किया गया है। यूपीए सरकार की नीति थी, उधार का घी पियो। जिसके परिणाम स्वरुप चालू खाता घाटा और 9.3% मुद्रास्फीति बढ़ गई थी, दूसरी तरफ मोदी सरकार में कोरोना महामारी, रूस यूक्रेन युद्ध के बावजूद देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.4% अनुमानित है, जो विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्था में शीर्ष पर है। 2013-14 में 2.2 बिलियन डिजिटल लेनदेन, 2024 में 208.5 बिलियन डिजिटल लेनदेन समावेशी आर्थिक विकास को दशार्ता है। (पीएमजेडीवाई) प्रधानमंत्री जन धन योजना के सहयोग से 500 मिलियन बैंक खाते खोलना समावेशी आर्थिक विकास का सबूत है। यह मोदी जी के (जे ए एम) जनधन, आधार, मोबाइल नेटवर्क ही है जिसके कारण कोविड-19 में, 24 मार्च 2020 से 17 अप्रैल 2020 में, 24 दिन की समय अवधि में 11.42 करोड़ लाभार्थियों को 27442.08 करोड़ रुपए का सीधे खाते मै सहायता राशि पहुंचना, बिना किसी लीकेज के संभव हो पाया, ना कोई बिचौलिया, ना कोई कट, ना कोई कमीशन, ना शहरी- ग्रामीण का अंतर, ना कोई जाति, धर्म, भाषा का भेदभाव, कोई तुष्टीकरण नहीं - पूर्ण संतुष्टीकरण।

2014-15 से 2022-23 के बीच में आठ वित्तीय वर्षों की समय अवधि में 24.82 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया । इस जादुई फिगर की गंभीरता कितनी है, इसका इसी बात से अंदाज लगाया जा सकता है कि यह संख्या कई देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। यह चमत्कार से कम नहीं और यह चमत्कार सिर्फ मोदी जी ही कर सकते हैं, फर्क साफ है यूपीए सरकार खराब ऋणों में एनपीए संकट का मकड़ जाल फैलाकर व्यवसाय व वित्तीय संस्थानों को पंगु बनाने में माहिर थी। हाई प्रोफाइल डिफॉल्टर यूपीए युग की देन थी।

अत्यंत गरीब ऊपर आए, नियो मिडिल क्लास, जिसका उल्लेख 10 जुलाई 2014 के बजट भाषण में तत्कालीन वित्त मंत्री स्वर्गीय श्री अरुण जेटली जी ने संसद में किया था, जिसका तात्पर्य था। वो गरीब लोग जिन्हें गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया है पर मध्यम वर्ग में उन्हें स्थायित्व प्राप्त करना है, के स्थायित्व प्राप्त करने में सहायता व संरक्षण दिया गया, जिसके फलस्वरुप 5 से 10 लाख रुपए प्रतिवर्ष की आय सीमा के लोगों में 8.1% की वृद्धि दर्ज की गई, वा 10 से 20 लाख रुपए प्रति वर्ष आय सीमा के लोगों की 3.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय 2011- 12 में शहरी वा ग्रामीण में अंतर 84% था जो 2023- 24 में 70% हो गया है। स्पष्ट है मोदी सरकार में ग्रामीण- शहरी विभाजन घट रहा है।

एक देश- एक कर, जीएसटी लागू होने के बाद घरेलू सामानों की कीमत में आई कमी का घरेलू बचत पर असर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जिसके परिणाम स्वरुप घरेलू बचत में लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, वित्तीय वर्ष 2014 में 3.5 लाख रुपए से कम आय वाले 36.3% व्यक्तिगत आयकर दाता उच्च आय वर्ग में चले गए हैं। जिनमें से 15.3%, 3.5 से 5 लाख व 5 से 10 लाख रुपए वार्षिक आय वर्ग समूह में चले गए हैं और 4.2% आयकर दाता 10 से 20 लाख रुपए वार्षिक आय वर्ग समूह में चले गए हैं। यही है मोदी जी के अंत्योदय की ताकत। यही है पंडित दीनदयाल जी के अंत्योदय की ताकत। भाजपा व कांग्रेस की सोच में ही बुनियादी फर्क है। 1996 में जब स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेई जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी थी, तब ठढअ 16% था, 2004 में जब श्री अटल बिहारी वाजपेई जी ने सत्ता छोड़ी तो एनपीए घटकर 7.8% पर आ गया अर्थात एनडीए सरकार में एनपीए में 8.2 % की कमी आई। फिर 2004 से 2013 तक रही यूपीए सरकार के राजनीतिक हस्तक्षेपों के कारण जी.एन.पी.ए. अनुपात में तीव्र वृद्धि 12.3% तक पहुंच गया फिर मोदी सरकार के कड़े वित्तीय अनुशासन के कारण वित्तीय वर्ष वर्ष 2024 में ऋठढअ अनुपात और शुद्ध ठढअ अनुपात क्रमशः 2.8% और 0.6% के बहु-वर्ष के निचले स्तर पर दर्ज किया गया, स्पष्ट है लूट खसोट बंद कर गरीबों को ऊपर लाने का सघन प्रयास कर मतदाताओं का भरोसा और मजबूत किया गया। मोदी जी को मालूम है देश के गरीबों को हर स्तर पर प्रधानमंत्री का सहयोग व संरक्षण ही देश को आगे ले जा सकता है। इसलिए सामाजिक सुरक्षा व कल्याण योजनाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है।

महाकुंभ की ऐतिहासिक सफलता पर अनर्गल प्रलाप क्यों?

ललित गर्ग

महाकुंभ केवल एक धार्मिक समागम ही नहीं है, यह भारत की संस्कृति का भी परिचायक एवं आत्मा है। इस बार महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुम्भ को मृत्युकुम्भ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना बयान सनातन धर्म के जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिए गए हैं। ऐसे एवं कुछ अन्य विपक्षी नेताओं के भ्रामक, त्रासद एवं गुमराह करने वाले बयानों से वहां जाने वाले लोगों को भयभीत, आतंकित और आशंकित किया गया। इन विपक्षी नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल एवं उपहास उड़ाते हुए लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं। यह समझ आता है कि कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये कब जागरूक एवं संगठित होगा?

प्रयागराज महाकुंभ 2001, इस सहस्राब्दी का पहला कुंभ था, जो एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हुआ है। जिसमें लगभग 62 करोड़ से अधिक लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने न केवल देश बल्कि दुनिया को चौंकाया है। यह दुनिया का पहला विशाल आयोजन है, जिससे भारत एवं सनातन धर्म का गर्व एवं गौरव दुनिया में बढ़ा है। बावजूद इसके विपक्षी नेता जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता, सनातन विरोधी मानसिकता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। विडम्बना देखिये कि इसका नुकसान उनको एवं उनके दल को भी हो रहा है। भारत में सनातन विरोध की राजनीति करके वे अपनी ही जड़े उखाड़ रहे हैं, यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है।

मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम मेडिकल एवं साइंस रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ का उल्लेख करते हुए जिस तरह कुछ विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग वास्तव में अनावश्यक और अनर्गल टीका-टिप्पणी करने में लगे हुए हैं। पुरानी कहावत है, मियाँ को न पाऊँ तो बीवी को नोच खाऊँ वाली स्थिति विपक्षी नेताओं एवं दलों की हो चुकी है। इसे छिद्रान्वेषी मानसिकता ही कहा जाएगा। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, अनर्गल, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचना से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। विपक्षी नेता अपने नजरिए को बदलें और देश में नफरत और झूठ की राजनीति करके भ्रम फैलाने की ओछी राजनीतिक हरकतों से बाज आएं। विपक्ष जिस भाषा का प्रयोग कर रहा है, वह किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देती। विपक्षी नेताओं ने सारी हदें लांघते हुए जो तुलनाएँ की, जो अनर्गल प्रलाप किया है वह निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। प्रतीत होता है हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है।

कुछ विपक्षी नेताओं ने चुन-चुनकर इस आयोजन की समस्याओं को गिनाने में अतिरिक्त दिलचस्पी दिखाई और इस क्रम में वहां मची भगदड़ का जिक्र करते हुए यहां तक कहा कि उसमें हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। यह गैरजिम्मेदारी, मानसिक दिवालियापन एवं अपरिपक्व सोच के अतिरिक्त और कुछ नहीं। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों को कठघरे में खड़ा किया, क्योंकि वे हिंदू आस्था पर जानबूझकर प्रहार ही कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि महाकुंभ भारत की संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। अच्छा हो कि विपक्षी नेता यह समझें कि ऐसे आयोजनों पर उनकी बेजा एवं बेतूकी टिप्पणियां उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान ही पहुंचाती हैं।

हिंदी है भारत की बिंदी

संजय गोस्वामी

कश्मीर से कन्याकुमारी तक, साक्षर से निरक्षर तक प्रत्येक वर्ग का व्यक्ति हिन्दी भाषा को आसानी से बोल-समझ लेता है। यही इस भाषा की पहचान भी है कि इसे बोलने और समझने में किसी को कोई परेशानी नहीं होती। पहले के समय में अंग्रेजी का ज्यादा चलन नहीं हुआ करता था, तब यही भाषा भारतवासियों या भारत से बाहर रह रहे हर वर्ग के लिए सम्माननीय होती थी। लेकिन बदलते युग के साथ अंग्रेजी ने भारत की जमीं पर अपने पांव गड़ा लिए हैं। धीरे-धीरे हिन्दीभाषा का प्रचलन बढ़ा और इस भाषा ने राष्ट्रभाषा का रूप ले लिया। अब हमारी राष्ट्रभाषा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बहुत पसंद की जाती है। इसका एक कारण यह है कि हमारी भाषा हमारे देश की संस्कृति और संस्कारों का प्रतिबिंब है। आज विश्व के कोने-कोने से विद्यार्थी हमारी भाषा और संस्कृति को जानने के लिए हमारे देश का रुख कर रहे हैं। एक हिंदुस्तानी को कम से कम अपनी भाषा यानी हिन्दी तो आनी ही चाहिए, साथ ही हमें हिन्दी का सम्मान भी करना सीखना होगा।ज्ञान, विज्ञान, धर्म एवं राजनीति की भाषा सदैव लोकभाषा ही होनी चाहिये। इसी मूल विचारधारा को लेकर विज्ञान और तकनीकी के प्रमुख वैज्ञानिको ने सन 1968 में हिन्दी विज्ञान साहित्य परिषद की स्थापना की गई। परिषद् का मुख्य उद्देश्य हिन्दी में वैज्ञानिक साहित्य की रचना एवं प्रसार रहा परिषद की गतिविधियों में सबसे मुख्य एवं स्थाई गतिविधि त्रैमासिक पत्रिका वैज्ञानिक अनवरत प्रकाशन रही है। वैज्ञानिक का परिचय अंक 1969 में प्रकाशित हुआ था। वैज्ञानिक चिन्तन हिन्दी में प्रारम्भ हो, एक उच्च स्तरीय लेखों की पत्रिका पाठकों को मिले तथा विज्ञान में रुचि रखने वाले लेखकों को एक मंच मिले, इत्यादि विचार वैज्ञानिक प्रकाशन में के प्रेरणा स्रोत रहे हैं। वैज्ञानिक में प्रकाशित लेख विज्ञान की सभी शाखाओं से लिए जाते हैं जिनमें विशेषज्ञ अपने नवीनतम शोध की जानकारी सभी पाठकों तक पहुंचाते हैं। विषय विशेष पर नवीनतम एवं पूर्ण जानकारी देने के उद्देश्य से वैज्ञानिकों के विशेषांको को प्रकाशित करने की शुरूआत सन् 1972 में की गई। पिछले वर्षों में विभिन्न विषयों पर विशेषांक निकाले जा चुके हैं। जिनमें कृषि विज्ञान, खगोल भौतिकी, शरीर विज्ञान, पदार्थ विज्ञान, ध्रुव रिएक्टर, रेडियो-रसायन, सुरक्षा, पर्यावरण प्रदूषण, भारतीय विज्ञान की भावी दिशाएं, लेसर जैसे उपयोगी तथा आधुनिक विषय शामिल है नई कार्यकारिणी 24--26 के गठन हेतु 24जनवरी 25 को मुंबई मे बैठक बुलाया गया सह सचिव श्री राजेश कुमार, श्री शेर सिंह मीणा, राजेश कुमार सचान, प्रकाश कश्यप, संजय गोस्वामी, अमित टिकारिया आदि सदस्य मौजूद थे अतः ऐ एक हिंदी विज्ञान के प्रति साहसिक कदम है ताकि नई समिति मे पुनः विज्ञान के संचार हेतु वैज्ञानिक अपनी राह पर चल पड़े ऐसे प्रयास सराहनीय है।

आज का राशिफल

मेष आप जमीन-जायदाद में डील करेंगे तो उसमें आपको लाभ होगा और आपकी तरक्की होने के योग हैं।

तुला आज दिन फायदेमंद रहेगा। पढ़ाई-लिखाई के क्षेत्र में किए गए बदलाव फायदेमंद रहेंगे।

वृषभ आज दिन कामयाबी भरा रहेगा। बिजनस के मामले में आपके सारे प्लान सफल होंगे।

वृश्चिक आमदनी से अधिक खर्च होगा। बच्चों के अच्छे काम से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन आज हर काम सोच-समझकर करना चाहिए। किसी भी तरह के झगड़े से दूर रहें।

धनु करियर में फायदा होगा। विद्या, बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होगी। मेहनत से आपकी इच्छाएं पूरी होगी।

कर्क बेहतर होगा कि आप अपने स्वभाव पर ध्यान दें। कड़ी मेहनत से ही सफलता मिलेगी।

मकर आज धन लाभ होगा और आर्थिक मामलों में आपके लिए शुभ योग हैं। भाग्य आपका साथ देगा।

सिंह आज करियर के मामले में लाभ से भरा होगा और आपकी तरक्की होने से मन काफी प्रसन्न होगा।

कुंभ आपकी तरक्की होने से मन काफी प्रसन्न होगा। कमाई बढ़ाने के आपके प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या आज दिन किस्मत के लिहाज से बहुत अच्छा है। आपकी परेशानियां दूर होंगी।

मीन आज दिन फायदे का है। आपकी संपत्ति में बढ़ोतरी होगी। ननिहाल से भी मान-सम्मान मिलेगा।

विशेष

सड़कों पर आकर लड़ना होगा, आप को

दिल्ली में भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच में जबरदस्त टकराहट देखने को मिल रही है। आम आदमी पार्टी का अस्तित्व बचा रहेगा या नहीं, इसको लेकर तरह-तरह की अटकलों के दौर शुरू हो गया है। कुछ ही वर्षों में पंजाब के विधानसभा चुनाव होने हैं। पंजाब में भगदड़ मची हुई है। भाजपा किसी भी हालत में आम आदमी पार्टी को नेस्त नाबूत कर देना चाहती है। दिल्ली आम आदमी पार्टी के कुछ विधायक भाजपा में जा सकते हैं। सदन मैं आम आदमी पार्टी के विधायकों को बोलने का मौका नहीं मिलेगा। सदन के अंदर लड़ने का भी मौका नहीं मिलेगा। यदि पार्टी बची रह जाएगी, तो जनता के बीच जाकर लड़ना ही उनके लिए एकमात्र विकल्प बचेगा। इस तरह की चर्चा दिल्ली में होने लगी हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी कोअपना अस्तित्व बचाए रखने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी बचाकर रख पाएंगे,या नहीं। यह उत्सुकता सभी में बनने लगी है।

राहुल गांधी राजनीति करना सीख गए हैं

इसी साल बिहार विधानसभा के चुनाव होने हैं। बिहार में कांग्रेस पार्टी अपने अस्तित्व को बढ़ाने और विधानसभा चुनाव मे राहुल गांधी का जो राष्ट्रीय नेतृत्व का फायदा उठाते हुए बिहार में मजबूत होना चाहती है। इसके लिए बिहार में राहुल गांधी ने राजद के ऊपर अपना दबाव बढ़ा दिया है। पिछली बार कांग्रेस 70 सीटों पर लड़ी थी। लेकिन 19 सीटें ही जीत पाई थी। कांग्रेस का कहना है, कि उस समय राजद ने हारने वाली सीट कांग्रेस को पकड़ा दी थी। इस बार कांग्रेस ने दबाव बना दिया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1700 इंग्लैंड के खोजी विलियम डैम्पियर ने न्यू ब्रिटिश द्वीप की खोज की. 1807 अमरीकी साहित्यकार हेनरी लोगफेलो का जन्म. 1854 ईस्ट इंडिया कंपनी ने झांसी पर कब्जा कर लिया. 1887 दक्षिण अफ्रीका में माजुबा पहाड़ियों में बोएर्स ने ब्रिटिश सैनिकों को शिकस्त दी. 1889 बर्मा ने रंगून से मांडले तक रेल लाइन यातायात के लिए खोली. 1900 ब्रिटेन में लेबर पार्टी का गठन हुआ. 1933 जर्मन संसद में आग लगी, जिसके लिए कम्युनिस्टों को दोषी करार दिया गया. 1939 ब्रिटेन और फ्रांस ने स्पेन सरकार को मान्यता प्रदान की. 1968 ब्रिटिश संसद ने अश्वेतों को आत्रजन पर रोक संबंधी विधेयक की मंजूरी दी. 1974 इथोपियाई मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दिया. 1976 एस्किमो नेताओं ने लगभग दस लाख वर्ग मील क्षेत्र पर दावा प्रस्तुत किया. 1986 स्वीडन के प्रधानमंत्री ओलोफ पाल्मे की स्टॉक होम में हत्या. 1986 फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति फडीनांड मार्कोस ने हवाई में निर्वासित जीवन बिताना प्रारंभ किया.

दैनिक पंचांग

27 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.14 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मेष	08.45 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	10.25 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.23 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.36 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.52 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	19.04 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.15 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.30 ब.से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	धनु	01.46 बजे से
		मकर	03.51 बजे से
		कुंभ	05.37 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 58 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 08.55 बजे तदनन्तर अमावस्या 06.15 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 15.44 बजे को समाप्त। **योग** शिव 23.41 बजे को समाप्त। **करण** शकुनि 08.55 बजे, चतुष्पद 19.38 बजे तदनन्तर नाग 06.15 बजे को समाप्त।

चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 08° 20'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872268
जूलियन दिन 2460733.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना शाबान **तारीख** 28
विशेष फाल्गुन अमावस्या।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

कम पूंजी में भी शुरू किया जा सकता है मोमबत्ती उत्पादन

मोमबत्ती उत्पादन एक क्रिएटिव काम है। एक अच्छा आर्टिस्ट अच्छा मोमबत्ती उत्पादक बन सकता है। मोमबत्ती उत्पादन में डिजाइन के साथ कलर कॉम्बिनेशन की समझ होना जरूरी है, पर इसकी मैन्युफैक्चरिंग को समझने के लिए ट्रेनिंग लेना जरूरी है। यह एक ऐसा घरेलू उद्योग है, जिसे कम पूंजी में भी शुरू किया जा सकता है।

कच्चा माल

आपको इस उद्योग को करने के लिए दो चीजों की आवश्यकता होती है जिन्हें हम कच्चा माल कहते हैं। पहली चीज है सूत और दूसरी चीज है मोम। सूत तो आपको कहीं भी मिल जायेगा और मोम आपको रिफायनरी से प्राप्त हो जायेगा। आप इन दोनों चीजों की सहायता से मोमबत्ती बनाने का काम कर सकते हैं। इसके अलावा जैल मोमबत्ती बनाने के लिए जैल, खुशबूदार मोमबत्ती के लिए कुछ खास तरह के परफ्यूम और इन्हें सजाने के लिए पत्थर, मोती, सितारे और थ्रेड, वैक्स पिघलाने के लिए बड़े बर्तन और चूल्हा और मोमबत्ती को विभिन्न आकारों में ढालने के लिए सांचों की जरूरत होती है।

प्रशिक्षण

मोमबत्ती उत्पादन (केंडल मेकिंग) में डिप्लोमा तीन महीने से एक साल की अवधि का होता है। प्रशिक्षण के दौरान मोम बनाना, ढांचे का चयन, लौह शीट में धागा डाल कर मोम ढालने का तरीका सिखाया जाता है। इसी कोर्स में डिजाइनर मोमबत्तियां बनानी सिखाई जाती हैं। इसमें मोमबत्ती निर्माण की कला का प्रशिक्षण दिया जाता है। सरकार की तरफ से व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत उद्यमियों को विभिन्न उद्योगों में सशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

मोमबत्ती बनाने के बाद

मोमबत्ती बनाने के बाद आप अपने निकट बाजार में दुकानों से संपर्क बनाइए और कुछ सस्ते में अपना माल, इन लोगों तक पहुंचाने का काम करें। मोमबत्ती बनाने का काम जितना आसान है उतना ही आसान इनको बेचना भी है। आप सिर्फ मोमबत्ती लेकर भी पास की बाजार में बैठ सकते हैं और लोगों को मोमबत्ती बेचकर धन कमा सकते हैं। या फिर सायकिल के द्वारा किसी व्यक्ति से गली-गली में बेच सकते हैं।

शुरुआती खर्च

मोमबत्ती उद्योग कुटीर उद्योग है, इसलिए इसे कम पूंजी में भी शुरू किया जा सकता है। आप दस हजार से एक लाख रुपये तक की पूंजी में इस व्यवसाय को शुरू कर सकते हैं।

सरकारी मदद

मोमबत्ती उत्पादन लघु उद्योग की श्रेणी में आता है। केंद्र और राज्य सरकारों का खादी ग्रामोद्योग इसे बढ़ावा देने के लिए नए-नए प्रोत्साहन और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाती रहता है। एक सर्वे के अनुसार भारत में मोमबत्ती का बाजार लगभग 8 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। नए उद्यमियों को सरकार हर तरह की सहायता देती है। महिलाओं, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति वर्ग से जुड़े लोगों को ऋण में 30 प्रतिशत तक छूट भी मिलती है।

लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट से करें करियर की ब्रांडिंग

ब्रांड मैनेजमेंट एक चुनौतीपूर्ण करियर फील्ड है, जिसमें रोजगार के अवसरों की कमी नहीं है। अगर आपके अंदर सौंदर्यबोध है तो लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट आपके लिए अच्छा करियर हो सकता है। भारत में जिस तरह से दिनोंदिन लग्जरी मार्केट विकसित हो रहा है, उसे देखते हुए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित रिटेल और सर्विस के प्रोफेशनल्स के लिए मौके ही मौके हैं।

आज का समय ऐसा है कि 'जो दिखता है, वही बिकता है'। ऐसे में सभी छोटी-बड़ी कंपनियां अपने प्रोडक्ट को आगे बढ़ाने की जुगत में लगी हैं। जम कर ब्रांडिंग कर रही हैं और इन कामों को बखूबी अंजाम देने का काम कर रहे हैं कंपनी के ब्रांड मैनेजर और ब्रांड मैनेजमेंट टीम। ब्रांडिंग के बढ़ते इस्तेमाल ने ब्रांड मैनेजमेंट को युवाओं के लिए एक बेहतर करियर विकल्प के रूप में उभारा है। इन्ही में से एक हैं पीजी डिप्लोमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट का कोर्स जिसे करने के बाद आपके लिए करियर के रास्ते खुल जाते हैं।

कोर्स का विवरण

पीजी डिप्लोमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट 16 महीनो का कोर्स है जो अभी-अभी ग्रेजुएट हुए स्टूडेंट्स और किसी भी फील्ड में काम कर चुके प्रोफेशनल्स, लग्जरी की फील्ड में अपने करियर को एक बेहतर रूप देना चाहते हैं उनके लिए है। इस कोर्स के दौरान 10 महीनो का एकेडमिक सेशन होता है, जिसमे एकेडमिक्स के साथ-साथ जॉब ट्रेनिंग भी दी जाती है। एकेडमिक सेशन के बाद स्टूडेंट्स को 6 महीनो की इंडस्ट्री में इंटर्नशिप प्रदान कराई जाती है।

योग्यता

इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र-छात्राओं का ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही स्टूडेंट की लग्जरी और मैनेजमेंट में दिलचस्पी भी होनी बेहद जरुरी होती है। इसके अलावा वो छात्र-छात्राएं जिनकी पर्सनालिटी और कम्यूहनिकेशन स्किल्स अच्छी है और अंग्रेजी में अच्छी पकड़ है, वो इस क्षेत्र में एक सफल तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। कोई एक विदेशी भाषा की जानकारी लाभदायक साबित हो सकती है पर यह अनिवार्य नहीं है।

अवसर

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स लग्जरी सेल्स एडवाइजर, विजुअल मर्चेंडाइजर, लग्जरी इवेंट प्लानर, ब्रांड हेड, ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं। फैशन और लग्जरी कंसल्टेंट या वार्डरोब मैनेजर के तौर पर भी काम पा सकते हैं ऐसा कहना है एलसीबीएस के फाउंडर एवं सीईओ अभय गुप्ता का।

कुछ हटकर

रिटेल में लग्जरी सेक्टर 20 फीसदी सालाना की दर से आगे बढ़ रही है। यह तेजी पिछले कई सालों से जारी है। 2028 तक इस क्षेत्र में लगभग 28 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। ऑटोमोबाइल्सल, ज्वैलर्स, घड़ियां, रियल एस्टेटट, वाइन, ट्रैवल एंड टूरिज्म में नए अवसर रोजगार के लिए वरदान साबित होगा। अभी इसमें सबसे बड़ी समस्या कुशल लोगों की है क्योंकि लग्जरी ब्रांड की सर्विस का अंदाज अलग होता है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एलसीबीएस के डायरेक्टर के मुताबिक, पोस्टस ग्रेजुएट डिप्लोएमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट अपनी तरह का अनूठा और बिलकुल नया कोर्स है, रिटेल की जरूरतें बढ़ रही हैं लेकिन इसमें कुशल लोगों की बेहद कमी है। यह एक शानदार रोजगार का क्षेत्र है जहां संभावनाओं की कमी नहीं है। मौजूदा विश्व परिवेश को देखकर पता चलता है कि आने वाले समय में इस सेक्टर में असीम रोजगार की संभावनाएं हैं। यह उन युवाओं के लिए एक सफल लांचिंग पैड है जिन्होंने अब तक कुछ न कुछ मिस कर दिया है।

वेतन

इस कोर्स के पूरा होने के बाद कॉलेज स्टूडेंट्स को अलग-अलग कंपनीयों में इंटर्नशिप के लिए भेजा जाता है जिसमें बतौर स्टाइपेंड 15 से 25 हजार रुपए मिलते हैं, कोर्स पूरा करते ही अगर आप जॉब के लिए जाते हैं तो शुरूआती सैलरी प्रति माह 40,000 रु. से 50,000 रु. के बीच हो सकता है। तजुर्बे के साथ-साथ सैलरी में इजाफा होता रहता है। इन नौकरियों में वेतन के अलावा कई तरह के इन्सेंटिव और अन्य सुविधाएं भी शामिल हो सकती हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन रिटेल स्कूहल, नई दिल्ली
- लग्जरी कनेक्ट बिजनेस स्कूईल, गुडगांव, हरियाणा
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट एंड स्टनडीज, मुंबई
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, पुणे
- बिमटेक, ग्रेटर नोएडा, उत्तरप्रदेश
- जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ऐंड रिसर्च ऐंड इंटरप्रेन्योरशिप, बेंगलुरु, कर्नाटक

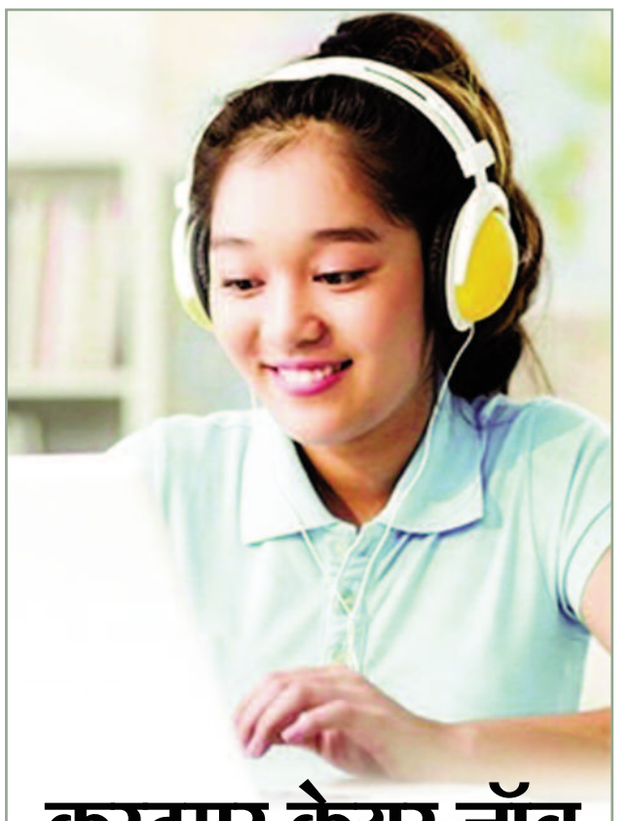

कस्टमर केयर जॉब की कमी नहीं

कस्टमर को समझना और उसकी डिमांड का रिस्पेक्ट कर उसे उत्पाद बेचना इतना आसान काम नहीं है। इसके लिए धैर्य और लगन की जरूरत होती है, साथ ही लगातार आगे बढ़ने के जज्बे की भी जरूरत होती है। वर्तमान में सेवा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी कस्टमर केयर का काफी ख्याल रखा जाता है। कस्टमर को किसी भी प्रकार की तकलीफ न हो और उनकी उत्पाद के बारे में क्या राय है आदि के बारे में काफी ध्यान रखा जाता है। इसके अलावा कंपनियाँ लगातार अपने उत्पादों में सुधार करने के लिए ग्राहकों से ही सर्वे के माध्यम से यह जानना चाहती है कि ग्राहक उत्पादों में क्या बदलाव चाहता है। इन सभी के लिए कस्टमर केयर के विशेषज्ञ की जरूरत होती है।

कस्टमर का रखा जाता है पूरा ध्यान

कस्टमर केयर अब केवल निजी क्षेत्र में नहीं, बल्कि सरकारी क्षेत्र में भी कस्टमर केयर का काफी ख्याल रखा जाता है। कई सरकारी संस्थान अपने यहाँ पर कस्टमर केयर अधिकारी की नियुक्ति करने लगे हैं, जो समय समय पर ग्राहकों से न केवल बातचीत करते हैं, बल्कि सर्वे आदि भी करते हैं। इन सर्वे के माध्यमों से वे अपनी संस्थानों को यह भी बताते हैं कि कहाँ पर गलती हो रही है और ग्राहकों को क्या पसंद है। विदेशी कंपनियाँ अपने साथ यह कल्चर लाई है, पर ऐसा भी नहीं है कि इसके पहले देश में कस्टमर केयर की बातें नहीं होती थीं।

इसमें है कई विकल्प

विदेशी कंपनियाँ अपने कस्टमर केयर अधिकारी को किसी भी तरह की समस्या आने पर समस्या को सुलझाने के बाद कस्टमर केयर अधिकारी को उस व्यक्ति के घर पर भेजती है और अधिकारी संपूर्ण बातचीत करने के बाद इस बात का निष्कर्ष निकालता है कि आखिर समस्या कहाँ पर है! कुल मिलाकर कस्टमर केयर का क्षेत्र काफी बड़ा है और इसमें कई तरह के विकल्प युवाओं के लिए मौजूद हैं। सर्विस सेक्टर में कस्टमर केयर को सबसे ज्यादा तरजीह दी जाती है। सर्विस सेक्टर काफी तेजी से बढ़ रहा है और इसमें कई कंपनियाँ अपने उपभोक्ताओं के बीच इस कारण प्रसिद्ध हैं, क्योंकि उनका कस्टमर केयर काफी अच्छा है।

बहुभाषी को है फायदा

बेहतरीन कम्युनिकेशन स्कील्ज और आकर्षक व्यक्तित्व होना पहली जरूरत होती है। अगर आप बहुभाषी हैं तो एयरलाइंस से लेकर पर्यटन के क्षेत्र में आपको काफी महत्व मिल सकता है। इस क्षेत्र में युवा साथी को समाधान खोजी और पहल करने वाला होना चाहिए। ग्राहक को यह लगना चाहिए कि हमारी बात सुनी जा रही है। उत्साह से लबरेज कस्टमर केयर अधिकारी अपनी शालीनता और बोलचाल के माध्यम से कस्टमर को संतोषजनक जवाब दे सकता है। इतना ही नहीं, उन्हें यह भी लगना चाहिए कि आप उनके हित की बात कर रहे हैं।

केवल कॉल सेंटर ही नहीं है कस्टमर केयर

कस्टमर केयर का मतलब केवल कॉल सेंटर से नहीं, बल्कि इसमें कई स्तर है, जिसमें आपको ग्राहकों से न केवल संवाद स्थापित करना है, बल्कि उनकी समस्याओं को सुनकर उचित मार्गदर्शन देकर समस्या को हल भी करना है। ग्राहक सेवा का पर्यटन से लेकर बैंकिंग क्षेत्र में ध्यान रखना पड़ता है। यह धैर्य और समझदारी भरा काम होता है, जिसमें ग्राहक की बातों को ध्यानपूर्वक सुनना शामिल है।

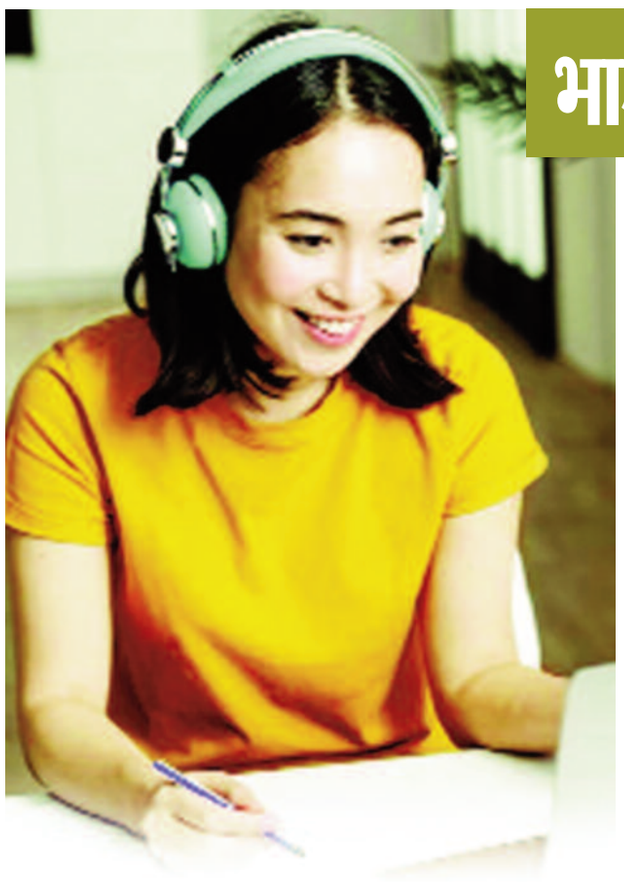

भाग्य से नहीं, परिश्रम से मिलती है सफलता

हम कभी यह न मानें कि कुछ लोग भाग्यशाली होते हैं इसलिए उन्हें सफलता मिलती है। सफलता तो लगातार परिश्रम का परिणाम है। बूंद-बूंद पानी से घड़ा भर जाता है और ग्लेशियरों से बर्फ पिघलकर बूंद-बूंद पानी इकट्ठा होकर बहने से विशाल नदियां प्रवाहमान हो उठती हैं।

प्राय- सफलता हमारे बहुत निकट होती है, लेकिन उसको देखने में चूक हो जाने के कारण ही हम असफल हो जाते हैं एक बार एक व्यक्ति ने जल्दी धनवान बनने के इरादे से एक ऐसी जमीन का टुकड़ा खरीदा, जिसमें हीरों के भंडार होने की पूरी संभावना थी। जमीन खरीदने के बाद उसने वहां पर खुदाई का काम प्रारंभ कर दिया। वह महीनों तक दिन-रात खुदाई के काम में लगा रहा, लेकिन उसे कहीं भी हीरों का नामो-निशान नहीं दिखलाई पड़ा। वह निराश हो गया और उसने फैसला किया कि वह यहां और अधिक समय व साधन नष्ट नहीं करेगा। उसने अपना काम समेटकर उस जमीन को कौडियों के दाम बेच दिया और अन्यत्र हीरे की खानों की खोज के लिए निकल पड़ा। वह जमीन खरीदता और उसमें खुदाई करवाता लेकिन हीरे न मिलने पर उस जमीन को सस्ते-मंदे में बेचकर आगे का रास्ता लेता। उसने कहां-कहां नहीं अपने भाग्य को आजमाया, लेकिन वह जहां भी गया असफलता ही उसके हाथ लगी और अंत में एक दिन समुद्र में डूबकर मर गया। इस दौरान जिस व्यक्ति ने उसकी पहली जमीन खरीदी थी, उसने जहां पर पहले वाले व्यक्ति ने खुदाई छोड़ी थी वहीं से दोबारा खुदाई प्रारंभ करवा दी। उसे जल्दी ही काफी बड़े भाग में हीरों वाली सतह मिल गई।

प्रश्न उठता है कि पहले वाले व्यक्ति को काफी दिनों तक लगातार खुदाई करने के बावजूद हीरों वाली सतह क्यों नहीं मिली जबकि बाद वाले व्यक्ति को जल्दी ही हीरों वाली सतह मिल गई। उत्तर स्पष्ट है कि पहले वाले व्यक्ति ने निराश होकर जमीन की खुदाई करना बंद कर दिया था जबकि हीरों की सतह उस जगह से केवल तीन इंच नीचे उपस्थित थी। ऐसा कोई संकेत भी नहीं था कि अब हीरे नहीं मिलेंगे इसलिए खुदाई बंद करने का कोई औचित्य भी नहीं था। अगर वह काम करना बंद नहीं करता, तो उसे बहुत जल्दी ही हीरों की सतह मिल जाती और उसे पूरी दुनिया में भटकना व समुद्र में डूबकर मरना नहीं पड़ता। जहां तक दूसरे व्यक्ति की सफलता का प्रश्न है वह एक समझदार व्यक्ति था और समझदार व्यक्ति के लिए यह अनुमान लगाना कठिन नहीं था कि अब तक की खुदाई में हीरों की सतह नहीं मिल पाई है तो थोड़ा और खोदने पर वह जरूर मिल जाएगी। हीरे तो इसी जमीन में हैं अत- उसने जहां पर पहले वाले व्यक्ति ने खुदाई छोड़ दी थी, वहीं से दोबारा खुदाई प्रारंभ करवा दी और उसे जल्दी ही काफी बड़े भाग में हीरों वाली सतह मिल गई। पहले व्यक्ति ने अपने अविश्वास व निराशा के कारण कार्य करना छोड़ दिया। उसने जिस बिंदु पर कार्य करना छोड़ा वहां सफलता उसके एकदम करीब थी। यदि वह थोड़ा सा और प्रयास करता तो उसका जीवन ही बदल जाता। हमारे साथ भी तो प्राय- ऐसा ही होता है। हम कार्य करते-करते एकदम ऊब उठते हैं और कह देते हैं कि बस अब और नहीं। हम प्राय- उस समय हथियार डाल देते हैं जब सफलता हमारे बहुत करीब होती है। अब इस स्थिति से बचने का क्या उपाय है?

जब तक पूर्ण रूप से सफलता नहीं मिल जाती, तब तक न तो प्रयास करना ही छोड़ें और न विश्वास ही कमजोर पडने दें। जीवन का कोई भी क्षेत्र क्यों न हो, हमें अपने संघर्ष को बीच में कदापि नहीं छोडना चाहिए। हम निरंतर प्रयास करते रहें इसके लिए हमें अपने अंदर धैर्य विकसित करने का प्रयास करते रहना चाहिए। बस अब और नहीं कहना है तो अपने अविश्वास, भाग्यवादिता, अकर्मण्यता व अपने कमजोर इरादों को कहिए कि बस अब और नहीं। निरंतर अभ्यास करने से न जाने कितने जड़मति व्यक्ति महान विद्वान बन गए। एक तथ्य और बहुत महत्वपूर्ण है और वह यह कि यदि दुनिया में कोई भी व्यक्ति सफल हो सकता है तो हम भी हो सकते हैं। हम इस विश्वास के साथ कार्य करें कि हमें भी अवश्य ही सफलता मिलेगी। कई बार सफलता मिलने में जो थोड़ी सी देर या तीन इंच की दूरी होती है उसी को पार करने पर ही सफलता मिल सकती है अत- घबराकर या निराश होकर काम बीच में छोडक़र भागने से पहले इस तथ्य पर विचार अवश्य कर लें कि कहीं मैं उसी बिंदु पर तो नहीं हूं, जहां अगले ही कदम पर सफलता स्वागत करने को तैयार बैठी है। यही वास्तविकता है अत- छोडने से पहले एक अंतिम प्रयास अवश्य करें। यह अंतिम प्रयास तब तक करते रहें जब तक पूर्ण सफलता नहीं मिल जाती। हम कभी यह न मानें कि कुछ लोग भाग्यशाली होते हैं इसलिए उन्हें सफलता मिलती है। सफलता तो परिश्रम व लगातार परिश्रम का परिणाम है। बूंद-बूंद पानी से घड़ा भर जाता है और ग्लेशियरों से बर्फ पिघलकर बूंद-बूंद पानी इकट्ठा होकर बहने से विशाल नदियां प्रवाहमान हो उठती हैं।

ईओडब्ल्यू का खुलासा: न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक की तिजोरी की क्षमता 10 करोड़

रजिस्टर में दिखाए गए 122 करोड़

मुंबई एजेंसी। न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक में 122 करोड़ रुपये के गबन मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। बताया गया कि बैंक की प्रभादेवी शाखा में एक बार में 10 करोड़ रुपये रखने की क्षमता थी, लेकिन हैंडबुक में दर्ज प्रविष्टियों के मुताबिक आरबीआई के निरीक्षण के दिन तिजोरी में 122.028 करोड़ रुपये थे। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने यह खुलासा किया है। दरअसल, ईओडब्ल्यू बैंक में 122 करोड़ रुपये के गबन की जांच कर रही है। मामले में अब तक बैंक के दो पूर्व शीर्ष अधिकारियों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दरअसल, एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की निरीक्षण टीम ने 11 फरवरी को प्रभादेवी स्थित बैंक की कॉरपोरेट ऑफिस शाखा का दौरा किया था। यहां उन्हें तिजोरी से 122 करोड़ रुपये की नकदी गायब मिली। उन्होंने बताया कि

कॉरपोरेट ऑफिस शाखा की बैलेंस शीट में प्रभादेवी और गोरेगांव शाखाओं में बैंक की तिजोरी में 133.41 करोड़ रुपये दिखाए गए थे, जबकि उस दिन प्रभादेवी शाखा की बैलेंस शीट में 122.028 रुपये दर्ज थे। जांच के दौरान ईओडब्ल्यू ने पाया कि कॉरपोरेट ऑफिस में नकदी रखने की तिजोरी की क्षमता केवल 10 करोड़ रुपये थी, जबकि उन्हें वास्तव में तिजोरी में 60 लाख रुपये मिले।

अधिकारी के मुताबिक, आरबीआई के निरीक्षण के दिन गोरेगांव शाखा की तिजोरी में उन्हें 10.53 करोड़ रुपये की नकदी मिली। गोरेगांव शाखा की तिजोरी में भी 10 करोड़ रुपये रखने की क्षमता थी। उन्होंने कहा कि ईओडब्ल्यू अब इस बात की जांच कर रही है कि बैंक के वित्तीय रिकॉर्ड की जांच करने वाले ऑडिटरों ने बैंक से गायब नकदी के बारे में सवाल क्यों नहीं किए और कार्रवाई के लिए मामले को आगे क्यों नहीं बढ़ाया।

क्या है मामला?

मुंबई पुलिस ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के महाप्रबंधक, लेखा प्रमुख और उनके सहयोगियों के खिलाफ 122 करोड़ रुपये के गबन का मामला दर्ज किया था। मामले को आगे की जांच के लिए शहर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंप दिया गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया था, बैंक के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवर्षि घोष ने 14 फरवरी को मध्य मुंबई के दादर पुलिस थाने में जाकर पैसे के दुरुपयोग की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार उन्होंने बताया, बैंक के महाप्रबंधक और लेखा प्रमुख हितेश मेहता ने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर साजिश रची। बैंक के प्रभादेवी और गोरेगांव कार्यालयों की तिजोरियों में रखे धन से 122 करोड़ रुपये का गबन किया।

हाउस जीओपी ने ट्रंप की योजना के लिए बड़ा बजट किया पास, स्पीकर माइक जॉनसन को करनी पड़ी कड़ी मशक्कत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन से हाउस रिपब्लिकन ने मंगलवार को 4.5 ट्रिलियन डॉलर के टैक्स कट और 2 ट्रिलियन डॉलर की सरकारी खर्च में कटौती वाले जीओपी बजट को पास कर दिया है। हालांकि कुछ डेमोक्रेट्स ने इसका कड़ा विरोध किया और कुछ रिपब्लिकन भी इसे लेकर असमंजस की स्थिति में थे।

हाउस स्पीकर माइक जॉनसन को जीओपी बहुमत के साथ इसे पास कराने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। वोटिंग बेहद नजदीकी रही - 217 पक्ष में और 215 विपक्ष में। सभी डेमोक्रेट्स ने इसका विरोध किया। इस प्रस्ताव के तहत ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में दिए गए टैक्स कट को आगे बढ़ाना चाहते हैं, जबकि सरकार के कई विभागों और सामाजिक योजनाओं में भारी कटौती की जाएगी। हालांकि, यह अभी सिर्फ पहला कदम है। सीनेट को अब इस पर काम करना होगा और अंतिम रूप देने में कई हफ्ते लग सकते हैं।

कटौती से जनता नाराज- टैक्स छूट के बदले स्वास्थ्य सेवाओं, खाद्य सहायता (फूड स्टैम्प), और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं में कटौती की जा रही है, जिससे लोगों में गुस्सा है। डेमोक्रेट नेता हकीम जेफ्रीज ने इसे अमेरिका के लिए धोखा बताया। हालांकि जीओपी नेताओं ने कहा कि मेडीकेड (स्वास्थ्य सेवा) पर सीधा असर नहीं होगा, फिर भी कई सांसद चिंतित हैं। न्यूयॉर्क से रिपब्लिकन सांसद माइक लॉरलर ने कहा कि ट्रंप ने वादा किया है कि मेडीकेड में कटौती नहीं होगी।

बजट घाटा बढ़ने की चिंता- रिपब्लिकन के ही कुछ सांसद चिंतित हैं कि यह बजट देश के 36 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज को और बढ़ा देगा। वहीं टैक्स कट की लागत 4.5 ट्रिलियन डॉलर है, जबकि सरकारी खर्च में केवल 2 ट्रिलियन डॉलर की कटौती हो रही है।

असम में निवेश करेगा टाटा समूह-चंद्रशेखरन

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा समूह अगले कुछ वर्षों में असम में एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकाई में निवेश करेगी और हरित ऊर्जा क्षेत्र में राज्य सरकार के साथ सहयोग करेगी। समूह के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने मंगलवार यह घोषणा की।

एडवांटेज असम बिजनेस शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर बोलते हुए चंद्रशेखरन ने कहा, टाटा समूह का असम के साथ पुराना और महत्वपूर्ण संबंध है। उन्होंने जागीरोड में स्थापित होने वाली 27,000 करोड़ रुपये की

सेमीकंडक्टर इकाई को राज्य में अब तक का सबसे महत्वपूर्ण निवेश बताया। उन्होंने कहा, राज्य के प्रति समूह की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, वह जल्द ही एक अन्य बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकाई में निवेश करेगा। चंद्रशेखरन ने कहा कि समूह हरित ऊर्जा क्षेत्र में राज्य सरकार के साथ साझेदारी करेगा और सौर व अन्य नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में निवेश करने की प्रतिबद्धता जताएगा।

चिटफंड घोटाला

पीड़ितों को पैसा लौटाएगी सरकार, ईडी ने जब्त की 3339 करोड़ की संपत्तियां

नईदिल्ली, एजेंसी। एग्री गोल्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज की पोंजी योजनाओं में अपनी गाढ़ी कमाई गंवाने वाले पीड़ितों के लिए राहत की खबर है। सरकार उन्हें उनकी रकम लौटाएगी। इसके लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एग्री गोल्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज की 3,339 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। इन संपत्तियों का बाजार मूल्य 6,000 करोड़ रुपये से अधिक बताया जा रहा है। इससे साफ है कि जितनी राशि का चिटफंड घोटाला था, करीब उतनी राशि की संपत्ति ईडी ने जब्त

कर ली है। इस कार्रवाई से करीब 32 लाख पीड़ितों को राहत मिलने की उम्मीद है। ईडी के मुताबिक, मामले में आरोपियों ने आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र व तमिलनाडु सहित नौ राज्यों में 6,380 करोड़ रुपये के चिटफंड घोटाले को अंजाम दिया था। इसमें लोगों को निवेश के बदले कई गुना अधिक रकम देने का झांसा देकर फंसाया जा रहा था।

150 शैल कंपनियों के जरिये करोड़ों का लेनदेन- ईडी का कहना है, चिटफंड घोटाले में एग्री गोल्ड ग्रुप के अवva वेंकट रामा राव के परिवार के कई सदस्यों की भूमिका संदिग्ध है। शुरुआती जांच में उसके सातों भाइयों के नाम घोटाले से जुड़ रहे थे। जांच में पता चला है कि एग्री गोल्ड ग्रुप ने चिटफंड घोटाले को अंजाम देने से पहले करीब 150 से ज्यादा शैल कंपनियां बनाईं और उनके जरिये करोड़ों रुपये का लेनदेन किया।

सप्ताह में 70-90 घंटे काम को सीईओ अश्विन यार्डी ने कर दिया खारिज

नईदिल्ली, एजेंसी। कैपजेमिनी इंडिया के सीईओ अश्विन यार्डी ने भारतीय कर्मचारियों के लिए काम के घंटों पर बहस में शामिल होते हुए 70-90 घंटे के कार्य सप्ताह के विचार को खारिज कर दिया है। उन्होंने इस मुद्दे पर एक संतुलित और मानवीय दृष्टिकोण अपनाया है।भारत में सप्ताह में 47.5 घंटे काम करने की वकालत करते हुए, कैपजेमिनी सीईओ ने कहा कि वह वीकेंड पर कर्मचारियों को ईमेल भेजने के खिलाफ हैं। वह मुंबई में नैसकॉम टेक्नोलॉजी एंड लीडरशिप फोरम में बोल रहे थे।

लाइव मिंट की खबर के मुताबिक जब उनसे पूछा गया कि भारतीय कर्मचारियों के लिए काम के आदर्श घंटे क्या होने चाहिए, तो अश्विन यार्डी ने कहा, साढ़े सैंतालीस घंटे। हमारे पास एक दिन में नौ घंटे और सप्ताह में पांच दिन होते हैं।

वीकेंड पर ईमेल न भेजें

उन्होंने आगे कहा, पिछले चार सालों से मेरा मार्गदर्शक सिद्धांत है कि वीकेंड पर ईमेल न भेजें, भले ही कोई जरूरी मामला हो, जब तक कि आप उसे वीकेंड पर हल कर सकें।

अश्विन यार्डी ने यह भी माना कि कभी-कभी वह वीकेंड पर काम करते हैं, लेकिन वह कर्मचारियों को ईमेल भेजने से बचते हैं, क्योंकि सिर्फ कर्मचारियों को परेशान करने का कोई मतलब नहीं है, जब यह पता हो कि काम वीकेंड पर नहीं हो सकता।

घंटों से ज्यादा मायने रखते हैं काम के रिजल्ट- इसी कार्यक्रम में, नैसकॉम की चेयरपर्सन सिंधु गंगाधरन, जो एसएपी इंडिया की भी प्रमुख हैं, ने जोर देकर कहा कि काम के रिजल्ट, घंटों से ज्यादा मायने रखते हैं। मैरिको के सीईओ सौगत गुप्ता ने भी इस विचार का समर्थन किया और कहा कि वह कभी-कभी रात 11 बजे ईमेल भेजते हैं।

नारायण मूर्ति ने 70 घंटे काम की वकालत की थी- कैपजेमिनी सीईओ के ये बयान ऐसे समय में आए हैं, जब इंफोसिस के सह-संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति ने 70 घंटे के कार्य सप्ताह की वकालत की थी, वहीं एलएंडटी के चेयरमैन एसएन सुब्रमण्यन ने 90 घंटे के कार्य सप्ताह का आह्वान किया था, जिसने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था।

रविवार को भी काम पर बुलाना चाहते हैं एलएंडटी के चेयरमैन

एलएंडटी के चेयरमैन एसएन सुब्रमण्यन ने हाल ही में कर्मचारियों के साथ एक बातचीत में कहा कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि वे अपने कर्मचारियों को रविवार को काम पर नहीं लगा पाते। उन्होंने कहा, मुझे अफसोस है कि मैं आपको रविवार को काम पर नहीं लगा पाता। उन्होंने आगे कहा, घर पर बैठकर क्या करते हो? कब तक अपनी पत्नी को घूरते रहोगे और कब तक पत्नी अपने पति को घूरती रहेगी।

रियल एस्टेट: दिसंबर तिमाही में औसतन 10 फीसदी बढ़े घरों के दाम, दिल्ली-एनसीआर में सर्वाधिक 31 फीसदी की वृद्धि

नईदिल्ली, एजेंसी। मजबूत मांग और कच्चे माल की उच्च लागत के कारण देश के आठ प्रमुख शहरों में दिसंबर, 2024 तिमाही में घरों के दाम सालाना आधार पर औसतन 10 फीसदी बढ़े हैं। दिल्ली-एनसीआर में कीमतें सबसे ज्यादा 31 फीसदी बढ़ी हैं। रियल एस्टेट निकाय क्रेडाई, सलाहकार फर्म कोलियर्स और डाटा विश्लेषक लियासेस फोरास की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि दिलचस्प बात है कि 2021 से शुरू होकर लगातार 16वीं तिमाही में मकानों की औसत कीमतें बढ़ रही हैं। क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोमन ईरानी ने कहा, आवासीय कीमतों में निरंतर वृद्धि खरीदारों के बीच मजबूत आत्मविश्वास को दर्शाती है। हालांकि, निर्माण और भूमि अधिग्रहण की बढ़ती लागत मूल्य निर्धारण पर दबाव बना रही है।

कर्ज दरें घटने से बिक्री में उछाल संभव- कोलियर्स इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बादल याग्निक ने कहा, आरबीआई के रेपो दर में कटौती के बाद से होम लोन की ब्याज दरों और कमी की गुंजाइश है।इससे अधिकतर शहरों में सभी श्रेणियों में आवासीय बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। 2025 में औसत आवासीय कीमतें सालाना आधार पर संभावित रूप से समान स्तर पर बढ़ सकती हैं।

टूटकर करीब आधा हो गया टाटा मोटर्स का शेयर, निवेशकों के 2 लाख करोड़ स्वाहा

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स के शेयरों का इस साल अब तक बेहद खराब परफॉर्मेंस रहा है। कंपनी के शेयर सबसे खराब परफॉर्मेंस करने वाले निफ्टी 50 स्टॉक के रूप में उभरा है, इसके शेयर जुलाई 2024 में 1,179 रुपये के अपने उच्चतम स्तर से 44 प्रतिशत गिरकर वर्तमान में 661.75 रुपये पर आ गए हैं। इससे कंपनी के मार्केट कैप में 1.9 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। शेयरों में यह गिरावट चीन और ब्रिटेन जैसे प्रमुख बाजारों में जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) की कमजोर मांग के साथ-साथ यूरोपीय निर्मित कारों पर संभावित अमेरिकी आयात शुल्क पर चिंताओं के कारण है।

क्या है अन्य डिटेल- प्रमुख बाजारों में जेएलआर की कमजोर मांग और एम एंड एचसीवी और ईवी सेगमेंट में घरेलू बिक्री संबंधी चिंताओं के कारण टाटा मोटर्स के शेयरों में 44 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, कंपनी को अल्पकालिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन एनालिस्ट में 930-935 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ सुधार की संभावना दिख रही है।

दिसंबर तिमाही के नतीजे- घरेलू वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 22 प्रतिशत घटकर 5,578 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने हाल ही में अक्टूबर-दिसंबर, 2024 तिमाही के नतीजे की सूचना दी थी। उसने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 7,145 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ अर्जित किया था। टाटा समूह की कंपनी ने कहा कि

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसकी परिचालन आय 1,13,575 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,10,577 करोड़ रुपये थी।

बिक रही अनिल अंबानी की कर्ज में डूबी कंपनी रिलायंस कैपिटल

नईदिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की एक कंपनी के लिए 26 फरवरी बेहद अहम है। कर्ज में डूबी कंपनी रिलायंस कैपिटल को खरीदार मिल गया है और आज इसका अधिग्रहण कर लिया जाएगा। बता दें कि हाल ही में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनलीएलटी) ने कर्ज में डूबी कंपनी रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण करने के आईआईएचएल के अनुरोध को स्वीकार कर लिया था। इसके साथ ही इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) के 26 फरवरी तक रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण करने का रास्ता साफ हो गया है।

सूत्रों ने कहा कि एनसीएलटी के समक्ष मामले की सुनवाई के दौरान आईआईएचएल ने सभी निश्चित दस्तावेज जमा करने और रिलायंस कैपिटल की समाधान योजना के कार्यान्वयन की दिशा में वित्तीय समापन मिलने की पुष्टि की। एनसीएलटी ने इसके पहले दिन में सुनवाई के दौरान 26 फरवरी, 2025 तक समापन हासिल करने के लिए आईआईएचएल की याचिका को स्वीकार कर लिया था। मामले की अगली सुनवाई 26 फरवरी को निर्धारित की गई। उस दिन अनुमोदित समाधान योजना के अंतिम समापन और रिलायंस कैपिटल एवं इसकी अनुषंगियों का नियंत्रण आईआईएचएल को सौंपने पर चर्चा होगी। सूत्रों ने बताया कि रिलायंस कैपिटल के प्रशासक मंगलवार को निगरानी समिति की बैठक बुलाने वाले हैं, ताकि वित्तपोषण के लिए दस्तावेजों को निष्पादित किया जा सके और लक्षित समापन तिथि तक धन की निकासी शुरू

की जा सके। सूत्रों के मुताबिक, हिंदुजा समूह की कंपनी आईआईएचएल के ऋणदाताओं ने आश्वस्त किया है कि वे रिलायंस कैपिटल लिमिटेड (आरसीएल) के लेनदारों को समाधान योजना मूल्य के कुल 9,861 करोड़ रुपये का भुगतान पूरा करने के लिए जरूरी 4,300 करोड़ रुपये की शेष राशि निकालने के लिए तैयार हैं। आईआईएचएल ने पहले ही विभिन्न एस्क्रो खातों में समाधान योजना मूल्य की 58 प्रतिशत से अधिक राशि जमा की हुई है।

क्या है मामला- आईआईएचएल अप्रैल, 2023 में संकटग्रस्त वित्तीय सेवा फर्म का अधिग्रहण करने के लिए सफल समाधान आवेदक के रूप में उभरी थी। उसने अप्रैल, 2023 में 9,650 करोड़ रुपये की बोली जीती थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने नवंबर, 2021 में अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनी आरसीएल के निदेशक मंडल को निलंबित कर नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त किया था।

घाटे वाली कंपनी को हो गया 25 करोड़ का मुनाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की बजट एयरलाइन प्लायर स्पाइसजेट पॉजिटिव सेक्टर में लौट आई। कंपनी ने अपने दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। दिसंबर तिमाही में स्पाइसजेट को 25 करोड़ का मुनाफा हुआ। 26 फरवरी को एक एक्सचेंज फाइलिंग में, एविएशन प्लेयर ने कहा कि क्यू3 एफवाय25 के लिए उसका स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ 25 करोड़ रहा, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही में 301.5 करोड़ का घाटा हुआ था। सितंबर तिमाही के लिए, कंपनी ने 441.7 करोड़ का घाटा दर्ज किया था। बता दें कि नकदी संकट से जूझ रही एयरलाइन ने 25 फरवरी को देर रात समाप्त हुई बोर्ड बैठक के बाद एक साथ दो तिमाहियों की कमाई की घोषणा की।

कम हुआ है रेवेन्यू- दिसंबर तिमाही में परिचालन से राजस्व साल दर साल 35 प्रतिशत कम होकर 1,140.7 करोड़ हो गया, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 1,756.6 करोड़ था। क्यू3 एफवाय25 में, परिचालन से कंपनी का राजस्व 817.1 करोड़ था। गुरुग्राम स्थित एयरलाइन ने 2023-24 की तीसरी तिमाही में 300 करोड़ रुपये का नेट घाटा और एफवाय24 की दूसरी तिमाही में 431.54 करोड़ रुपये का नेट घाटा दर्ज किया था। राजस्व में गिरावट दो तिमाही के दौरान घरेलू यात्रा में तेज बढ़ोतरी के बावजूद थी, क्योंकि भारत में घरेलू यात्रा की मांग पिछली आठ तिमाहियों से लगातार बढ़ रही है।

शेयरों के हाल- स्पाइसजेट के शेयर बीते मंगलवार को 47.97 रुपये पर बंद हुए थे। इसमें 3 प्रतिशत तक की तेजी थी। पिछले पांच दिन में कंपनी के शेयर में 10 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई है। आज बुधवार को महाशिवरात्रि के मौके पर शेयर बाजार बंद है। बता दें कि कंपनी के शेयर इस साल अब तक 15 प्रतिशत तक टूट गया है। छह महीने में इसमें 30 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। हालांकि, महीनेभर में इसमें 10 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई।

बुमराह ने सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी सम्मान पर कहा, मैंने अपने बचपन के नायकों को यह पुरस्कार जीतते देखा है

दुबई, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, जिन्होंने दुबई में अपने आईसीसी पुरस्कार और टीम ऑफ द ईयर कैप प्राप्त करके एक शानदार 2024 का समापन किया, ने सभी प्रारूपों में भारत के लिए अपने ऐतिहासिक प्रदर्शन और आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी जीतने के बारे में बात की है और कहा है कि वह सम्मान हासिल करना अवास्तविक लगता है जो कभी उनके बचपन के नायकों ने जीता था। बुमराह को आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर, आईसीसी पुरुष टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर नामित किया गया और उन्हें आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम ऑफ द ईयर और आईसीसी टी20आई टीम ऑफ द ईयर में शामिल किया गया। 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत के बहुप्रतीक्षित चैंपियंस ट्रॉफी मैच से पहले अपना आईसीसी सम्मान प्राप्त किया। आईसीसी ने आईसीसी पुरस्कार प्राप्त करने के बाद बुमराह के हवाले से कहा, यह वास्तव में अच्छा लगता है। बचपन में मैंने अपने कुछ नायकों को यह (सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी) पुरस्कार जीतते देखा था। ऐसा सम्मान मिलना हमेशा सौभाग्य की बात होती है।

2024 में, बुमराह टेस्ट में विकेट लेने वाले चार्ट में शीर्ष पर रहे और वेस्टइंडीज और यूएसए में पुरुषों के टी20 विश्व कप में शानदार अभियान के साथ भारत को 11 वर्षों में अपना पहला आईसीसी खिताब दिलाया। सबसे लंबे प्रारूप में गेंद से दबदबे वाले इस साल में इस तेज गेंदबाज ने सिर्फ 14.92 की शानदार औसत से 71 विकेट लिए - जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ रिटर्न है और उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी से 19 अधिक है। दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और बांग्लादेश के खिलाफ सनसनीखेज स्पैल के साथ भारत के गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते हुए, बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में एक आकर्षक बॉर्डर-गावस्कर

श्रृंखला में शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में समाप्त करके एक शानदार वर्ष का समापन किया। बुमराह का असाधारण प्रदर्शन टेस्ट से आगे बढ़कर भारत के विजयी पुरुष टी20 विश्व कप अभियान तक भी बढ़ा, जिसमें उन्होंने सिर्फ 8.26 की औसत से 15 विकेट लिए और समान रूप से प्रभावशाली इकॉनमी रेट सिर्फ 4.17 निकाला। बीते साल को याद करते हुए बुमराह ने कहा, हमने जो टी20 विश्व कप जीता, वह हमेशा खास रहेगा और मेरे दिमाग में रहेगा। जाहिर है, इस साल मेरे दिमाग में बहुत कुछ सीखने को भी मिला। हमने काफी टेस्ट क्रिकेट खेला; हमें कई अलग-अलग अनुभव मिले, इसलिए हां, मैं बहुत खुश हूं, और उम्मीद है कि आगे बेहतर चीजें होंगी। जबकि बुमराह इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर लगी पीठ की चोट के कारण भारत की चैंपियंस ट्रॉफी टीम से बाहर हो गए थे, इस तेज गेंदबाज ने अपने हमवतन तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी पर खुलकर बात की, जिन्होंने लंबे समय से चोट से वापसी की और बांग्लादेश के खिलाफ भारत की शुरुआती जीत में पांच विकेट लेकर स्टार बने। बुमराह ने कहा, मैं उनके लिए वाकई बहुत खुश हूं। जाहिर है कि वह इतने लंबे समय से चोट से जूझ रहे हैं। इससे काफी नुकसान होता है। लेकिन वह बहुत खुश और बहुत सकारात्मक हैं। अच्छा लग रहा है; उनके पास कौशल है, जाहिर है; यह कभी खत्म नहीं होगा। वह जितना अधिक खेलेंगे, उनका आत्मविश्वास उतना ही बढ़ेगा, और उम्मीद है कि वह टीम को आगे बढ़ने में मदद करेंगे।

मैं केकेआर की कप्तानी के लिए निश्चित रूप से तैयार हूं : वेंकटेश अय्यर

कोलकाता, एजेंसी। वेंकटेश अय्यर को अगर मौका मिलता है, तो वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की कप्तानी करने के लिए निश्चित रूप से तैयार हैं। हालांकि अय्यर (30) ने कभी भी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में कप्तानी नहीं की है। रिटेन ना करने के बाद केकेआर ने बड़ी नीलामी में अय्यर को 23.75 करोड़ रूपये के बड़े मूल्य पर खरीदा था। वह अजिंक्य रहाणे के साथ केकेआर की कप्तानी के प्रबल दावेदार हैं। पिछले साल केकेआर को खिताब जिताने के बाद श्रेयस अय्यर अब पंजाब किंग्स की तरफ जा चुके हैं। तब से केकेआर के कप्तान की जगह खाली है। बात करते हुए अय्यर ने कहा, मैंने हमेशा यह कहा है कि कप्तानी बस एक पद है, मैं लीडरशिप पर भरोसा करता हूं। यह एक बड़ी भूमिका है। कई बार कप्तानी ना होते हुए भी आप ड्रेसिंग रूम के लीडर हो सकते हैं। आपको इसके लिए उदाहरण सेट करने पड़ते हैं। आपको मैदान और मैदान से बाहर एक अच्छा रोलमॉडल बनना पड़ता है। उन्होंने आगे कहा, मध्य प्रदेश की टीम का मैं कप्तान नहीं हूं, लेकिन मैं वहां यही कर रहा हूं। वहां मेरी राय को सराहा जाता है। मैं हमेशा से ऐसा व्यक्ति ही बनना चाहता हूं। अगर कप्तानी मेरे पास आती है, मैं निश्चित रूप से उसे निभाऊंगा। ऐसा कोई कारण नहीं है कि मैं इस भूमिका को ना स्वीकारूं। अय्यर ने 2021 में आईपीएल डेब्यू किया था और तब से वह शीर्ष से निचले क्रम तक खेलते हुए उनके लिए 137 के स्ट्राइक रेट से 51 मैचों में 1326 रन बना चुके हैं।

दुबई ओपन

दुबई ओपन के पहले दौर के मुकाबले में हारे रुबलेव, तीन दिन पहले जीता था कतर ओपन

दुबई, एजेंसी। विश्व में 77वीं रैंकिंग के खिलाड़ी हेलिस की शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ यह पहली जीत है। उनका अगला मुकाबला रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट से होगा। रूस के तीसरी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव कतर ओपन खिताब के तीन दिन बाद दुबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में क्वालीफायर क्रेंटिन हेलिस से 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हारकर बाहर हो गए। विश्व में 77वीं रैंकिंग के खिलाड़ी हेलिस की शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ यह पहली जीत है। उनका अगला मुकाबला रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट से होगा। एक अन्य मैच में शीर्ष वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-4, 7-6 (4) से हराया। उनका अगला मुकाबला जियोवानी एमपेत्शी पेरिकार्ड से होगा। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर 2014 के अमेरिकी ओपन चैंपियन मारिन सिलिच से 6-2, 3-6, 6-3 से हार गए। नूनो बोर्जेस ने आठवीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को 6-2, 6-1 से हराया। दूसरे दौर में पहुंचने वाले अन्य खिलाड़ियों में पांचवीं वरीयता प्राप्त उगो हम्बर्ट, माटेओ बेरेटिनी, फेलिक्स ऑगर अलियासिमे और क्वालीफायर क्रिस्टोफर ओकोनेल शामिल हैं।

मेरे अंदर अब भी वह भूख है कि मैं और बेहतर कर सकती हूं: सिंधू

मुंबई, एजेंसी। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने मंगलवार को खिलाड़ियों के लिए कड़ी मेहनत और निराशाओं से जल्दी आगे बढ़ने पर जोर दिया और साथ ही कहा कि उनमें अब भी उच्चतम स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की भूख है। सिंधू ने कहा कि भले ही निराशा और थकान के कई दिन हों लेकिन एक खिलाड़ी को अनुशासन नहीं खोना चाहिए क्योंकि कोई नहीं जानता कि मैदान पर यह कब उसके काम आ जाए। सिंधू ने मंगलवार को कहा कि आपको यह उम्मीद रखनी चाहिए कि आपको वहां टिके रहना है और आपको इसे हर एक दिन करते रहना है और यह एक दिन सामने आएगा। उन्होंने कहा कि लोग कह सकते हैं कि आपके पास सब कुछ है, आपको और क्या चाहिए? लेकिन मुझे लगता है कि खेल के प्रति जुनून और मेरे अंदर अब भी वह भूख है कि हां, मैं और बेहतर कर सकती हूं। सिंधू ने कहा कि ये जीत मुझे बहुत आत्मविश्वास देती हैं और अगले स्तर पर जाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं इसलिए मैं कहती हूं कि हर दिन एक नया दिन है और हर दिन एक प्रक्रिया है। भले ही कुछ बुरे दिन हों लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि आप उन्हें जाने दें तथा और भी अधिक मजबूत होकर वापस आएं। सिंधू ने कहा कि ट्रेनिंग की कठोरता, निराशा के साथ-साथ सफलता का सामना करना एक सतत प्रक्रिया है और एक खिलाड़ी को इससे जुड़े रहना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के दो सबसे बड़े स्टार मुसीबत में

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के दो सबसे बड़े स्टार लियोनल मेसी और क्रिस्टियोना रोनाल्डो के लिए यह समय कुछ ठीक नहीं चल रहा। दुनिया के दो अलग-अलग कोनों में खेल रहे यह खिलाड़ी इन दिनों गलत कारणों से सुर्खियों में है। जहां एक ओर मेसी ने अपने क्लब के कोच के साथ गलत व्यवहार किया वहीं रोनाल्डो को भी मैच में हुई देरी के लिए माफी मांगनी पड़ी।

मेसी ने पकड़ी विपक्षी की गर्दन – मेजर लीग सोकर में लियोनल मेसी की कप्तानी वाली इंटर मियामी का सामना न्यू यॉर्क सिटी से था। यह मैच 202 से ड्रॉ रहा। सोशल मीडिया पर इसी मैच का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में मेसी न्यूयॉर्क क्लब के सहायक कोच मेहदी बालोची की गर्दन पकड़ते हुए नजर आए। उन्होंने एक नहीं दो बार ऐसा किया। इसी कारण रेफरी ने उन्हें गलत व्यवहार के लिए यैलो कार्ड दिया।

रोनाल्डो ने मांगी माफी – रोनाल्डो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में माफी मांगते हुए कहा, यह एक कठिन खेल था। पहला हाफ मुश्किल था क्योंकि हमें बस में तीन घंटे की यात्रा करनी पड़ी क्योंकि यातायात और सड़कें बंद थीं। मैं अल नस्सर की ओर से खेल देर से शुरू करने के लिए माफ़ी मांगना चाहता हूं। ऐसा दोबारा नहीं होना चाहिए। माफी चाहता हूं।

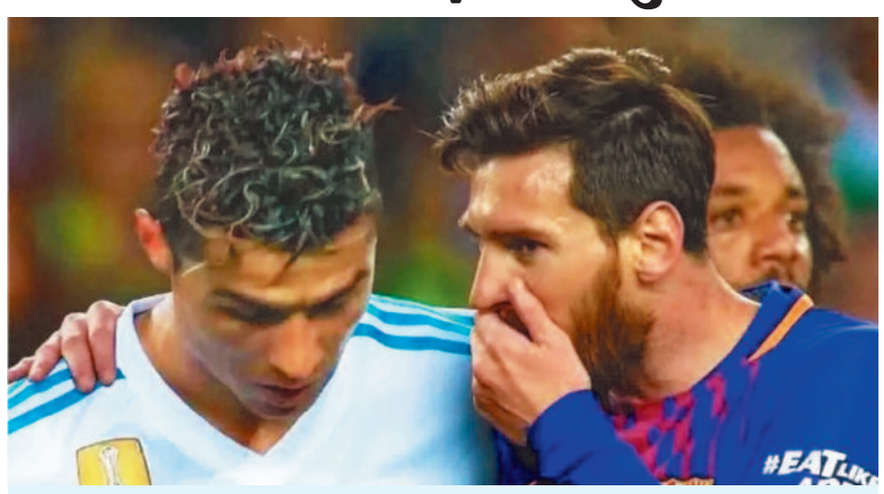

मेसी पर लगा जुर्माना

मेसी ने इसके बाद फिर से बालोची की गर्दन पकड़ी और फिर मैदान से बाहर चले गए। इस कारण लीग ने उनपर जुर्माना लगाया। है। कोई भी खिलाड़ी विपक्षी के चेहरे, सिर और गर्दन को हाथ नहीं लगा सकते। मेसी ने अपनी इस हरकत के लिए माफी मांगनी पड़ी। इंटर मियामी के कोच जावियर माशचेरानो ने विवाद पर कहा, कभी-कभी भावनाओं को नियंत्रित करना मुश्किल होता है। फुटबॉल में, आपको खिलाड़ियों और खेल की भावनाओं को समझना होता है। मैदान पर जो होता है, वह मैदान पर ही रहता है। मेसी के चिर प्रतिद्वंद्वी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी माफी मांगी। रोनाल्डो के क्लब अल नस्र को साउदी प्रो लीग में अल वेहदा के खिलाफ मुकाबला खेलना था। हालांकि टीम इस मैच के लिए डेढ़ घंटे देरी से पहुंची। इसी वजह से मैच शुरू होने में एक घंटे की देरी हो गई।

हिसार की बॉक्सर स्वीटी बूरा बोलीं-

पति ने पीटा, पूर्व कबड्डी कैप्टन हुड्डा बोले- मेरा सिर फोड़ा, चाकू मारा 3 साल पहले हुई शादी

हिसार, एजेंसी। हरियाणा में हिसार की वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर स्वीटी बूरा और उनके पति इंडियन कबड्डी टीम के पूर्व कैप्टन दीपक हुड्डा के रिश्तों में दरार आ गई है। दोनों की 3 साल पहले शादी हुई थी। स्वीटी बूरा ने आरोप लगाया कि पति हुड्डा ने उसके साथ मारपीट की। शादी में एक करोड़ और फॉरच्यूनर देने के बावजूद उसे प्रताड़ित किया। स्वीटी ने 50 लाख का हर्जाना और डेढ़ लाख मासिक खर्च की मांग के साथ कोर्ट में तलाक का केस भी दायर कर दिया है। स्वीटी ने इस मामले में हिसार पुलिस को शिकायत की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स से पति दीपक हुड्डा के सारे फोटो भी हटा दिए हैं। वहीं पति दीपक हुड्डा ने कहा कि स्वीटी और उसके परिवार ने संपत्ति हड़पने के साथ जान से मारने की धमकी दी है। उन्होंने इसके खिलाफ रोहतक में पुलिस को शिकायत दी है। बता दें कि स्वीटी और दीपक इस वक्त बीजेपी के नेता हैं। दीपक ने पिछला विधानसभा चुनाव लड़ा हालांकि स्वीटी बूरा को भाजपा ने टिकट नहीं दी थी। हिसार के एसपी शशांक कुमार सावन ने बताया कि दीपक हुड्डा को नोटिस देकर जांच में शामिल होने के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह नहीं आए। इस मामले में आगे कार्रवाई की जा रही है।

मैं पाकिस्तान जाता हूं...

एक साल में टीम खड़ी करके दिखा दूंगा

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने जाहिर की इच्छा, वसीम अकरम को भी लताड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट की स्थिति सुधरती हुई नजर नहीं आ रही है। आईसीसी टूर्नामेंट्स में उनका खराब प्रदर्शन चैंपियंस ट्रॉफी में भी जारी रहा। पाकिस्तान ग्रुप राउंड में ही बाहर हो गई। उन्हें पहले न्यूजीलैंड और फिर भारत से हार मिली। पाकिस्तान के शर्मनाक प्रदर्शन के बाद दिग्गज खिलाड़ी अपनी ही टीम की आलोचना कर रहे हैं। इस बीच भारत के पूर्व क्रिकेटर ने पाकिस्तान के कोच बनने की इच्छा जाहिर की हैं और दावा किया है कि वह एक साल में टीम को बदल देंगे।

वसीम अकरम ने दिया विवादित बयान – योगराज सिंह वसीम अकरम के टीवी शो में दिए गए बयान पर बात कर रहे थे। अकरम ने भारत-पाकिस्तान के मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि यह पहला या दूसरा ड्रिंक्स ब्रेक था और खिलाड़ियों के लिए केले से भरी प्लेट आई थी। इतने केले तो बंदर भी नहीं खाते। और यह उनका भोजन है। अगर यह हमारे कप्तान इमरान खान होते, तो वह हमें ऐसा करने पर डांट देते। इमरान हमें मजबूत और कठोर बनाना चाहते थे।

योगराज सिंह को पसंद नहीं आया बयान – योगराज सिंह को यह बयान पसंद नहीं आया। उन्होंने वसीम अकरम को जमकर लताड़ा। उन्होंने कहा, 'वसीम अकरम जैसे बड़े खिलाड़ी अपने प्लेयर्स के लिए ऐसी बात करे रहे हैं। साथ में बैठे सभी लोग हंस भी रहे हैं। शर्म आनी चाहिए इन लोगों को ऐसी बात करते हुए। शोएब अख्तर जी आप इतने बड़े खड़े होकर विराट कोहली और रोहित शर्मा से तुलना कर रहे हैं? आप वहां क्या कर रह हैं बैठे हुए।' उन्होंने पाकिस्तानी दिग्गजों से सवाल किया और कहा, 'वसीम जी वहां

बैठकर क्या कर रहे हैं। कमेंट्री से पैसा बना रहे हैं। आप अपने देश जाएं और कैंप लगाएं। मैं देखना चाहता हूं कि आप में से कौन पाकिस्तान को अगला वर्ल्ड कप जिताएगा। अगर आप ऐसा नहीं कर सकते हैं तो रिजाइन कर दें। योगराज ने यहां पाकिस्तान के कोच बनने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, 'मैं जाता हूं , एक साल में टीम खड़ी कर के दिखा दूंगा। याद रखोगे। यह सिर्फ जुनून की बात है। मैं अकेडमी में 12 घंटे देता हूं। आपको देश के लिए खून और पसीना देना पड़ता है।'

बांग्लादेश के कोच ने इन पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर लगाया परेशान करने का आरोप, 35 करोड़ रुपये की मानहानि का करेंगे केस

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान का अगला मुकाबला बांग्लादेश से है. लेकिन, 27 फरवरी को खेले जाने वाले उस मुकाबले पहले बांग्लादेश के स्पिन बॉलिंग कोच मुश्ताक अहमद ने पाकिस्तान के दो दिग्गज खिलाड़ियों पर परेशान करने का आरोप लगाया है. उन्होंने कैमरे पर आकर उन पर आरोप मढ़ा है, साथ ही 35 करोड़ रुपये की मानहानि का केस करने की भी बात कही है. मुश्ताक अहमद के मुताबिक उनके वकील जल्दी ही उन दिग्गज क्रिकेटरों को कानूनी नोटिस भी भेजेंगे.

अकरम और वकार को नोटिस भेजेंगे मुश्ताक – पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और बांग्लादेश के मौजूदा स्पिन बॉलिंग कोच मुश्ताक अहमद ने पाकिस्तान के जिन दो दिग्गज खिलाड़ियों को कानूनी नोटिस भेजने और उन पर मानहानि का केस करने की बात कहीं है, उनके नाम वसीम अकरम और वकार यूनुस हैं. ये वो खिलाड़ी हैं, जिनके साथ मुश्ताक अहमद पाकिस्तान के लिए काफी क्रिकेट खेल चुके हैं.

दुबई से भारत लौटा टीम इंडिया का ये स्टार खिलाड़ी

भगवान शिव के मंदिर में लगाई हाजिरी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी के मिशन में शानदार तरीके से आगे बढ़ रही है. पहले बांग्लादेश और फिर पाकिस्तान को मात देने के बाद टीम इंडिया ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है. इसी बीच टीम इंडिया का एक खिलाड़ी दुबई से लौटने के बाद भगवान शिव के मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचा. यहां बात हो रही है तिलक वर्मा की. जो भारत-पाकिस्तान मैच का लुत्फ स्टेडियम से लेते हुए नजर आए थे लेकिन अब वो महाशिवरात्रि के खास मौके पर मुंबई के बाबुलनाथ मंदिर में पहुंचें. जहां उन्होंने दीपक चाहर और कर्ण शर्मा के साथ

दीपक-कर्ण के साथ किए भगवान शिव के दर्शन किए.

बाबुलनाथ मंदिर में दर्शन – भारत के स्टार खिलाड़ी तिलक वर्मा स्पिनर कर्ण शर्मा और पेसर दीपक चाहर के साथ मुंबई के भगवान शिव के लोकप्रिय बाबुलनाथ मंदिर में पहुंचें. बुधवार को देश दुनिया में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है इस खास मौके पर इन तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने भी महादेव के मंदिर में हाजिरी लगाई और भगवान का आशीर्वाद लिया. सोशल मीडिया पर तिलक ने एक तस्वीर शेयर की है जिसमें तीनों के माथे पर तिलक लगा हुआ है और गले में रुद्राक्ष की माला नजर आ रही है. तीनों ही मंदिर परिसर में खड़े हुए हैं. तिलक वर्मा ने तस्वीर शेयर करते हुए 'हर हर महादेव' लिखा है.

22 मार्च से शुरू होगा आईपीएल 2025 – आईपीएल के अगले सीजन की शुरुआत 22 मार्च से होगी. पहला मैच डिफेंडिंग चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा. खिताबी मुकाबला भी इसी मैदान पर 25 मई को होगा. फाइनल सहित कुल 74 मैच इस दौरान खेले जाएंगे. 10 टीमें एक बार फिर से खिताब के लिए भिड़ेंगी ।

मुंबई इंडियंस के लिए साथ खेलेंगे तीनों खिलाड़ी

गौरतलब है कि दीपक चाहर, तिलक वर्मा और कर्ण शर्मा आईपीएल 2025 में एक ही टीम मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए नजर आएंगे. दीपक को मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 की नीलामी के दौरान 9.25 करोड़ रुपये में खरीदा था. स्पिनर कर्ण शर्मा को मुंबई ने 50 लाख रुपये की कीमत में अपने साथ जोड़ा था जबकि तिलक पहले से ही इस टीम का हिस्सा हैं. उन्हें मुंबई ने 8 करोड़ रुपये में रिटेन किया है.

आलिया ने गंगूबाई काठियावाड़ी के 3 साल पूरे होने का मनाया जश्न

संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी एस हुसैन जैदी की किताब पर आधारित है। इस फिल्म में आलिया ने गंगूबाई काठियावाड़ी का किरदार निभाया है। फिल्म के तीन साल पूरे होने पर आलिया ने अपने किरदार के आर्टवर्क को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए एक खास नोट भी लिखा है। गंगूबाई काठियावाड़ी के रूप में आलिया भट्ट के दमदार अभिनय को कौन भूल सकता है। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी इस फिल्म को 25 फरवरी, 2022 को सिनेमाघरों में आए तीन साल हो चुके हैं। इस उपलब्धि का जश्न मनाते हुए, आलिया भट्ट ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर गंगूबाई काठियावाड़ी से अपने किकरदार के कुछ स्केच शेयर किए, साथ ही कैप्शन में लिखा, गंगूबाई काठियावाड़ी के तीन साल हुए पूरे। गंगूबाई काठियावाड़ी एस हुसैन जैदी की पुस्तक माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई का सिनेमाई रूपांतरण है, जो काठियावाड़ की एक साधारण लड़की गंगूबाई काठियावाड़ी की कहानी बताती है, जिसे वेश्यावृत्ति में धकेल दिया जाता है और बाद में वह बॉम्बे के रेड-लाइट इलाके में एक मैडम और एक प्रभावशाली महिला बन जाती है।

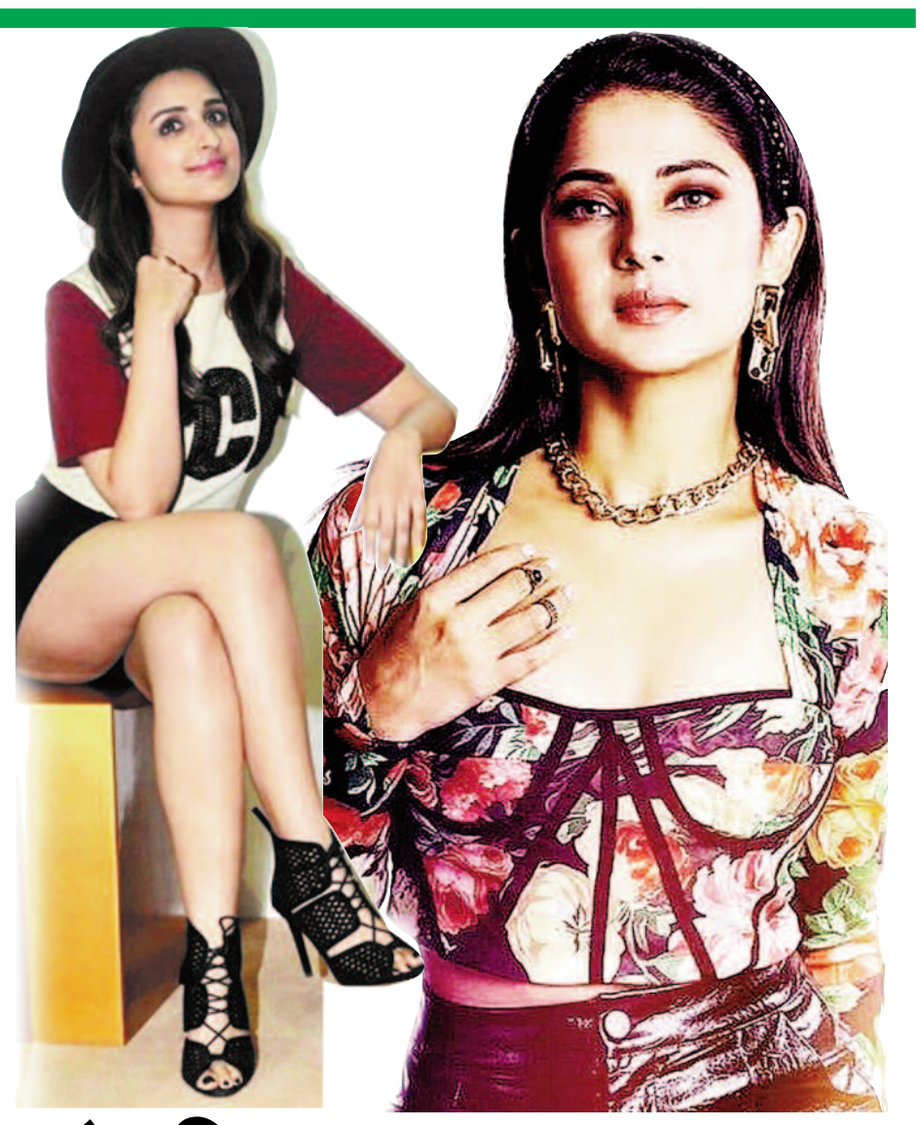

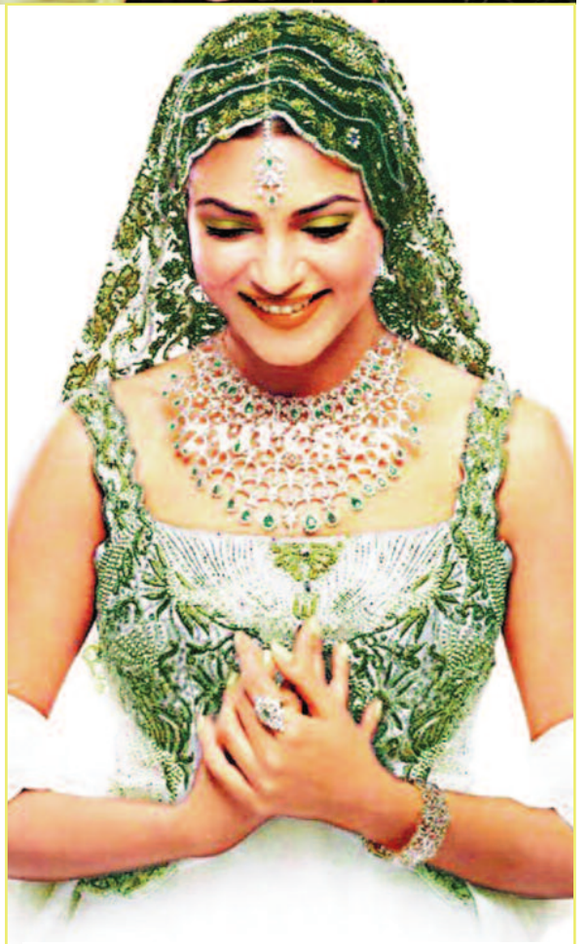

प्रशांत वर्मा की फिल्म में नजर आएंगे प्रभास? हैदराबाद में फिल्म के लुक टेस्ट में होंगे शामिल

प्रभास इन दिनों अपनी आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म द राजा साब को लेकर लगातार सुरिख्यों में बने हुए हैं। अभिनेता प्रभास के पास कई आगामी फिल्में शामिल हैं, जो अगले कुछ सालों में सिनेमाघरों में रिलीज होंगी, जिनमें कन्नप्पा, फौजी, स्पिरिट, सालार 2 और कल्कि 2 जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। इन सभी शानदार फिल्मों के अलावा प्रभास के पास एक और फिल्म शामिल हो गई है।

प्रशांत वर्मा की फिल्म में नजर आ सकते हैं प्रभास

प्रभास के पास द राजा साब, कन्नप्पा, फौजी, स्पिरिट, सालार 2 और कल्कि 2 जैसे दमदार फिल्मों के अलावा एक और फिल्म इस लिस्ट में शामिल है गई है। प्रभास अब फिल्म हनु-मान के निर्देशक प्रशांत वर्मा से एक खास प्रोजेक्ट के बारे में बातचीत कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रभास आज हैदराबाद में प्रशांत वर्मा द्वारा निर्देशित फिल्म के लिए लुक टेस्ट में हिस्सा ले सकते हैं। बहरहाल, अभी आधिकारिक तौर पर इस फिल्म को लेकर कोई घोषणा नहीं की गई है।

49 साल की Sushmita Sen शादी करने के लिए हैं बेकरार

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं. 49 साल की एक्ट्रेस की शादी को लेकर उनके तमाम चाहने वाले फैंस एक्साइटेड रहते हैं. अब सुष्मिता सेन ने अपनी शादी के प्लान को लेकर बात की है. दरअसल, सोशल मीडिया पर एक फैन के सवाल के जवाब में एक्ट्रेस ने शादी करने को लेकर खुलकर बात की है. आइए जानते हैं कि सुष्मिता सेन ने शादी के सवाल पर क्या कहा है. बताते चलें कि उन्होंने रोहमन शॉल को डेट किया था लेकिन दोनों का ब्रेकअप हो गया था.

सुष्मिता सेन लाइव सेशन में फैंस संग की बातचीत

सुष्मिता सेन ने इंस्टाग्राम पर एक लाइव सेशन में फैंस से बात की है और उनके तमाम सवालों के जवाब दिया है. इस दौरान एक फैन ने उनसे शादी करने के प्लान के बारे में पूछा. इस पर सुष्मिता सेन ने कहा, मैं भी शादी करना चाहती हूं. मिलना चाहिए ना कोई शादी करने के लायक. ऐसे थोड़ी होती है शादी. कहते हैं ना बहुत रोमांटिक तरीके से दिल का रिश्ता होता है, दिल तक बात तो पहुंचनी चाहिए ना, शादी भी कर लेंगे.

नेटफ्लिक्स पर धमाका करेंगी जेनिफर विंगेट और परिणीति चोपड़ा

अब परिणीति चोपड़ा ने अपनी पहली वेब सीरीज के साथ डिजिटल दुनिया में कदम रख दिया है।

इस रहस्य और थ्रिलर से भरपूर सीरीज का निर्देशन रेंसिल डी'सिल्वा कर रहे हैं, जो इसकी कहानी के लेखक भी हैं। फिलहाल इस वेब सीरीज के शीर्षक का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन दर्शकों के बीच इसे लेकर उत्सुकता बढ़ रही है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपनी पोस्ट में लिखा, हमें इस केस का लीड मिल गया है! एक नई मिस्ट्री थ्रिलर वेब सीरीज की तैयारी जोरों पर है। इस सीरीज में परिणीति चोपड़ा, सोनी राजदान, जेनिफर विंगेट, हरलीन सेठी, ताहिर राज भसीन, अनुप सोनी, सुमीत व्यास और चैतन्य चौधरी नजर आएंगे। यह वेब सीरीज नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग होगी, हालांकि इसकी रिलीज़ डेट का अभी खुलासा नहीं किया गया है। इस सीरीज का निर्माण सिद्धार्थ पी मल्होत्रा और सपना मल्होत्रा कर रहे हैं। इस सीरीज में परिणीति के साथ दिग्गज अभिनेत्री और आलिया भट्ट की मां, सोनी राजदान भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। परिणीति चोपड़ा को हाल ही में दिलजीत दोसांझ के साथ फिल्म अमर सिंह चमकीला में देखा गया था, जिसे इम्तियाज अली ने निर्देशित किया था। इस फिल्म में उनकी अदाकारी को काफी सराहा गया और यह नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

नेहा धूपिया ने खुद को कहा 'बॉस लेडी'

नेहा धूपिया ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया है, इसमें वह एक ब्लू कलर की शर्ट पहने दिख रही हैं, इस शर्ट पर 'बॉस लेडी' लिखा हुआ नजर आ रहा था। नेहा ने इस वीडियो को पोस्ट करने के साथ ही एक कैप्शन भी लिखा- 'चलो गेम शुरू करते हैं।' आगे वह बॉस लेडी का हैशटैग भी शामिल करती हैं। इन दिनों नेहा धूपिया रियालिटी शो 'रोडीज' में बतौर जज नजर आ रही हैं। इस शो में उनके साथ एल्विश यादव, रणविजय सिंह और रिया चक्रवर्ती भी जज के तौर पर दिख रहे हैं। 'रोडीज' के पिछले कुछ सीजन से नेहा इस शो का हिस्सा बन रही हैं। इस मंच पर उनका दबंग अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आता है। नेहा धूपिया के एक्टिंग करियर फ्रंट की बात की जाए तो वह पिछले साल फिल्म 'बैड न्यूज' में नजर आई थीं।

'हेराफेरी 3' से भी कटा कार्तिक का पत्ता

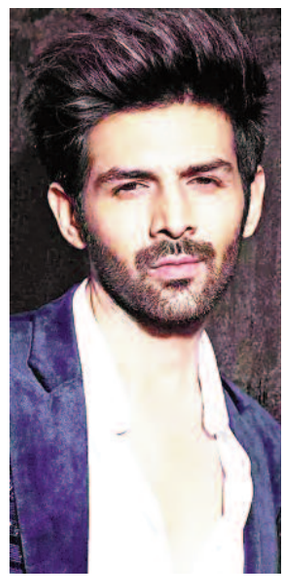

हिंदी सिनेमा की कॉमेडी फिल्मों में 'हेराफेरी' का अलग ही फैन बेस है। इसमें परेश रावल के निभाए किरदार बाबूराव गणपतराव आप्टे पर जितने मीम्स बने हैं, उतने शायद ही हिंदी सिनेमा के किसी दूसरे किरदार पर बने हों। अगले महीने इस फिल्म की रिलीज के 25 साल पूरे होने जा रहे हैं और इस दिन फिल्म 'हेराफेरी 3' को लेकर भी एक बड़ा एलान होने जा रहा है। इस फ्रेंचाइजी की साल 2006 में रिलीज सीक्वल 'फिर हेराफेरी' को नीरज वोरा ने निर्देशित किया था। अब प्रियदर्शन इसकी तीसरी कड़ी निर्देशित करने जा रहे हैं और ये पहली बार होगा जब प्रियदर्शन अपनी ही किसी फिल्म की कोई सीक्वल निर्देशित करेंगे। फिल्म में एक अहम किरदार कार्तिक आर्यन का भी था, और फिल्म में बाबूराव का किरदार करने वाले परेश रावल ने बाकायदा इसकी सोशल मीडिया पर पुष्टि भी की थी, लेकिन अब कार्तिक आर्यन इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।

बैंकॉक में दिग्गज अभिनेत्री Aruna Irani के साथ बड़ा हादसा, फैंस हुए...

बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री अरुणा ईरानी इन दिनों सुर्खियों में हैं. हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह व्हीलचेयर पर बैठी नजर आ रही हैं. इस वीडियो को देखकर उनके फैंस काफी चिंतित हो गए और उनकी सेहत को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं.

बैंकॉक में हुआ हादसा, पैर में आया फ्रैक्चर

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अरुणा ईरानी के साथ यह हादसा बैंकॉक में हुआ था, जहां वह अचानक गिर गईं और उनके पैर में गंभीर चोट आ गई. इस दुर्घटना के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनके पैर में फ्रैक्चर की बात कही है. इलाज के बाद अब वह भारत लौट चुकी हैं और मुंबई में डॉक्टरों की देखरेख में हैं.

साभार एजेंसी

मामा गोविंदा के तलाक के भांजे विनय आनंद ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में गोविंदा और पत्नी सुनीता के अलगाव की अफवाह कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आई। इस पर गोविंदा की भांजी आरती ने अपनी राय रखी है। अब गोविंदा के भांजे विनय आनंद ने भी मामा और मामी सुनीता आहूजा के अलगाव की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में अभिनेता गोविंदा के अलगाव की अफवाह वाली खबर चर्चा में है। अब तक गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता की तरफ से इस खबर को लेकर कोई जवाब नहीं आया है। लेकिन गोविंदा की भांजी आरती के बाद अब भांजे विनय आनंद ने चुप्पी तोड़ी है। क्या कहा, विनय ने इस खबर को लेकर जानिए?

विनय बोले दोनों समझदार लोग हैं

गोविंदा और सुनीता के अलगाव की अफवाहों पर भांजे विनय आनंद ने हालिया दिए

गए एक इंटरव्यू में कहा, 'वे दोनों बड़े हैं, समझदार हैं। वे अपने फैसले ले सकते हैं। बाकी ऐसा कुछ होगा, मुझे नहीं लगता है।' गोविंदा के भांजे विनय भोजपुरी फिल्मों में बतौर हीरो एक्टिव हैं।

भांजी आरती ने क्या कहा

आरती ने मामा गोविंदा के तलाक की खबरों को गलत बताया है। वह कहती हैं, 'कई सालों में उन्होंने बहुत मजबूत और प्यारा रिश्ता बनाया है, ऐसे में वह तलाक कैसे ले सकते हैं? मुझे नहीं पता कि लोगों को ऐसी अफवाहें कहां से मिलती हैं? ये सरासर गलत है।

शादी को हो चुके हैं 37 साल

गोविंदा और सुनीता की शादी को लगभग 37 साल हो चुके हैं। दोनों की लव मैरीज हुई थी। गोविंदा और सुनीता के दो बच्चे हैं, एक बेटी टीना और एक बेटा यशवर्धन। टीना फिल्मों में अभिनय कर चुकी है, यश फिल्मों में आने की तैयारी कर रहे हैं। पिछले दिनों कुछ इंटरव्यू में सुनीता ने कहा था कि गोविंदा काम में व्यस्त रहते हैं तो देर से घर आते हैं। ऐसे में वह अलग घर में रहती हैं और गोविंदा दूसरे घर में रहते हैं, जिससे दोनों का रूटीन डिस्टर्ब ना हो।

500 करोड़ के क्लब में छावा ने मारी धांसू एंट्री 12 दिन की कमाई से हिलाया...

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की फिल्म छावा बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा रही है. छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे संभाजी महाराज की जिंदगी पर बनी फिल्म में विक्की कौशल ने अपनी लाजवाब एक्टिंग से फैंस का दिल जीत लिया. 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने चंद दिनों में बॉक्स ऑफिस हिला दिया है. फिल्म 100-200 और 300 करोड़ के क्लब को पीछे छोड़ काफी आगे बढ़ गई है. फिल्म के 12वें दिन की कमाई भी सामने आ गई है, जिसे देखकर आपके होश उड़ने वाले हैं. लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी फिल्म छावा में हर किरदार ने महफिल लूट लेने वाला काम किया है. इस फिल्म में संभाजी और औरगंजेब की लड़ाई ने हर किसी के मन में जोश भर दिया. इतना ही नहीं, आखिरी सीन में संभाजी की मौत देख हर कोई इमोशनल हुआ है. फिल्म इसी जज्बे के साथ बॉक्स ऑफिस पर कमाई कर रही है. सोमवार के फिल्म की कमाई में काफी गिरावट आई, लेकिन दूसरा सोमवार देखते हुए इस कमाई को भी अच्छा माना गया. सोमवार को फिल्म ने 18.50 की कमाई के साथ 345.25 करोड़ की टोटल कमाई कर ली थी और अब फिल्म का आंकड़ा घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 350 करोड़ से बाहर हो गया है. शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार यानी 12 दिन फिल्म की कमाई में थोड़ी और गिरावट आई है. 12वें दिन फिल्म ने 17.00 करोड़ रुपये कमाए हैं, जिसके बाद फिल्म का टोटल कलेक्शन अब तक 362.25 करोड़ रुपये हो गए हैं. कमाई का ये आंकड़ा घरेलू बॉक्स ऑफिस पर है.